धनबाद
गुरूवार 04.12.2025
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-31 अंक-279 पृष्ठ- 12
अग्रहण शुक्ल पक्ष-14
संवत 2082

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक
बिहार ऑबजर्वर

आईआईटी-आईएसएम के शताब्दी स्थापना सप्ताह का शुभारंभ

यह संस्थान देश की प्रगति का मजबूत स्तंभ : डॉ.पी.के.मिश्रा

धनबाद (कासं) : आईआईटी-आईएसएम धनबाद में शताब्दी स्थापना सप्ताह का आगाज बेहद गरिमापूर्ण माहौल में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ.पी.के. मिश्रा, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने संस्थान के १०० वर्ष पूरे होने पर बधाई देते हुए कहा कि आईआईटी-आईएसएम पिछले एक सदी से राष्ट्र निर्माण, खनन प्रौद्योगिकी और मानव संसाधन विकास में अहम योगदान देता आया है और आने वाले दशकों में भी इसकी भूमिका और बढ़ेगी।

कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। सत्र का संचालन प्रो. रजनी सिंह, डीन (कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस) ने किया, जिनकी एंकरिंग की मुख्य अतिथि ने विशेष सराहना की। समारोह में विभिन्न वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, राजनयिकों, उद्योग विशेषज्ञों, पूर्व छात्र-छात्राओं और मौजूदा विद्यार्थियों की बड़ी संख्या मौजूद रही।

आईआईटी-आईएसएम के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने स्वागत भाषण में कहा कि शताब्दी केवल उत्सव नहीं, बल्कि संस्थान की जिम्मेदारियों का एक नया अध्याय है। उन्होंने कहा कि संस्थान आने वाले समय में माइनिंग ४.०, डिजिटल टेक्नोलॉजी, क्लीन एनर्जी, सस्टेनेबिलिटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्रिटिकल मिनरल रिसर्च जैसे क्षेत्रों में देश का नेतृत्व करेगा।

एमएनआईटी जयपुर के निदेशक प्रो. एन. पी. पाढ़ी, जिन्हें समारोह में सम्मानित किया गया, ने कहा कि आईआईटी-आईएसएम का १०० वर्ष का सफर देश के तकनीकी इतिहास में एक प्रेरक अध्याय है। उन्होंने संस्थान की तेज़ी से बढ़ती रिसर्च क्षमता, नवाचार वातावरण और वैश्विक सहयोगों की प्रशंसा की।

ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर एंड्रयू एलेक्ज़ेंडर फ्लेमिंग ने शताब्दी समारोह में शामिल होकर खुशी जताई और कहा कि यूके-इंडिया विज़न २०३५ के तहत आईआईटी-आईएसएम और ब्रिटेन के बीच सहयोग लगातार मज़बूत हो रहा है। उन्होंने टेक्समिन और यूके-आधारित जियोटेक के साथ शुरू हुई नई डिजिटाइज़ेशन लैब साझेदारी की भी सराहना की।

मुख्य अतिथि डॉ. पी. के. मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि भारत आज जिस तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, उसमें टेक्नोलॉजी-आधारित गवर्नेंस, अंतरिक्ष और क्वांटम टेक्नोलॉजी, ग्रीन एनर्जी, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी उपलब्धियाँ देश की ताकत बन रही हैं। उन्होंने कहा कि आईआईटी-आईएसएम को क्रिटिकल मिनरल्स, एआई, सतत विकास और समाज-हित वाली तकनीकों में रिसर्च को और आगे ले जाना चाहिए। उन्होंने महिला-नेतृत्व वाले विकास पर भी जोर दिया और कहा कि संस्थान का इनोवेशन इकोसिस्टम देखकर वे बेहद प्रभावित हैं।

मुख्य कार्यक्रम के बाद मुख्य अतिथि और अतिथियों ने कई नई सुविधाओं का उद्घाटन और अवलोकन किया, जिनमें वर्चुअल रियलिटी माइन सिम्युलेटर लैब, डिजिटल माइनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर लैब (प्राइवेट ५ जी), टेक्समिन- जियोटेक ड्रिल कोर डिजिटाइजेशन लैब, बोर्ड एंड पिलर ट्रेनिंग गैलरी, लॉन्गवाल अंडरग्राउंड कोल माइन गैलरी, और स्टार्टअप्स के लिए सीड फंड सपोर्ट लेटर सौंपना शामिल था। इसके बाद ज्ञान-विज्ञान प्रांगण का शुभारंभ किया गया, जिसमें एआई-आधारित इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस, डिजिटल ट्विन, रोबोटिक्स, ३ डी मेटावर्स-बेस्ड माइनिंग मॉडल, क्लीन एनर्जी इनोवेशन और भारतीय ज्ञान प्रणाली से जुड़े प्रदर्शन लगाए गए थे।

कार्यक्रम के अंत में आईआईटी-आईएसएम के उपनिदेशक प्रो. धीरज कुमार ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों, संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों और प्रशासन का आभार जताया। समारोह का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। संस्थान का यह महत्वपूर्ण पड़ाव दिखाता है कि आईआईटी-आईएसएम न केवल अपने गौरवशाली अतीत का सम्मान कर रहा है, बल्कि विकसित भारत २०४७ की दिशा में देश के तकनीकी नेतृत्व को नई गति देने के लिए भी पूरी तरह तैयार है।

दंतेवाड़ा-बीजापुर की सीमा में नक्सलियों के साथ जवानों की मुठभेड़, 12 नक्सली ढेर, 3 जवान शहीद

जगदलपुर (ईएमएस): छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर जवानों ने १२ नक्सलियों को मार गिराया है। सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं। मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़ सकी है। वहीं एनकाउंटर में डीआरजी के ३ जवान शहीद और २ घायल हो गए हैं। बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी. ने पुष्टि की है। बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि एनकाउंटर में बीजापुर डीआरजी के जवान हेड कॉन्स्टेबल मोनू वडारी, रमेश सोड़ी और कॉन्स्टेबल दुकारू गोंडि शहीद हो गए। गंगालूर थाना इलाके के जंगलों में जवानों की टीम लगातार सर्चिंग कर रही है।

एसपी जितेंद्र यादव ने बताया कि डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा और सीआरपीएफ की जॉइंट टीम बुधवार सुबह ९ बजे से बीजापुर-दंतेवाड़ा बॉर्डर के वेस्ट बस्तर डिवीजन इलाके में सर्च ऑपरेशन पर थी। जंगल में सर्च ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों ने अचानक फायरिंग शुरू की। जवाबी कार्रवाई में नक्सली मारे गए।

एसपी ने बताया कि जवानों ने एनकाउंटर वाली जगह से एसएलआर राइफल, ३०३ राइफल और गोला-बारूद भी बरामद किया है। मारे गए नक्सलियों की पहचान की जा रही है। इसके १६ दिन पहले ही खूंखार नक्सली हिडमा अपनी पत्नी राजे के साथ मारा गया था। यह मुठभेड़ गंगालूर इलाके में हो रही है, जो माओवादी कमांडर पापा राव का इलाका है। सुरक्षाबलों ने बड़ी संख्या में माओवादियों को घेराबंदी में ले रखा है। अधिकारियों के अनुसार, ढेर हुए माओवादियों की संख्या और बढ़ सकती है, ▸▸ 8

कानून इंसानियत से बड़ा नहीं, मानवीय आधार पर दी मंजूरी : सुप्रीम कोर्ट

बांग्लादेश डिपोर्ट की गई गर्भवती को वापस लाएं

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने मानवीय आधार पर बांग्लादेश की एक गर्भवती महिला और उसकी आठ वर्षीय बेटी को भारत में प्रवेश की इजाजत दे दी है। बताया गया है कि इस महिला को कुछ महीने पहले सीमा पार करा बांग्लादेश भेज दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट की चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने बुधवार को पश्चिम बंगाल सरकार को बच्चे की देखभाल का निर्देश दिया और बीरभूम जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) को गर्भवती महिला सुनाली खातून को हरसंभव चिकित्सीय सहायता देने को कहा।

बेंच ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की इस दलील को रिकॉर्ड पर लिया कि केंद्र सरकार का सक्षम प्राधिकरण मानवीय आधार पर महिला और उसके बच्चे को देश में प्रवेश देने पर सहमत है और उन्हें निगरानी में रखा जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि सुनाली और उसकी बेटी को दिल्ली वापस लाया जाएगा। २७ जून ▸▸ 8

अब सभी दिव्यांग एक ही कैटेगरी के माने जाएंगे मिलेगा समान अधिकार : मंत्री इरफान अंसारी

जमशेदपुर (एजेंसी): जमशेदपुर में राज्य सरकार ने दिव्यांगजनों के अधिकारों को लेकर बड़ा ऐलान किया है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने बुधवार को बताया कि झारखंड अब दिव्यांगता प्रमाण पत्र से प्रतिशत आधारित श्रेणीकरण को पूरी तरह हटाने जा रहा है। इसका मतलब यह है कि अब १०%, २०% या ५०% जैसी कोई अलग-अलग कैटेगरी नहीं होगी। सभी दिव्यांग एक समान श्रेणी में गिने जाएंगे और सभी को बराबर अधिकार दिए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि कैबिनेट से मंजूरी मिलते ही इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी जाएगी।

डॉ. अंसारी ने कहा कि इस नई प्रणाली से भेदभाव खत्म होगा और दिव्यांगजन बिना किसी जटिलता के अपने अधिकार और सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश के सभी सदर अस्पतालों में जल्द सीटी स्कैन और एमआरआई मशीनें लगाई जाएंगी, जिसमें एमजीएम अस्पताल को भी शामिल ▸▸ 8

मुख्यमंत्री को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत, ईडी समन अवहेलना मामले में निजी पेशी से छुटकारा

रांची (एजेंसी): झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बुधवार को हाईकोर्ट से महत्वपूर्ण राहत मिली। ईडी के समन की अवहेलना से जुड़े मामले में अदालत ने ट्रायल कोर्ट में उनकी अनिवार्य व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट दे दी है।

जस्टिस अनिल चौधरी की पीठ ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद याचिका को मेरिट के आधार पर निपटा दिया। इसके बाद अब ट्रायल की अगली तारीखों पर सीएम सोरेन को कोर्ट में खुद मौजूद रहने की जरूरत नहीं होगी।

सीएम की ओर से वरीय अधिवक्ता अरूणव चौधरी और

अधिवक्ता दीपांकर राय ने दलील दी कि हेमंत सोरेन एक संवैधानिक पद पर हैं, इसलिए हर तिथि पर सशरीर पेशी उनके प्रशासनिक कार्यों में बाधा डाल सकती है और अनावश्यक दबाव भी उत्पन्न करती है। अदालत ने इस तर्क को स्वीकार करते हुए उन्हें राहत प्रदान की।

मामला क्या है?

यह पूरा विवाद ईडी के उन समनों से जुड़ा है, जिनका पालन न करने का आरोप हेमंत सोरेन पर लगाया गया था। ईडी ने उन्हें कथित जमीन घोटाले और उससे जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग की जांच में पूछताछ के लिए कई बार बुलाया था। सीएम की ओर से कहा गया था कि कुछ समन ऐसे समय भेजे गए जब वे सरकारी ▸▸ 8

आज भारत आएंगे पुतिन, कल पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

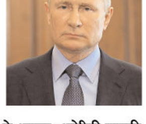

नई दिल्ली (ईएमएस): रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार को भारत आने वाले हैं। वहीं, ५ दिसंबर को पुतिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। पुतिन का यह दौरा लगातार सूर्खियों में है। पुतिन के आने से पहले भारत और रूस के बीच कई डील पर हस्ताक्षर हो चुके हैं, जिनमें रक्षा समझौता भी शामिल है।

पुतिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने भारत को लेकर सख्त रुख अपनाया है। यही वजह है कि रूस शिखर सम्मेलन के दौरान भारत के साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने पर जोर देगा। नई दिल्ली और मॉस्को के बीच महत्वपूर्ण रक्षा समझौते को भी रूसी संसद ने मंजूरी दे दी है।

दिल्ली धमाके के मुख्य आरोपी जसीर बिलाल वानी की हिरासत 7 दिन बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस): पटियाला हाउस कोर्ट ने दिल्ली ब्लास्ट केस के मुख्य आरोपी जसीर बिलाल वानी की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) हिरासत सात दिन और बढ़ा दी। अनंतनाग के काजीगुंड निवासी वानी को एनआईए ने १७ नवंबर को श्रीनगर में गिरफ्तार किया था। बिलाल पर आरोप है कि दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार ब्लास्ट से पहले ड्रोन को मॉडिफाई करके हमले करने और रॉकेट बनाने की कोशिश में तकनीकी मदद दी थी।

कलकत्ता हाईकोर्ट की खंडपीठ ने पलटा फैसला

नहीं छिनेगी 32000 शिक्षकों की नौकरियां

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल में प्राथमिक स्कूल शिक्षकों को कलकत्ता हाईकोर्ट ने बड़ी राहत दी है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बुधवार को कहा कि ३२,००० प्राथमिक स्कूल शिक्षकों की नौकरियां बनी रहेंगी। कलकत्ता हाईकोर्ट में न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय की एकल पीठ के फैसले को न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती की खंडपीठ ने पलट दिया।

कलकत्ता हाईकोर्ट की एक खंडपीठ ने बुधवार को एकल पीठ के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें पश्चिम बंगाल में ३२,००० प्राथमिक स्कूल शिक्षकों की नियुक्तियों को रद्द कर दिया गया था। इन शिक्षकों की भर्ती २०१४ की शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के माध्यम से की गई थी। न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती की अध्यक्षता वाली

पीठ ने कहा कि वह एकल पीठ के आदेश को बरकरार रखने के लिए इच्छुक नहीं है, क्योंकि सभी भर्तियों में अनियमितताएं साबित नहीं हुई हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि नौ वर्ष के बाद नौकरी खत्म करने से प्राथमिक शिक्षकों और उनके परिवारों पर बहुत प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। ▸▸ 8

बाल विवाह मुक्त भारत 100 दिवसीय अभियान का शुभारंभ आज

नई दिल्ली (ईएमएस): महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा शुरू किए जा रहे बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ गुरुवार को, बाल विवाह को समाप्त करने के राष्ट्रीय मिशन के एक साल पूरे होने के अवसर पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में होगा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर इसका शुभारंभ करेंगी। मूल अभियान की शुरुआत २७ नवंबर २०२४ को की गई। १०० दिन के अभियान की रणनीति तीन चरणों में होगी। पहला चरण (३१ दिसंबर २०२५ तक) स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जागरूकता गतिविधियां (डिबेट, निबंध, शपथ ग्रहण)। दूसरा चरण (३१ जनवरी २०२६ तक) धार्मिक नेताओं, सामुदायिक प्रभावकारों और विवाह सेवा प्रदाताओं के साथ मिलकर बच्चों के अधिकारों का संदेश फैलाना। तीसरा/अंतिम चरण (१ फरवरी से ८ मार्च २०२६ तक) ग्राम पंचायतों और नगर निकायों के सहयोग से स्थानीय स्तर पर बाल विवाह मुक्त क्षेत्र घोषित करने के प्रस्ताव पारित करना।

राज्यसभा में हलाल सर्टिफिकेशन पर हुई गर्मा-गरम बहस

मांस के अलावा दूध, चीनी, तेल और सीमेंट पर भी सवाल

नई दिल्ली (ईएमएस): शीतकालीन सत्र के दौरान बुधवार को राज्यसभा में हलाल सर्टिफिकेशन को लेकर गर्मा-गरम बहस हुई। महाराष्ट्र से भाजपा सांसद डॉ. मेधा विश्राम कुलकर्णी ने कहा, हलाल केवल मांस से संबंधित एक धार्मिक और आस्था-संकेतित प्रक्रिया है, लेकिन इसके दायरे को कई अन्य पदार्थों तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि मांस के अलावा दूध, चीनी, तेल और यहां तक कि सीमेंट, प्लास्टर और अन्य निर्माण सामग्री को भी हलाल सर्टिफिकेट दिया जा रहा है, जो अतार्किक और आशंकाओं को पैदा करने वाला है।

भाजपा सांसद डॉ. कुलकर्णी ने कहा, कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और यहां विभिन्न आस्थाओं के लोग रहते हैं। हलाल सर्टिफिकेशन केवल मुस्लिम आस्था से जुड़ा विषय है, लेकिन इसे अन्य लोगों पर थोपने से उनके धार्मिक विश्वासों का उल्लंघन होता है। उन्होंने कहा, हिंदू और सिख समुदाय के लोग हलाल मांस नहीं खाते, ऐसे में उनके लिए हलाल प्रमाणित मांस अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सही नहीं है।

सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि हलाल सर्टिफिकेशन देने वाली संस्थाओं द्वारा चार्जेस लगाए जाने से बाजार में कीमतें बढ़ती हैं और उपभोक्ताओं को अप्रत्यक्ष रूप से इसका भुगतान करना पड़ता है। उन्होंने इसे उपभोक्ता स्वतंत्रता और बाजार पारदर्शिता के लिए हानिकारक बताया। डॉ. मेधा ने मेडिकल अध्ययनों का हवाला देते हुए यह भी दावा किया कि हलाल प्रक्रिया से मांस में कुछ ऐसे रासायनिक तत्व उत्पन्न ▸▸ 8

अमेरा ओपनकास्ट कोल माइंस के विस्तार का विरोध, कोयला खदान में पथराव

आंसू-गैस के गोले छोड़े, पुलिस-ग्रामीणों में झड़प, 25 पुलिसकर्मी घायल

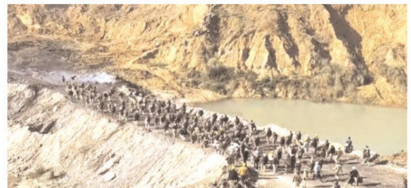

सरगुजा (ईएमएस): छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के अमेरा ओपनकास्ट कोल माइंस के विस्तार का ग्रामीण विरोध कर रहे हैं। बुधवार को पुलिसकर्मियों और ग्रामीणों के बीच झड़प हो गई। इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। गुलेल से भी हमला किया। हमले में एएसपी, थाना प्रभारी सहित करीब २५ पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। वहीं १२ से ज्यादा ग्रामीणों को भी चोट आई है। हालात को काबू करने पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। थाना प्रभारी को अंबिकापुर रेफर कर दिया गया है। मामला लखनपुर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, एसईसीएल के अमेरा खदान के विस्तार के लिए परसोढ़ी गांव की जमीनें साल २००१ में अधिग्रहित की गई है। ग्रामीण अपनी जमीन देने तैयार नहीं हैं। बुधवार को प्रशासनिक अधिकारी करीब ५०० की संख्या में पुलिस बल के साथ जमीन अधिग्रहण के लिए पहुंचे थे। ग्रामीणों ने पुलिसकर्मियों पर पत्थर, गुलेल से हमला किया। इसके जवाब में पुलिसकर्मियों ने भी ग्रामीणों पर पत्थर चलाए। ग्रामीण और पुलिस दोनों एक-दूसरे पर पहले पत्थर चलाने का आरोप लगा रहे हैं। पत्थरबाजी में एएसपी अमोलक सिंह, एसडीओपी ग्रामीण, धौरपुर थाना प्रभारी अश्वनी सिंह सहित २५ पुलिसकर्मियों को चोट आई है। थाना प्रभारी अश्वनी सिंह को ज्यादा चोट लगने के कारण अंबिकापुर रेफर किया गया है। ग्रामीणों के अनुसार पुलिस की ओर से भी पत्थर चलाए गए। इसमें १२ से ज्यादा ग्रामीणों को चोटे आई है। पत्थरबाजी के बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। वहीं अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

जबरदस्ती कब्जा दिलाने पर अड़ा प्रशासन

ग्रामीणों ने बताया कि अमेरा खदान के लिए साल २००१ में भूमि अधिग्रहण हुआ। अब तक मात्र १९ प्रतिशत ▸▸ 8

संपादकीय

वृद्धि की दर! आंकड़ों पर उठ रहे कुछ सवाल

देश की अर्थव्यवस्था को लेकर आने वाली सकारात्मक खबरें निश्चित तौर पर एक राहत का संदेश होती हैं। खासतौर पर जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुस्तरीय उथल-पुथल के बीच देश कई विपरीत स्थितियों का सामना कर रहा हो, आर्थिक विकास दर में सामान्य से अधिक बढ़ोतरी के आंकड़े बताते हैं कि अगर समाधानमूलक उपायों को लागू करने को लेकर संजीदगी बरती जाए, तो रास्ते निकाले जा सकते हैं।

ताजा सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, देश के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की वृद्धि दर जुलाई-सितंबर की दूसरी तिमाही में 8.2 फीसद बढ़ी, जो पिछली छह तिमाहियों का उच्चतम स्तर है। यह वृद्धि करीब सात फीसद के अनुमान से अधिक है।

दरअसल, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, कारखाना उत्पादन में तेजी और सेवा क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन के बेहतर नतीजे सामने आए। सही है कि इस समय कृषि क्षेत्र सुस्ती के दौर से गुजर रहा है, लेकिन कारखाना उत्पादन और सेवा क्षेत्र में तेज प्रगति देखी गई, जिसने कृषि क्षेत्र में आई शिथिलता को बेअसर कर दिया।

जाहिर है, जीडीपी वृद्धि दर के ताजा सरकारी आंकड़े को आर्थिक मोर्चे पर एक उपलब्धि के तौर पर देखा जा सकता है, लेकिन अगर इसका असर जमीनी स्तर पर भी स्पष्ट दिखे और जनता को उसका लाभ सीधे महसूस हो, तभी इसका कोई अर्थ है।

निश्चित तौर पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई शुल्क नीति के दायरे में भारत भी है और इससे इसके निर्यात क्षेत्र पर खासा

प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-अलग जगहों पर युद्धों और अन्य अनिश्चितताओं के कारण भी बहुत सारे देशों की अर्थव्यवस्थाएं लगातार बचाव या जद्दोजहद की स्थिति से गुजर रही हैं। ऐसे में अगर भारत ने वृद्धि दर के मोर्चे पर अनुमान से अधिक हासिल किया है, तो यह अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत है।

मगर सवाल यह है कि जिस महंगाई दर के आंकड़े के आधार भी वृद्धि दर के आंकड़े में शामिल माने जाते हैं, क्या उसमें वास्तव में इतनी कमी आई है? महंगाई दर के कम होने को लेकर सरकार के आधिकारिक आंकड़ों के बरक्स यह छिपा नहीं है कि रोजमर्रा की जरूरत की चीजों की कीमतों के मामले में आम लोगों के सामने किस तरह की चुनौतियां खड़ी हैं।

यह बेवजह नहीं है कि सरकार के ताजा आंकड़ों पर कुछ सवाल उठ रहे हैं और कहा जा रहा है कि जब तक निजी निवेश और सकल स्थिर पूंजी निर्माण में वास्तविक उछाल नहीं आता, तब तक ऐसे आंकड़े टिकाऊ नहीं हो सकते। दूसरी ओर, सरकार की ओर से जीडीपी वृद्धि दर को लेकर ये आकलन ऐसे समय जारी किए गए, जब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आइएमएफ ने अपनी एक रपट में भारत की अर्थव्यवस्था के वार्षिक मूल्यांकन में यहां के राष्ट्रीय खातों के आंकड़ों में गंभीर खामियां बताते हुए इन्हें 'सी' श्रेणी में रखने की बात कही है। आंकड़ों की गुणवत्ता के लिहाज से इसे दूसरा सबसे निचला स्तर माना जाता है। आइएमएफ की रपट चिंता का कारण इसलिए भी है कि इसकी रपटों के आधार पर कई बार उपलब्धियों को सकारात्मक बताया जाता है, तो इसकी ओर से भारत की अर्थव्यवस्था के बारे में ताजा आकलन को किस संदर्भ में देखा जाएगा। जो हो, जीडीपी वृद्धि दर को लेकर एनएसओ के आंकड़े अगर अर्थव्यवस्था के वास्तविक धरातल पर सही हैं, तो यह देश के लिए राहत की बात है।

चिंताजनकः जीव-जंतुओं की प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर पहुंची

भारत में कई जीव-जंतुओं की प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर पहुंच गई हैं। इस बीच पूर्वोत्तर में हाल ही में उभयचर जीवों की तेरह नई प्रजातियों के अस्तित्व की खोज वास्तव में राहत भरी है। मानव समाज विविध एवं गहन पारिस्थितिकी तंत्र पर निर्भर है और जब जीवों की प्रजातियां कम या खत्म होने लगती हैं, तो इस तंत्र की कड़ियां भी टूटने लगती हैं। वर्तमान में भले ही इसका प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से नजर न आए, लेकिन भविष्य में इसका नतीजा निश्चित रूप से भयावह रूप में सामने आएगा। जिन उभयचरों की नई प्रजातियां मिली हैं, उनमें से छह अरुणाचल प्रदेश, तीन मेघालय और एक-एक असम, मिजोरम, नगालैंड तथा मणिपुर में पाई गई हैं। जाहिर है कि ये प्रजातियां कभी अच्छी-खासी तादाद में रही होंगी, लेकिन पर्यावरण में बदलाव, जलवायु परिवर्तन और मानवीय गतिविधियों से उपजी स्थितियों के कारण इनकी संख्या इतनी कम हो गई कि ये वर्षों तक इंसानी नजर से भी ओझल रहीं। दरअसल, पशु-पक्षियों और अन्य जीवों की कई प्रजातियों का विलुप्त होना पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के विनाश का सूचक है और इस मसले को हर स्तर पर गंभीरता से लेने की जरूरत है। देश की जैव विविधता का नियमित तौर पर दस्तावेजीकरण होना चाहिए, ताकि विलुप्त होने की कगार पर पहुंच चुकी प्रजातियों को पहचान कर उनके संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किए जा सकें। इस संकट की गहराई का आकलन संयुक्त राष्ट्र के अंतर-सरकारी विज्ञान-नीति मंच की एक रपट से किया जा सकता है, जिसमें कहा गया है कि दुनिया भर में कशेरुकी यानी रीढ़ वाले जीवों की 680 प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं और करीब दस लाख प्रजातियों पर इसी तरह का खतरा मंडरा रहा है। भारत में गौरैया चिड़िया भी इसी संकट से गुजर रही है। अलग-अलग रपटों के मुताबिक, चालीस वर्षों में देश में गौरैया की तादाद साठ-पैंसठ फीसद तक कम हो गई है। कुछ वर्ष पहले तक गौरैया के संरक्षण के लिए कई स्तरों पर विशेष मुहिम शुरू हुई थी, लेकिन वक्त के साथ ये प्रयास दम तोड़ते नजर आ रहे हैं।

आज का कार्टून

बहुत अहम है व्लादिमीर पुतिन का भारत दौरा

रूस के प्रेसिडेंट व्लादिमीर पुतिन का 23वें सालाना बाइलेटरल समिट के लिए 4-5 दिसंबर को होने वाला भारत दौरा भारत-रूस रिश्तों में एक अहम पल है, जो बदलते जियोपॉलिटिकल डायनामिक्स के बीच एक मुश्किल बदलाव से गुजर रहे हैं. ऐसे समय में हो रहा है, जब यूक्रेन विवाद के बाद ग्लोबल रिश्ते बदल रहे हैं. यूएस-चीन की दुश्मनी बढ़ रही है. और एनर्जी मार्केट में उथल-पुथल मची हुई है. यह दौरा दोनों देशों के लिए स्ट्रेटेजिक, पॉलिटिकल और इकोनॉमिक अहमियत रखता है. विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को पुतिन के दौरे की ऑफिशियल घोषणा करते हुए कहा, 'इस दौरे के दौरान, प्रेसिडेंट पुतिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत करेंगे.' राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी प्रेसिडेंट पुतिन की अगवानी करेंगी और उनके सम्मान में एक दावत देंगी. मंत्रालय ने आगे कहा, 'आने वाला यह सरकारी दौरा भारत और रूस की लीडरशिप को आपसी रिश्तों में हुई तरक्की का रिव्यू करने, 'स्पेशल एंड प्रिविलेज्ड स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप' को मजबूत करने का विजन तय करने और आपसी फायदे के रीजनल और ग्लोबल मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का मौका देगा.'

अरूणिम भुयान

क्रेमलिन की तरफ से जारी एक अलग बयान में कहा गया है कि 'यह दौरा बहुत अहम है, क्योंकि यह पॉलिटिक्स, ट्रेड और इकॉनमी, साइंस और टेक्नोलॉजी, साथ ही कल्चरल और मानवीय मामलों में रूस-भारत की स्पेशल एंड प्रिविलेज्ड स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप के पूरे बड़े दायरे पर चर्चा करने का मौका देता है. साथ ही मौजूदा इंटरनेशनल और रीजनल मुद्दों पर भी बात करता है. ये सभी थीम नरेंद्र मोदी की लीडरशिप में भारतीय डेलीगेशन के साथ होने वाली आने वाली बातचीत का फोकस होंगी. 'बुधवार को यहां अपनी नियमित मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस महीने की शुरुआत में विदेश मंत्री एस जयशंकर की मॉस्को यात्रा का जिक्र किया, जिस दौरान पुतिन की यात्रा की तैयारी के लिए रूसी मंत्रियों के साथ कई बैठकें हुई थीं. जायसवाल ने कहा था, 'दोनों पक्ष रिश्तों को मजबूत करने के लिए बहुत मेहनत कर रहे हैं, और इस बारे में, कई मुद्दों पर चर्चा हो रही है और उन पर गौर किया जा रहा है जो नतीजे का हिस्सा होंगे. '

फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद यह पुतिन का पहला भारत दौरा होगा. पश्चिमी ताकतों के साथ भारत के बढ़ते जुड़ाव और चीन पर रूस की बढ़ती निर्भरता के बावजूद, नई दिल्ली और मॉस्को अपनी 'स्पेशल और प्रिविलेज्ड स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप' जारी रखे हुए हैं. भारत के लिए, यह मीटिंग इस मैसेज को और पक्का करती है कि उसकी विदेश नीति मल्टी-अलाइन्ड और ऑटोनॉमस बनी हुई है. नई दिल्ली ने मॉस्को के साथ जुड़ाव कम करने के पश्चिमी दबाव का विरोध किया है. खासकर डिफेंस और एनर्जी जैसे जरूरी सेक्टर में. इसलिए यह समिट बड़ी ताकतों के साथ रिश्तों को बैलेंस करने के भारत के कमिटमेंट की पब्लिक पुष्टि के तौर पर काम करेगी. पिछले साल जुलाई में, मोदी और पुतिन भारत-रूस बाइलेटरल समिट के लिए मॉस्को में मिले थे. यूक्रेन विवाद शुरू होने के बाद यह मोदी का पहला रूस दौरा था. भारत बातचीत और डिप्लोमेसी के जरिए रूस-यूक्रेन विवाद को सुलझाने की वकालत करता रहा है.

मोदी और पुतिन ने पिछले साल अक्टूबर में तातारस्तान के कजान शहर में रूस द्वारा होस्ट किए गए ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) समिट के दौरान फिर से एक बाइलेटरल मीटिंग की. सालाना समिट का रिवाज 2000 में पुतिन के भारत दौरे के दौरान 'इंडिया-रशिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट' पर साइन होने के साथ शुरू हुआ. इस एग्रीमेंट ने दोनों देशों के बीच हाई-लेवल बातचीत को इंस्टीट्यूशनल बनाया और रिश्तों को मजबूत करने के उनके आपसी कमिटमेंट पर जोर दिया. 2010 में, इस पार्टनरशिप को 'स्पेशल एंड प्रिविलेज्ड स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप' के लेवल तक बढ़ा दिया गया था. हालांकि, कोविड-19 महामारी ने इस सालाना बातचीत में रुकावट डाली. जुलाई 2024 के समिट से पहले, आखिरी सालाना समिट बहुत पहले 2021 में हुई थी. पुतिन का भारत दौरा एक बड़ा जियोपॉलिटिकल मैसेज देगा. रूस के लिए, यह दौरा यह इशारा करता है कि वह डिप्लोमैटिक रूप से अलग-थलग नहीं है और चीन के साथ अपने अलायंस के बाहर भी उसकी पक्की पार्टनरशिप बनी हुई है. मॉस्को, बीजिंग पर बहुत ज़्यादा निर्भर होने को लेकर ज़्यादा सावधान है

ग्लोबल साउथ में एक बड़ा प्लेयर, भारत रूस को एक कीमती काउंटरबैलेंस देता है.

भारत के लिए, यह दौरा गुटों में बंटी दुनिया में उसकी स्ट्रेटेजिक ऑटोनॉमी को मजबूत करता है. नई दिल्ली यूएस, ईयू, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ मजबूत रिश्ते बनाए हुए है. साथ ही रूस और ग्लोबल साउथ के साथ भी अपने रिश्ते मजबूत कर रहा है. यह समिट भारत की सभी बड़ी ताकतों के साथ रास्ते खुले रखने की काबिलियत को दिखाता है. खासकर ऐसे समय में जब पश्चिम और चीन दोनों के साथ उसके रिश्ते जांच के दायरे में हैं.

डिफेंस कोऑपरेशन ऐतिहासिक रूप से भारत-रूस रिश्तों की रीढ़ रहा है. भारत-रूस मिलिट्री टेक्निकल कोऑपरेशन एक बायर-सेलर फ्रेमवर्क से बढ़कर एक ऐसा फ्रेमवर्क बन गया है, जिसमें एडवांस्ड डिफेंस टेक्नोलॉजी और सिस्टम की जॉइंट रिसर्च, डेवलपमेंट और प्रोडक्शन शामिल है. डिफेंस मिनिस्टर राजनाथ सिंह और उनके रूसी काउंटरपार्ट एंड्री बेलौसोव इंडिया-रूस इंटर-गवर्नमेंटल कमीशन ऑन मिलिट्री एंड मिलिट्री-टेक्निकल कोऑपरेशन के को-चेयर हैं. आईआरआईजीसी-एमएमटीसी के 21वें सेशन की को-चेयर पिछले साल दिसंबर में मॉस्को में सिंह और बेलौसोव ने की थी. ढूहस तुशील को 9 दिसंबर, 2024 को कैलिनिनग्राद के यंतर शिपयार्ड में सिंह की मौजूदगी में इंडियन नेवी में कमीशन किया गया था.

रूस ने भारत की भविष्य की फाइटर एयरक्राफ्ट की जरूरतों को सपोर्ट करने के लिए भी अपनी तैयारी दिखाई है, और एसयू-57 पांचवीं जेनरेशन के स्टील्थ फाइटर के लिए बिना किसी रोक-टोक के टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की पेशकश की है. इसमें भारत की तरफ से सभी मांगों को 'पूरी तरह से मंजूर' बताया गया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोदी-पुतिन मीटिंग के दौरान, भारत एस-400 ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम के 5 और स्क्वॉड्रन मांग सकता है. इसने इस साल मई में पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपनी प्रभावशीलता साबित की थी.

2022 से, डिस्काउंटेड रूसी क्रूड भी भारत की एनर्जी स्ट्रैटेजी का एक बड़ा पिलर बन गया है. रूस, भारत के टॉप ऑयल सप्लायर में से एक बनकर उभरा है, जिससे ट्रेड पैटर्न बदल रहे हैं. इस एनर्जी पार्टनरशिप ने भारत को ग्लोबल प्राइस वोलैटिलिटी को मैनेज करने में मदद की है. साथ ही मॉस्को को पश्चिमी पाबंदियों के बीच एक स्टेबल आउटलेट भी दिया है.

हालांकि, 2022 से बाइलेटरल ट्रेड बढ़ा है, लेकिन एनर्जी इंपोर्ट के कारण यह अब भी रूस के पक्ष में झुका हुआ है. रुपया-रूबल पेमेंट सिस्टम को ठीक करना, बैंकिंग दिक्कतों को दूर करना और फार्मास्यूटिकल्स, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और खेती में एक्सपोर्ट को बढ़ावा देना भारत की टॉप प्रायोरिटी हैं.

दोनों नेताओं ने ट्रेड और इकोनॉमिक रिश्तों को मज़बूत करना एक प्रायोरिटी एरिया के तौर पर पहचाना है, जिन्होंने 2025 तक बाइलेटरल इन्वेस्टमेंट को 50 बिलियन डालर और 2030 तक बाइलेटरल ट्रेड को 100 बिलियन डालर तक बढ़ाने का टारगेट रखा था. एफवाय 2024-25 में भारत और रूस के बीच बाइलेटरल ट्रेड 68.7 बिलियन यूएस डालर के रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया. इसमें भारत का 4.9 बिलियन यूएस डालर का एक्सपोर्ट और रूस से 63.8 बिलियन यूएस डालर का इंपोर्ट शामिल था.

इस बीच, एक जुड़े हुए डेवलपमेंट में, भारत ने व्लादिवोस्तोक-चेन्नई शिपिंग रूट को एक्टिवेट कर दिया है, जो भारत के पूर्वी तट को रूस के फ़ार ईस्ट से जोड़ता है. एक्सपोर्टर्स के बीच यह रूट पॉपुलर हो रहा है, आगे का प्लान इस कॉरिडोर के हिस्से के तौर पर पारादीप और विजाग जैसे दूसरे पूर्वी पोर्ट्स को जोड़ने का है, जिससे यह और ज़्यादा वायबल बन जाएगा. उदयपुर के उसानास फाउंडेशन थिंक टैंक के फाउंडर, डायरेक्टर और सीईओ अभिनव पंड्या के मुताबिक, पुतिन का दौरा बहुत जरूरी है, क्योंकि यह ऐसे मोड़ पर हो रहा है, जहां भारत एक बड़ी डिप्लोमैटिक चुनौती का सामना कर रहा है. पंड्या ने बताया, 'हम देख सकते हैं कि यूएस के साथ हमारे रिश्ते बहुत स्ट्रेसफ़ुल हैं, चीन पाकिस्तान का ऑल-वेदर फ्रेंड है.' 'चीन के साथ रिश्तों में कुछ नरमी के बावजूद, हाल ही में बीजिंग ने अरुणाचल का मुद्दा उठाकर भारत के खिलाफ बहुत अग्रेसिव रवैया अपनाया है. सऊदी अरब ने भी पाकिस्तान के साथ एक स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप साइन की है. शेख हसीना के हटने के बाद बांग्लादेश भी भारत के असर से बाहर हो गया है. '

ऐसे में, उनका मानना है कि भारत दुनिया भर में एक बड़े डिप्लोमैटिक संकट का सामना कर रहा है. उन्होंने कहा, 'हमारे ज़्यादा दोस्त नहीं बचे हैं. इन सभी चुनौतियों के बीच, रूस भारत का पक्का दोस्त बना हुआ है जिस पर हम भरोसा कर सकते हैं.' पंड्या ने फिर इस बात की ओर इशारा किया कि यूएस लगातार भारत पर रूस से अपने तेल इंपोर्ट में कटौती करने का दबाव बना रहा है.

उन्होंने कहा, 'अब भारत ऐसा करेगा या नहीं, यह एक बुनियादी सवाल है. अगर भारत ऐसा करता है, तो इसका रूस के साथ उसके रिश्तों पर कितना असर पड़ेगा, यह फिर से एक सवाल है.' 'इसके अलावा, इस बदलते वर्ल्ड ऑर्डर में, रूस और यूएस निश्चित रूप से अलग-अलग कैंप में होंगे. चीन भी रूस के कैंप में होगा. अब, भारत को बहुत सावधानी से चुनाव करना होगा, क्योंकि चाहे वेस्ट एशियन संकट हो या यूरोपियन संकट, भारत एक बहुत बड़ी मुश्किल का सामना कर रहा है. उदाहरण के लिए, वेस्ट एशिया में, भारत, इजराइल का दोस्त है, लेकिन रूस, इजराइल का विरोध करता है. यूरोप में, भारत के रूस के साथ अच्छे संबंध हैं, लेकिन साथ ही पश्चिमी यूरोपियन देशों के साथ भी अच्छे संबंध हैं. इसलिए, भारत को दोनों में से किसी एक को चुनना होगा या अपना न्यूट्रल स्टैंड बनाए रखना होगा. भारत के लिए अपना न्यूट्रल स्टैंड बनाए रखना और इन विकल्पों को समझना मुश्किल होता जाएगा.

नकली बीजों के संकट में किसान...

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से हाल में जारी बीज विधेयक 2025 का मसविदा किसानों, कृषि विशेषज्ञों और उद्योग जगत के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। सरकार ने सभी हितधारकों से इसके प्रावधानों पर ग्यारह दिसंबर 2025 तक सुझाव मांगे हैं। प्रस्तावित विधेयक मौजूदा बीज अधिनियम, 1966 और बीज (नियंत्रण) आदेश, 1983 का स्थान लेगा। मसविदा छोटी श्रेणी के अपराधों को अपराधमुक्त करने, व्यापार सुगमता बढ़ाने और अनुपालन का बोझ कम करने पर जोर देता है। सरकार का दावा है कि यह कानून बाजार में उपलब्ध बीजों और रोपण सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करेगा। इससे किसानों को किफायती दरों पर अच्छे बीज उपलब्ध होंगे, नकली और घटिया बीजों की बिक्री पर अंकुश लगेगा, नवाचार और नई वैश्विक किस्मों का रास्ता खुलेगा। बीज आपूर्ति श्रृंखला अधिक पारदर्शी बनेगी। सरकार के दावों के बावजूद इस मसविदे पर कई सवाल भी उठ रहे हैं।

अमरेंद्र सिंह वर्मा

देश में नकली बीज किसानों के लिए एक बड़ी समस्या बन चुके हैं। हाल में मुंबई में आयोजित एशियाई बीज कांग्रेस-2025 में केंद्रीय कृषि मंत्री ने भी माना कि नकली बीज किसानों के लिए विनाशकारी साबित हो रहे हैं। बीज उत्पादक किसानों को दिए जाने वाले बीजों की ठीक से जांच करें, क्योंकि किसान की एक साल की फसल बिगड़ी, तो उसकी पांच साल तक हालत बिगड़ जाती है। यह कथन जमीनी सच्चाई को पूरी तरह बयान करता है।

देश के लगभग सभी राज्यों में किसानों को नकली और मानकों पर खराब गुणवत्ता वाले बीज बेचे जा रहे हैं। नतीजा यह कि या तो अंकुरण नहीं होता या होता है, तो उत्पादकता बहुत कम निकलती है। ऐसे मामलों में किसान अक्सर कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, घटिया बीजों से जीआइ टैग वाली फसलों की गुणवत्ता प्रभावित होती है। निर्यात अस्वीकृत हो जाता है और देश की कृषि साख को भी नुकसान पहुंचता है। यह संकट केवल बीजों तक सीमित नहीं है। खाद और कीटनाशक भी बड़े पैमाने पर नकली पाए जा रहे हैं। लोकसभा में सरकार द्वारा हाल में दी गई जानकारी समस्या की गंभीरता को उजागर करती है। सरकार के अनुसार वर्ष 2023-24 में 1,33,588 बीज नमूने लिए गए, जिनमें 3,630 नमूने खराब पाए गए। वर्ष 2023-24 के दौरान 1,81,153 उर्वरक नमूनों में से 8,988 नमूने मानकों के अनुरूप नहीं थे। इसी प्रकार 80,789 कीटनाशक नमूनों में से 2,222 नमूने नकली पाए गए।

अन्य आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024-25 में जांचे गए 2.53 लाख नमूनों में 32,525 बीज घटिया पाए गए। तेलंगाना, राजस्थान, गुजरात और पश्चिम बंगाल ऐसे राज्य हैं, जहां बीजों में गड़बड़ी के सर्वाधिक मामले सामने आए हैं। राजस्थान में छापेमारी अभियान में नकली बीजों के कई मामले पकड़े गए। राज्य में अब तक 73 विक्रेताओं के खिलाफ मुकदमे दर्ज हो चुके हैं।

बड़ा सवाल यह भी है कि विधेयक के मसविदे में सजा के जो प्रावधान किए गए हैं, वे कितने असरदार होंगे? सरकार के अनुसार नया कानून नकली बीजों के धंधे पर नकेल कसने के लिए तीन स्तरों पर कड़े दंड का ढांचा तैयार करता है। सरकार का दावा है कि कानूनी प्रावधानों से बाजार में अनुशासन आएगा, तो फिर किसान संगठन विरोध क्यों कर रहे हैं?

किसान संगठनों का सवाल है कि क्या इससे किसानों की फसल खराब होने पर मुआवजे की समस्या सुलझ पाएगी?किसान संगठनों का कहना है कि यह मसविदा कई अहम

पहलुओं को छूता ही नहीं है। खराब बीज मिलने पर किसानों के लिए मुआवजे का प्रावधान नहीं है। यह कानून कंपनियों पर जुर्माना तो लगाता है, पर नुकसान किसे भरना है, यह साफ नहीं है। फसल खराब होने पर किसानों को सीधे मुआवजा देने का ठोस प्रावधान नहीं है। 'ट्रांसजेनिक' बीजों के आयात और बिक्री पर सुरक्षा उपाय अपर्याप्त हैं।

उनका आरोप है कि अगर यह विधेयक पास हो गया, तो बीज आयात बढ़ेगा और स्थानीय बीज विविधता खतरे में पड़ जाएगी। किसान संगठनों को बीज महंगा होने का डर भी है। उनका मानना है कि 'लाइसेंसिंग' और प्रमाणन प्रक्रियाएं छोटी कंपनियों और स्थानीय बीज उत्पादकों के लिए बोझ बढ़ाएंगी जिससे बाजार पर कुछ बड़ी कंपनियों का नियंत्रण बढ़ सकता है। सरकार किसानों को नकली बीजों से बचाने के लिए यह कानून लेकर आना चाहती है। इसलिए जरूरी नहीं कि सरकार की मंशा पर हमेशा संदेह ही किया जाए, लेकिन इसके साथ किसानों की चिंता को सुना जाना और उनका समाधान तथा आशंकाओं को खत्म करना भी जरूरी है।

एक रपट के अनुसार, खेती में बीजों का योगदान कुल फसल उत्पादन का 15-20 फीसद है। उच्च गुणवत्ता वाले बीजों तक पहुंच किसानों की आजीविका, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और कृषि अर्थव्यवस्था तीनों के लिए निर्णायक है। आर्थिक लालच, कमजोर आपूर्ति श्रृंखलाओं, ढीले नियम और किसानों में जागरूकता की कमी के कारण नकली बीजों की समस्या पैदा हुई है। लिहाजा, नया कानून तभी सफल होगा, जब इसमें किसान, कंपनियों और राज्य एजंसियों की वास्तविक स्थितियों को ध्यान में रखा जाएगा। सरकार को नए कानून को और मजबूत बनाने के लिए कई कदम उठाने चाहिए। सबसे जरूरी यह है कि किसानों और किसान संगठनों की आशंकाओं पर विचार कर उन्हें आश्वस्त किया जाए। किसान संगठनों की आशंका है कि नए कानून से बड़ी कंपनियों का बीज कारोबार पर कब्जा हो जाएगा। ऐसे में सरकार को छोटे और स्थानीय बीज उत्पादकों के लिए अलग से सरल 'लाइसेंसिंग' का प्रावधान करना चाहिए। जो लोग छोटे पैमाने पर बीज उत्पादन करना चाहें, उन्हें लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने की तर्ज पर बीजों के प्रमाणन में तकनीकी सहायता और रियायतों का प्रावधान किया जा सकता है। इससे एक ओर जहां बाजार में विविधता बनी रहेगी, वहीं एकाधिकार का खतरा भी कम होगा। सरकार को हर बीज की थैली पर सूचनाएं अनिवार्य कर देना चाहिए, जिससे नकली बीजों पर अंकुश लग सके। बीजों के नमूनों की जांच प्रणाली का विस्तार करना भी बहुत आवश्यक है। इस काम के लिए राज्यों को पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, ताकि ज्यादा नमूने लिए जा सकें। ग्रामीण स्तर पर नमूने लेने के लिए सचल प्रयोगशाला जैसी व्यवस्था भी कारगर हो सकती है। इसके साथ किसानों में जागरूकता भी लाने की जरूरत है।

बीज विधेयक 2025 के मसविदे में निश्चय ही नकली बीजों के खिलाफ सख्ती दिखती है, लेकिन अगर किसानों की फसल सुरक्षा, मुआवजा और स्थानीय बीजों के संरक्षण को भी विधेयक में उचित और प्रभावी स्थान मिल जाए, तो किसानों को आश्वस्त करने में मदद मिलेगी। सरकार का इरादा साफ हो सकता है, लेकिन इस मामले में किसान संगठनों की चिंताएं भी उतनी ही वास्तविक हैं।

डीसी व एसएसपी ने किया जैप3 परिसर में आरओ प्लांट का उद्घाटन

धनबाद/गोविंदपुर (कासं) : गोविंदपुर स्थित झारखंड सशस्त्र पुलिस३ (जैप३) परिसर में

बैंक ऑफ इंडिया के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी फंड के तहत आधुनिक आरओ वाटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया गया। प्लांट का उद्घाटन उपायुक्त आदित्य रंजन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर जैप३ के कमांडेंट मनोज स्वर्गीयारी, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने इस पहल को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह सुविधा जवानों के स्वास्थ्य, सुविधा और जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाएगी।

नव स्थापित आरओ प्लांट की क्षमता प्रति घंटे लगभग १ हजार लीटर पानी शुद्ध करने की है। इसके शुरू होने से अब जवानों को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर गुणवत्ता का पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। लंबे समय से परिसर में शुद्ध पेयजल की मांग उठ रही थी, ऐसे में यह सुविधा सुरक्षा बलों के लिए बड़ी राहत साबित होगी।

कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पौधारोपण भी किया गया। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह की सामाजिक पहलें न सिर्फ आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराती हैं, बल्कि सुरक्षा बलों के मनोबल और सम्मान को भी बढ़ाती हैं। उद्घाटन के बाद उपायुक्त एवं एसएसपी ने जैप परिसर के बगल में चल रहे निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का भी निरीक्षण किया। तालाब के जीर्णोद्धार, पार्क निर्माण एवं जैप परिसर की सुरक्षा परिधि के कार्यों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया गया।

कला निकेतन ने मनाया स्थापना दिवस

धनबाद (कासं) : राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक क्षेत्रों में सम्मानित भूली की सांस्कृतिक एवम सामाजिक संस्था कला निकेतन ने अपना ४३वाँ स्थापना दिवस कला निकेतन रंगशाला में दीप प्रज्वलन कर मनाया। कला निकेतन की स्थापना ३ दिसंबर १९८२ को संस्थापक / निर्देशक वशिष्ठ प्रसाद सिन्हा के द्वारा किया गया। संस्था तब से निरंतर सांस्कृतिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में कार्य करती आ रही है। झारखंड की अग्रणी संस्था कला निकेतन राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में दर्ज़नों नहीं बल्कि सैंकड़ों अवार्ड प्राप्त किया। जहाँ कलाकारों को नि:शुल्क प्रशिक्षण देकर राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शन के लिए तैयार कराया जाता है। कला निकेतन के कलाकार राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय दिल्ली, नाट्य विद्यालय भोपाल, श्रीराम दिल्ली एवं नाट्य विद्यालय सिक्किम से कुछ कलाकार पासआउट हुए हैं तो कुछ कलाकार अध्ययनरत हैं।

नाट्य क्षेत्र में कार्य करते रहने के कारण २०१६ में कला निकेतन को झारखंड सरकार ने झारखंड कला सम्मान से भी सम्मानित किया है। संस्था सदस्य एवं कलाकारों में नूतन सिन्हा, प्रदीप प्रसाद, नित्या सहाय, सौरभ कुमार, आकाश सहाय, रंजीत मिश्रा, धर्मवीर कुमार, क्रान पासवान, अनुराधा श्रीवास्तव, रिया कुमारी, सतीश पासवान, प्रेम कुमार, निशांत कुमार, सुमित कुमार आदि उपस्थित थे।

डीसी व एसएसपी ने किया बरमसिया पुल का निरीक्षण

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से बरमसिया पुल में चल रहे मरम्मति कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रेल के अधिकारियों, पथ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता तथा कॉन्ट्रैक्टर से अब तक हुए कार्यों की समीक्षा की, साथ ही कार्य को निर्धारित समय पर पूरा करने तथा गुणवत्तापूर्वक कार्य को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि धनबाद की ट्रैफिक व्यवस्था पर लगातार राज्य सरकार की भी नज़र है, हमारी ओर से भी लगातार नजर रखी जा रही है। लगातार समीक्षा के क्रम में यह पाया गया कि धनबाद में गया पुल हो, बरमसिया पुल हो या पॉलिटेक्निक वाला रोड हो इन सभी में कुछ न कुछ मेजर चीज़ें हैं जो वर्षों से नहीं दशकों से लम्बित थीं। उसमें हमारी प्राथमिकता के साथ कार्य किया जा रहा है। बरमसिया पुल में लगभग एक महीने से काम चल रहे हैं और उम्मीद है कि १५ दिन के बाद हम लोग छोटी गाड़ियों के लिए आवागमन खोलेंगे। उन्होंने कहा कि मूल रूप से हमारी प्राथमिकता है कि बरमसिया पुल का काम अच्छे और गुणवत्तापूर्ण हो और आवागमन में कोई समस्या नहीं हो। साथ ही पुल के दूसरे छोर भी हम लोग चेक कर रहे हैं कि दूसरे छोर में भी अगर कोई समस्या हो तो उसका भी निदान इस दौरान कर लिया जाए।

धनबाद स्टेशन पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन

धनबाद (कासं) : धनबाद रेल मंडल द्वारा टिकट फर्जीवाड़ा रोकथाम तथा यात्रियों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से धनबाद रेलवे स्टेशन के पोर्टिको परिसर में जागरूकता आधारित नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नाटक के माध्यम से यात्रियों को सही

एवं वैध टिकट लेकर यात्रा करने के महत्व से अवगत कराया गया। साथ ही फर्जी या अवैध टिकट के उपयोग से होने वाले आर्थिक नुकसान, दंडात्मक प्रावधानों तथा संभावित सुरक्षा जोखिमों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई।

नाटक में यात्रियों को यह भी जागरूक किया गया कि कैटरिंग से संबंधित सामग्री में निर्धारित मूल्य से अधिक शुल्क लिए जाने की शिकायत पर वे तुरंत रेल प्रशासन को सूचित करें। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों में सतर्कता बढ़ाना तथा अनावश्यक अतिरिक्त शुल्क वसूली पर प्रभावी रोक लगाना है। नुक्कड़ नाटक की आकर्षक प्रस्तुति ने यात्रियों का विशेष ध्यान आकर्षित किया तथा उन्हें यह स्पष्ट संदेश दिया कि सुरक्षित, सुव्यवस्थित और नियमबद्ध यात्रा के लिए वैध टिकट का होना अनिवार्य है।

धनबाद मंडल द्वारा ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आगे भी समयसमय पर आयोजित किए जाते रहेंगे, जिससे यात्रियों को नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया जा सके तथा टिकट फर्जीवाड़े एवं कैटरिंग संबंधी सामग्री पर अतिरिक्त शुल्क वसूली की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

रेजलीबांध के जमीन विवाद का निष्पादन

गोविंदपुर (ससे) : उपायुक्त आदित्य रंजन ने गोविंदपुर के ऐतिहासिक रेजलीबांध एवं जैप ३ के बीच जमीन विवाद का निष्पादन किया। उन्होंने तालाब का निरीक्षण किया व कहा कि तालाब की १ इंच जमीन का भी अतिक्रमण करने नहीं दिया जाएगा। जो अतिक्रमण है, संवेदक पारिजात परिमल आदि मौजूद थे। गोविंदपुर के लोगों के साथसाथ जैप के जवान भी

एक्सरसाइज आदि कर सके। जैप ३ की ओर से तालाब आने का एक रास्ता रहेगा, जिसमें जैप जवान तालाब और पार्क आ सकेंगे। जैप की जमीन से सटे तालाब की जमीन पर गेट बनाया जाएगा और वॉच टावर का भी निर्माण किया जाएगा ताकि तालाब की भी देखरेख वॉच टॉवर से जैप के जवान कर सकेंगे। डीएमएफटी से ५ करोड़ की लागत से इस तालाब का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। संवेदक द्वारा कार्य में गड़बड़ी की शिकायत पर उपायुक्त ने कहा कि उन्होंने एस्टीमेट के कॉपी मंगाई है। इसके बाद अभियंताओं से बात कर वस्तु स्थिति की जानकारी प्राप्त करेंगे। निर्माण काम शीघ्र पूर्ण कराएंगे।

उन्होंने तालाब के दक्षिण दिशा की ओर चारदीवारी का काम शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश लघु सिंचाई पर मंडल के कार्यपालक अभियंता जितेंद्र कुमार को दिया। गोविंदपुर में सड़क जाम की समस्या के संबंध में कहा कि एलिवेटेड रोड निर्माण शुरू हो गया है। समस्या का समाधान होगा सड़क जाम की समस्या का भी निदान किया जाएगा। उन्होंने बेसिक स्कूल जमीन के संबंध में कहा कि अखबारों के माध्यम से उन्हें जानकारी हुई है। स्कूल की जमीन पर किसी का कैंजा होने नहीं दिया जाएगा। इस मौके पर वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि इस मामले को गंभीरता से देखेंगे।

रेजलीबांध के पानी की निकासी की पहल नहीं हुई

गोविंदपुर (ससे) : ऐतिहासिक रेजलीबांध एवं जैप ३ के बीच जमीन विवाद का निष्पादन किया। उन्होंने तालाब का निरीक्षण किया। रेजलीबांध का पानी का निकासी के लिए किसी का ध्यान नहीं गया। उक्त तालाब का सारा पानी का निकासी के लिए किसी ने नहीं पहल की। पानी निकलने के लिए ३० फ़ीट का नहर या नाला बनाकर एवं नाला के दोनों तरफ घनी आबादी है। इसलिए नहर के दोनों ओर १०१० फ़ीट का पीसीसी पथ बनाकर स्ट्रीट लाइट लगा देने से क्षेत्र में लोगों को आने जाने में काफी सुविधा होगी। उक्त नहर एवं पथ जीटी रोड ट्रेनिंग स्कूल फकीरडीह साहिबगंज रोड पुल तक बना देने से नहर के दोनों और क्षेत्र के आसपास के घरों में बाढ़ की नौबत नहीं आएगी। पानी नहर होकर सीधा खुदिया नदी में जाकर मिल जाएगी। ३ महीने बरसात में डर के साए में लोग रहते हैं कि कब पानी घर में घुस जाए यह कहां नहीं जा सकता। नहर एवं पीसीसी पथ बनाने के लिए जमीन काफी पर्याप्त है ४० फीट से लेकर ८० फीट तक जमीन जोरिया का है यह बन जाने से बरसात का पानी निकालने में काफी सुविधा होगी। रेजलीबांध सौन्दर्य के नाम पर तीन बार पैसा आया। इस बार भी १५ फीट गड्ढा होने के नाम पर सिर्फ खाना पूर्ति ही हुई।

विदाई समारोह आयोजित

कतरास (ससे) : महुदा अंतर्गत मुरलीडीह २०/२१ पीट्स कोलियरी परिसर में पंप ऑपरेटर एवं बिहार कोलियरी कामगार यूनियन (सीटू) के सहायक सचिव माणिक बाउरी के सेवानिवृत्ति अवसर पर भावपूर्ण विदाई समारोह आयोजित किया गया। साथियों ने उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी और उनके परिजनों को भी समारोह में सम्मानित किया। माणिक बाउरी ३० नवंबर को सेवा निवृत्त हुए। फोरमैन इंचार्ज एवं बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के क्षेत्रीय सचिव पी. एन. तिवारी ने कहा कि माणिक बाउरी न केवल एक कुशल पंप ऑपरेटर थे, बल्कि एक उत्कृष्ट एथलीट भी रहे हैं। उन्होंने कई बार राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर कंपनी का मान बढ़ाया है। तिवारी ने बताया कि वे अपने मृदुभाषी, सौम्य और मिलनसार स्वभाव के कारण सभी के प्रिय रहे। कार्यक्रम में महुदा ग्रुप के प्रबंधक विभूति कुमार मिश्रा, अभियंता ध्रुप बैठा, कृष्णा रजक, फोरमैन उदय कुमार सिंह, दुखन महतो, प्रमोद कुमार सिंह, डेगन सिंह, केदार नाथ सिंह, महुदा पंचायत के मुखिया बदरूद्दीन अंसारी, गंधु हाड़ी, जीव कुमार हाड़ी, अजय कुमार, आशिफ मुस्तफा, प्रकाश दर्शौंधी, बलेश्वर बढ़ई, मिश्रीलाल, सुरेश गोप, रीना कुमारी, रिंकू देवी, डालो देवी, पूसवा देवी, मंगरू हाड़ी, राम प्रसाद महतो सहित बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित थे।

तैराकी में बेहतर प्रदर्शन करने वाले सम्मानित

कतरास (ससे) : दिव्यांग शक्ति फाउंडेशन ट्रस्ट धनबाद की ओर से सोनारडीह के टंडाबाड़ी स्थित प्रधान कार्यालय में समारोह का आयोजन किया गया। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बाघमारा के विभिन्न क्षेत्रों के ५० दिव्यांगजन शामिल हुए। अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक कुमार भुईयां ने की। संचालन गोवर्धन रजक ने कर रहे थे।

तैराकी में राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले दिव्यांग खिलाड़ी राजकुमार रवानी, सुनील वर्मा, रमेश महतो तथा कोकील महतो को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही सभी दिव्यांगजनों के बीच कंबल का वितरण किया गया। वक्ताओं ने राज्य और केंद्र सरकार के द्वारा दिव्यांगजनों के लिए चलाए जा रहे योजनाओं के बारे में बताया। मौके पर ट्रस्ट के संस्थापक राज कपूर महतो, अध्यक्ष अशोक भुईयां, सचिव गोवर्धन रजक, कोषाध्यक्ष आशा देवी, उप सचिव अजय कुमार पासवान, झारखंड राज्य दिव्यांग सलाहकार बोर्ड के सदस्य मोहम्मद हारुन राशीद, बड़की बौआ मुखिया भीम लाल रजक, दिव्यांग समाजसेवी सुरेश प्रसाद यादव, झारखंड आंदोलनकारी दिनेश आजाद, रमेश महतो, राजकुमार, भोला भुईयां, लखन भुईयां, सूरज कुमार, गोविंद नोनियां, देबु दास, आनंद प्रसाद, पूजा देवी, दीपक महतो, सुरेश यादव, श्याम सुंदर कुमार, निरंजन कुमार, अरुण कुमार विश्वकर्मा, तिलक कुमार, पूर्णिमा देवी, ममता कुमारी शामिल थे।

छात्रों को तकनीकी शिक्षा के महत्व का मार्गदर्शन

सिंदरी (ससे) : जीईसी गोड्डा के नए छात्रों का ओरिएंटेशन बीआईटी सिंदरी स्थित भागा पॉलिटेक्निक कॉलेज में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में संस्थान के निदेशकों और प्रिंसिपल ने छात्रों को अनुशासन, नवाचार और तकनीकी शिक्षा के महत्व पर मार्गदर्शन दिया। विभिन्न विभागाध्यक्षों ने अपने डिपार्टमेंट, करियर स्कोप और बेसिक एकेडमिक जानकारी साझा की। अंत में इंटरैक्टिव सेशन हुआ। यह ओरिएंटेशन छात्रों को कॉलेज माहौल और आगे की पढ़ाई से परिचित कराने के लिए आयोजित किया गया।

बच्चों ने प्रदूषण नियंत्रण की ली शपथ

धनबाद (कासं) : राष्ट्रीय प्रदूषण दिवस पर स्वतंत्र भारत उच्च विद्यालय भागा के प्रांगण में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण कर प्रदूषण नियंत्रण की शपथ ली। झरिया कि कोयला खनन से उत्पन्न वायु प्रदूषण का मुद्दा जोर शोर से उठाया गया। ग्रीन लाइफ के संयोजक डॉ मनोज सिंह ने कहा कि झरिया में वायु प्रदूषण दिल्ली से अधिक है, लेकिन यहां का प्रदूषण हमारे रहनुमाओं को दिखाई नहीं देता है। कोयलांचल में लोग प्रदूषण के कारण गंभीर बीमारियों से ग्रसित हो रहे है। कहा कि प्रदूषण का दुष्प्रभाव गर्भ में पल रहे बच्चे पर पड़ता है, जिसके कारण दिव्यांग बच्चे जन्म ले रहे है। यूथ कॉन्सेप्ट के संयोजक अखलाक अहमद ने कहा कि झरिया का प्रदूषण एक बड़ा मुद्दा है। इसे राष्ट्रीय स्तर पर उठाने की जरूरत है।

झरिया में प्रदूषण का दुष्प्रभाव भोपाल गैस त्रासदी से अधिक हो सकता है। कहा कि वायु प्रदूषण को नियंत्रित नहीं किया गया तो झरिया के लोग सड़क पर उतरने को मजबूर हो जाएंगे। कार्यक्रम में फिजियोथेरेपिस्ट डॉ मनोज सिंह, स्पेशल एजुकेटर अखलाक अहमद, विद्यालय के प्रधान शिक्षिका छाया कुमारी, राजेश कुमार चौधरी, शालिनी कुमारी, उज्ज्वल कर, उत्पल कुमार, अखिलेश कुमार, एकराम अंसारी, तरन्नुम जहां, शायदा हाशिम खत्मा, माधवी झा, जितेंद्र यादव, अभिषेक रावत, शेखर सिंह, शशिकांत एवं हरिपदो महतो उपस्थित थे।

जीवन ज्योति में मना अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस

धनबाद (कासं) : रोटरी क्लब ऑफ धनबाद द्वारा संचालित दिव्यांग बच्चों का विशेष विद्यालय जीवन ज्योति में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर समाज में दिव्यांगता के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु वॉक टू फ्रीडम अवेयरनेस रैली का आयोजन विद्यालय प्राँगण में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मयंक तुषार टोपनो (वरीय न्यायाधीशसहसचिव, डालसा) एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत आगंतुकों को दिव्यांग सशक्तिकरण के प्रतीक स्वरूप नीले एवं पीले रंग का रिबन लगा कर किया गया। मुख्य अतिथि एवं अन्य सम्मानित अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलन के उपरांत कार्यक्रम का विधिवत शुरुआत किया गया।

अतिथियों को जीवन ज्योति विशेष विद्यालय की प्राचार्या अपर्णा दास ने पौधा और जीवन ज्योति के दिव्यांग बच्चों के द्वारा निर्मित पुष्पगुच्छ तथा मोमेंटो प्रदान कर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम में नवल उपाध्याय (अध्यक्ष, रोटरी क्लब ऑफ धनबाद) ने सभी को बताया कि विगत ३७ वर्षो से जीवन ज्योति धनबाद में दिव्यांग बच्चों को शिक्षणप्रशिक्षण प्रदान कर उनको सशक्त बनाते हुए उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य करती आ रही है। यह रोटरी क्लब का ड्रीम प्रोजेक्ट है जिसके द्वारा हम समाज मे इन विशेष बच्चों को विशेष स्थान दिलवाने के लिए प्रयासरत है। रोटरी इंटरनेशनल के पूर्व निदेशक कमल संघवी ने सभी को कहा कि ये बच्चे डिसेबल्ड नहीं है बल्कि इनमें हमारे और आपसे भी कुछ ज्यादा सकारात्मक और रचनात्मक एबिलिटी है जो इन्हें हमसे कुछ ज्यादा विशेष बनाता है। मयंक तुषार टोपनो जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि जीवन ज्योति के द्वारा किए जा रहे कार्य सच मे बहुत सराहनीय है। डॉ कुमार विमलेंदु (चीफ एल ए डी सी एस, डालसा) ने जीवन ज्योति एवं रोटरी क्लब ऑफ धनबाद के द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपकी संस्था वास्तविकता में इन दिव्यांग बच्चों को सशक्त बना कर समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य कर रही है।

उन्होंने डालसा के द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए सभी अभिभावकों को अवगत कराया कि आपको किसी भी प्रकार की विधिक परेशानी अपने बच्चे के लिए हो तो आप नि:संदेह हमसे सहायता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने भविष्य में डालसा की ओर से अभिभावकों के लिए विधिक जागरूकता शिविर आयोजन करने का वादा किया। संजीव बेयोत्रा ने मंच का संचालन करते हुए कहा की जीवन ज्योति दिव्यांगजनों के लिए जो कुछ भी कर पा रही है वो समाज के लोगों के सहयोग के बिना सम्भव नहीं हो सकता है। कार्यक्रम के उपरांत राहुल व्यास के सौजन्य से बच्चों के लिए स्कूल में पिंकनिक का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया। कार्यक्रम में सम्मानीय अतिथि मयंक तुषार टोपनो (सचिव, डालसा), डॉ कुमार बीमलेंदु (चीफ एल ए डी सी एस, डालसा) कमल संघवी (पूर्व निदेशक, रोटरी इंटरनेशनल), नवल उपाध्याय (अध्यक्ष, रोटरी क्लब ऑफ धनबाद), गौरव सर्राफ (सचिव, रोटरी क्लब ऑफ धनबाद), वरुण अग्रवाल, राजेश परकेरिया (सचिव, जीवन ज्योति संस्थान), अपर्णा दास (प्राचार्या, जीवन ज्योति), राजन गंडोत्रा, संजीव बेयोत्रा, मीनाक्षी खेमका, पार्थ सिन्हा, रोहित पोद्दार, रोटरी क्लब, रोटरेक्ट क्लब बीआईटी सिंदरी एवं जीवन ज्योति विशेष विद्यालय परिवार के अन्य सभी सदस्य तथा डालसा के अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

विश्व दिव्यांगता दिवस पर जागरूकता रैली आयोजित

धनबाद (कासं) : विश्व दिव्यांगता सप्ताह के अंतर्गत विश्व दिव्यांगता दिवस (३ दिसंबर) के अवसर पर नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित स्कूल की ओर से एक दिव्यांगता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में बड़ी संख्या में सामाजिक संगठनों, संस्थानों तथा नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी की।

कार्यक्रम में डालसा, लायंस क्लब कोल्ड फील्ड धनबाद, एनसीसी की ५वीं एवं ३६वीं बटालियन, मारवाड़ी युवा मंच सहित कई समाजसेवी संगठन और आमजन शामिल हुए। रैली का उद्देश्य समाज में दिव्यांगता के प्रति जागरूकता फैलाना तथा दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का संदेश देना था।

नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट की सचिव तथा धनबाद एवं बोकारो की एलएलसी ने रैली का नेतृत्व किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को दिव्यांगजनों के अधिकारों, उनकी आवश्यकताओं और उनके सशक्तिकरण के महत्व के बारे में जागरूक किया। रैली के माध्यम से पहला कदम स्कूल और नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट ने यह संदेश दिया कि दिव्यांगजन किसी भी रूप में कमजोर नहीं, बल्कि समाज का अभिन्न और महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह समान अवसर, सम्मान और सहयोग प्रदान कर एक समावेशी एवं संवेदनशील वातावरण का निर्माण करे।

दिव्यांग कर्मचारियों के लिए डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन विषय पर क्विज का आयोजन

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट में डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देने हेतु मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन क्विज़ का आयोजन किया गया. इस डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन क्विज़ सीरीज़ की श्रृंखला में प्रथम क्विज़ का आयोजन आज दिनांक ०३ दिसंबर अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर विशेष रूप से दिव्यांग कर्मचारियों के लिए डिजिटल ट्रांसफ़ॉर्मेशन विषय पर आयोजित किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) सुश्री नीता बा ने किया. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज के बदलते कार्य परिवेश में डिजिटल साक्षरता अत्यंत महत्वपूर्ण है.

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इस प्रकार की पहल दिव्यांग कर्मचारियों को कौशल संवर्धन का अवसर प्रदान कर उन्हें अधिक आत्मनिर्भर बनाती हैं, जिससे वे संगठन की प्रगति में सक्रिय भूमिका निभा सकें। प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों के २० प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. लिखित तथा स्टेज राउंड के आधार पर उनकी डिजिटल जानकारी और समझ का मूल्यांकन किया गया. प्रतियोगिता में मोहम्मद अशद, प्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) ने प्रथम स्थान, स्नेह कुमार सुमन, प्रशासनिक सहयोगी (टीए-इलेक्ट्रिकल) ने द्वितीय स्थान तथा सुमन मंडल, जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट (आरजीबीएस) ने तृतीय स्थान हासिल किया. पुरस्कार वितरण कार्यवाहक अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) मनीष जलोटा द्वारा किया गया.

उन्होंने सभी प्रतिभागियों को निरंतर सीखते रहने और डिजिटल कौशल को और उन्नत करने के लिए प्रेरित करते हुए इस पहल की सराहना की. कार्यक्रम का संचालन एवं क्विज़ मास्टर की भूमिका सहायक महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) अमित आनंद ने निभाई.

कार्यक्रम के आयोजन में वरीय प्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) प्रीति कुमारी, अनुभाग अधिकारी ऋषिकेश रंजन, प्रशासनिक सहयोगी तनमोय दत्ता एवं अनुभाग सहयोगी कुमारी सीमा का उल्लेखनीय योगदान रहा.

दिल्ली एमसीडी उपचुनाव में भाजपा को 2 सीटों का नुकसान

नई दिल्ली(ईएमएस): दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के १२ वार्डों पर उपचुनावों के नतीजे आ गए हैं। भाजपा ने ७, आम आदमी पार्टी ने ३ और कांग्रेस-ऑल इंडिया फॉर्वर्ड ब्लॉक पर जीत हासिल की है। इससे पहले १२ वार्डों में से ९ भाजपा और ३ आप के पास थे। दिल्ली में भाजपा सरकार बनने के बाद हुए इस पहले चुनाव में पार्टी को २ सीटों का नुकसान हुआ है। वहीं, कांग्रेस अपना खाता खोलने में कामयाब रही है। बीजेपी ने जिन वार्डों में जीत दर्ज की उनमें द्वारका-बी, अशोक विहार, ग्रेटर कैलाश, दिचाऊं कलां, शालीमार बाग-बी, विनोद नगर और चांदनी चौक शामिल हैं।

आप ने नरैना, मुण्डका, डाक्षिणपुरी और एक अन्य सीट जीती। कांग्रेस के सुरेश चौधरी ने संगम विहार-ए से ३६२८ वोटों की बढ़त से जीत हासिल की। यह कांग्रेस की एकमात्र जीत रही। चांदनी महल से एआईएफबी के मोहम्मद इमरान जीते। इन १२ वार्डों में मतदान ३० नवंबर को हुआ था।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती समारोह मनाई गई

बोकारो (ससे):देशरत्न डॉ राजेंद्र प्रसाद की १४१वीं जयंती पर आज दिनांक ०३ दिसंबर, २०२५ को एडीएम बिल्डिंग स्थित राजेंद्र चौक पर राजेंद्र विचार मंच द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजित की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक श्वेता सिंह ने डॉ राजेंद्र प्रसाद एवं विशिष्ट अतिथि उपायुक्त अजय नाथ झा द्वारा प्रतिमा पर पुष्पांजलि व माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। साथ ही बोकारो स्टील प्लांट के ईडी वर्क्स प्रिय रंजन, निदेशक डीपीएलआर श्रीमती मेनका, अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा सहित जिले के सभी जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने भी पुष्पांजलि व माल्यार्पण कर याद किया।

मौके पर कार्यक्रम में विधायक श्वेता सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि देशरत्न डॉ राजेंद्र प्रसाद की सच्ची श्रद्धांजलि हमें उनके जीवन के मूल्यों को आत्मसात कर किया जा सकता है। वहीं, उपायुक्त अजय नाथ झा ने अपनी संबोधन में कहा कि महान विभूतियां की जयंती अर्पित करने के साथ-साथ उनके जीवन मूल्यों एवं उनके आदर्शों पर एक परिचर्चा संगोष्ठी का भी आयोजन उस दिन विशेष तौर पर की जानी चाहिए।

मौके पर जिला स्तर के तमाम पदाधिकारी गण बीएसएल प्रबंधन के अधिकारी कर्मी एवं समिति के सदस्य गण।

भाजपा नेता ने अधीक्षण अभियंता को सौंपा मांग पत्र

डुमरी (ससे): बिजली समस्या की निदान हेतु इसरी डुमरी में नया विधुत सब स्टेशन की स्थापना की मांग को लेकर भाजपा नेता सुरेन्द्र कुमार बुधवार को गिरिडीह विद्युत कार्यालय में अधीक्षण अभियंता से मुलाकात कर एक पत्र सौंपा। पत्र में डुमरी में बिजली समस्या का निदान एवं प्रतापपुर बिजली सब स्टेशन में लोड घटाने के लिए इसरी डुमरी के बीच एक नया विधुत सब स्टेशन बनाने की मांग किया है। वहीं भाजपा नेता कुमार ने अधीक्षण अभियंता से कहा कि प्रतापपुर सब स्टेशन में सबसे अधिक लोड खैराटुंडा लक्ष्मणटुंडा रांगामाटी इसरी उत्तरी एवं दक्षिणी जामतारा डुमरी मधगोपाली कुलगो और चीनो पंचायत के फीडर में है जिस कारण प्रखंड के अन्य पंचायत में भी बिजली समस्या उत्पन्न होते रहती है। इस समस्या का स्थायी निदान के लिए रांगामाटी से डुमरी के बीच एक नया बिजली सब स्टेशन की स्थापना कराने से बाजार से सटे पंचायत के साथ साथ डुमरी प्रखण्ड के प्रताप पुर सब स्टेशन से जाने वाली सभी फीडरों की बिजली की समस्या का निदान हो जाएगा। भाजपा नेता ने बताया कि विद्युत विभाग के एई ने उक्त मांग पर सार्थक पहल करने का आश्वासन दिया है।इस दौरान भाजपा नेता दीपक श्रीवास्तव उपस्थित थे।

जनता के शिकायतों के समाधान के प्रति जिला प्रशासन गंभीर

बोकारो (ससे): जनता के शिकायतों के निवारण के लिए जिला प्रशासन गंभीर है। इसी उद्देश्य की प्रतिपूर्ति के लिए राज्य स्थापना दिवस के दिन *ई जनसेतु सेवा पोर्टल* का आरंभ किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से अब कोई भी शिकायतकर्ता घर बैठे लॉगिन कर अपनी शिकायतों को जिला प्रशासन के पास दर्ज करा सकता है। जिला प्रशासन एक निर्धारित समय सीमा के भीतर इन शिकायतों का निपटारा करेगी। इस ईजनसेवा पोर्टल को आरंभ करने का उद्देश्य स्पष्ट है। शिकायतकर्ता को बार-बार सरकारी कार्यालयों या जिला के पदाधिकारियों का चक्कर न लगाना पड़े।

वे अपनी शिकायतों का निवारण घर बैठ पा सकते हैं। इस पोर्टल के कार्यप्रणाली को विस्तृत रूप से समझने के लिए आज ऑनलाइन माध्यम से कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी चास सुश्री प्रांजल ढांडा के द्वारा किया गया। उक्त कार्यशाला में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से इस पोर्टल के कार्य करने की विधि को विस्तार पूर्वक बताया गया। कोई भी शिकायतकर्ता ई जन सेतु ऐप पर जाकर अपनी शिकायतों को दर्ज करा सकता है। *शिकायतों के निवारण के लिए सामान्यतः अधिकतम २१ दिन का समय निर्धारित किया गया है।

इसके लिए शिकायतकर्ता को एक संक्षिप्त परिचय उस पोर्टल पर दर्ज करना होगा। शिकायत दर्ज करने के समय उनके मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगी, जिसके द्वारा इसका सत्यापन किया जा सकता है। प्रत्येक शिकायत के विरुद्ध एक टिकट आईडी जेनरेट होगा जिसके माध्यम से अपने शिकायतों के निवारण की स्थिति की जानकारी शिकायतकर्ता ले सकते हैं। सबसे अच्छी बात की शिकायतकर्ता इस शिकायत निवारण के संदर्भ में अपनी फीडबैक दर्ज कर सकते हैं एवं कार्यालय विशेष के लिए रेटिंग दे सकते हैं।

कोई भी आमजनमानस इस ऐप पर जाकर अपनी समस्याओं को दर्ज कर सकती है एवं अपने शिकायतों का समाधान घर बैठ पा सकते हैं।

डीसी की अध्यक्षता में झरिया पुनर्वास व जेआरडीए की बैठक संपन्न

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में झरिया पुनर्वास व विकास प्राधिकार (जेआरडीए) की समीक्षा बैठक समाहरणालय स्थित सभागार में हुई। बैठक के दौरान बेलगड़िया में चल रहे वन टाइम सिवरेज की सफाई की अद्यतन स्थिति, टाउनशिप में चल रहे विभिन्न सिविल कार्यों की अद्यतन स्थिति, आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण कार्य तथा स्वास्थ्य केंद्र के भवन निर्माण कार्य की प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति, एलटीएच परिवारों के सत्यापन की स्थिति, पार्क निर्माण की अद्यतन स्थिति समेत विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा कर उपायुक्त ने आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उपायुक्त आदित्य रंजन ने लीगल टाइटल होल्डर (एलटीएच) के सत्यापन प्रक्रिया में तेजी लाने, सभी विकास कार्यों के एस्टीमेट बनाने, टेंडर निकालने, कार्य शुरू करने समेत विभिन्न कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। वहीं शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में एक और पीडीएस दुकान हेतु प्रपोजल बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही स्किल डेवलपमेंट हेतु जल्द से जल्द आरएफपी हेतु निर्देश दिए। इसके अलावा सभी सिविल कार्यों के गुणवत्ता जांच आईआईटी से कराने का निर्देश दिया। बैठक में जेआरडीए के अन्य पदाधिकारी तथा कर्मी मौजूद रहें।

अधिवक्ताओं ने मनाया डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयन्ती

डुमरी (ससे): देश के प्रथम राष्ट्रपति व ख्यातिप्राप्त अधिवक्ता डॉ राजेंद्र प्रसाद की जयंती के अवसर पर बुधवार को डुमरी अनुमंडल अधिवक्ता संघ द्वारा अधिवक्ता दिवस को गौरव दिवस के रूप में मनाया। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष इंद्रजीत जायसवाल ने अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ३ दिसंबर अधिवक्ताओं के लिए विशेष गौरव का दिन है,क्योंकि डॉ राजेंद्र प्रसाद स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति बने थे।वे एक कुशल अधिवक्ता थे, जिन्होंने अपने जीवन को न्याय और गरीबों की सेवा के लिए समर्पित किया। उनकी जयंती पर हम सभी अधिवक्ताओं को संकल्प लेना चाहिए कि वे गरीब और जरूरतमंद लोगों को सस्ता एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराने का कार्य करेंगे।

उन्होंने अधिवक्ताओं से आह्वान किया कि डॉ. प्रसाद के आदर्शों पर चलते हुए न्याय व्यवस्था को मजबूत बनाएं और समाज के कमजोर वर्गों के लिए न्याय का माध्यम बनें। कार्यक्रम में संघ के सचिव अशोक कुमार जैन, विजय कुमार, कुमारी अर्चना, हरिनारायण मेहता, मुकेश शर्मा, एसएन शर्मा आदि सहित सत्यनारायण सिन्हा, शंकर जायसवाल, नितीन सिन्हा, सिन्टू सिन्हा, नन्दन सिन्हा,अमर शर्मा आदि उपस्थित थे।

दिव्यांगजनों / वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायक उपकरण का वितरण

बोकारो (ससे): बीएसएल के सीएसआर विभाग के तत्वावधान में भारतीय कृत्रिम अंग निगम (एलिम्को) के सहयोग से दिनाँक ०३ दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर वृद्ध सेवा आश्रम, चास, बोकारो में वरिष्ठ नागरिकों के बीच विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण का वितरण किया गया. बीएसएल के सीएसआर विभाग के द्वारा वृद्ध सेवा आश्रम, चास, बोकारो में वरिष्ठ नागरिकों के बीच कुल ७७ सहायक उपकरण जैसे ९ फोल्डिंग व्हील चेयर, ९ कमोड वाली कुर्सी, ७ वॉकिंग स्टिक, ९ लिम्बो सेक्रल बेल्ट, १८ घुटने के ब्रेस आदि वितरित किए गए.

वितरण शिविर के अवसर पर बीएसएल के सीएसआर विभाग के महाप्रबंधक श्री पी पी चक्रबर्ती के साथ एलिम्को के प्रतिनिधि श्री अविनाश कुमार तथा वृद्ध सेवा आश्रम, चास, बोकारो के प्रभारी श्री रुपेश जी के साथ बीएसएल सीएसआर विभाग के वरीय अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे. बीएसएल के सीएसआर विभाग के महाप्रबंधक श्री पी पी चक्रबर्ती ने अपने सम्बोधन में कहा कि यह प्रयास दिव्यांगजनों तथा वरिष्ठ नागरिकों के उत्थान तथा उनके जीवन को सरल और सहज बनाने और उन्हें समाज के मुख्य धारा में जोड़ने के प्रति बीएसएल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

आरपीएफ ने ट्रेन से 3.5 लाख का कछुआ किया बरामद

धनबाद (कासं) : वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त, धनबाद के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक के द्वारा पोस्ट स्तर पर गठित टास्क टीम के अधिकारी व स्टाफ प्लेटफार्म पर गश्त व निगरानी करने के क्रम में गुप्त सूचना प्राप्त हुआ की कि गाड़ी योग नगरी ऋषिकेश-हावड़ा दून एक्सप्रेस के कोच गार्ड ब्रेक से सटे महिला कोच में कछुओं को तस्करी हेतु ले जाया जा रहा है। प्राप्त सूचना के आलोक में उपरोक्त गाड़ी के प्लेटफार्म सं० १ पर आने के उपरांत गार्ड ब्रेक से सटे महिला कोच को चेक करने पर सीट के नीचे ३ अदद कपड़े का थैला रखा हुआ पाया गया।

थैले के बारे में आसपास के महिला यात्रियों से पूछने पर किसी ने भी थैले पर अपना मालिकाना हक नहीं बताया तथा थैले के संबंध में पूछताछ करने पर किसी ने भी कोई जानकारी होने से इनकार किया। तत्पश्चात संदेह प्रबल होने पर सभी ३ अदद कपड़े का थैला को खोलकर चेक करने पर जुट के बोरे में रखा हुआ प्रजाति का कुल ३५ अदद जीवित कछुआ बरामद हुआ।

तत्पश्चात उपरोक्त कछुओं को गाड़ी से उतारा गया तथा जब्तीसूची बनाकर जब्त किया गया तथा पोस्ट पर लाया गया। उपरोक्त घटना की सूचना पाकर वन विभाग की टीम पोस्ट पर उपस्थित हुई तथा जब्त कछुओं को अग्रिम कारवाई हेतु वन क्षेत्र पदाधिकारी, धनबाद को सुपुर्द किया गया। वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, १९७२ के तहत कछुओं को संरक्षण प्रदान किया गया है। बरामद कछुओं का अनुमानित मूल्य क़रीब ३.५ लाख है।

दिव्यांग शिबू रजक को मेरठ में किया गया सम्मानित

डुमरी (ससे): प्रखंड के पोरदाग निवासी सह दिव्यांग शिबू कुमार रजक को दिव्यांगजन सेवा सामाजिक नेतृत्व और अधिकारों की रक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए राष्ट्रीय दिव्यांग रत्न

आवार्ड २०२५ से सम्मानित किया गया।यह सम्मान कार्यक्रम बुधवार को मेरठ में आयोजित किया गया था जिसमें मुख्य अतिथि यूपी सरकार के मंत्री पंडित सुनील भराला थे। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने सभी को किसी ना किसी गुण हुनर और क्षमता से नवाजा है,बस आवश्यकता है उसे पहचानने की।कहा कि दिव्यांग जनों के द्वारा भी आज सामाजिक क्षेत्र में एक से बढ़कर एक उल्लेखनीय एवं प्रेरणादायी कार्य कर रहे हैं।सम्मान प्राप्त करने के बाद शिबू ने कहा कि यह सम्मान दिव्यांगजनों के हितों की रक्षा एवं उनके लिए सुविधाओं के विस्तार हेतु उनकी प्रतिबद्धता को और मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने इसे गिरिडीह और पूरे झारखंड का सम्मान बताया। इधर इस उपलब्धि पर वरीय अधिवक्ता इंद्रजीत जयसवाल भाजपा नेता प्रशांत जायसवाल, जिवाधन महतो, निर्मल जायसवाल झाएकिमयू केन्द्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो युवा कांग्रेस के जिला महासचिव गुड्डु मलिक मुखिया नूरउद्दीन अंसारी, जागेश्वर यादव सामाजिक कार्यकर्ता शिवेश भगत, मानिकचंद महतो शिक्षाविद देवेश कुमार आदि ने शिबू को इस सम्मान पर हार्दिक बधाई दी है।

एंटी क्राइम चेकिंग के दौरान 1516 वाहनों की हुई जांच

धनबाद (कासं) :वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर बुधवार को जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस पूरी सक्रियता के साथ सड़क पर उतरी। शाम होते ही सड़कों व चेकपोस्टों पर पुलिस जवानों की मौजूदगी बढ़ गई और जगह-जगह वाहनों की बारीकी से जांच की गई। इस विशेष एंटी क्राइम चेकिंग अभियान का उद्देश्य अपराधियों पर नियंत्रण, संदिग्ध गतिविधियों पर रोक और सार्वजनिक सुरक्षा को बढ़ाना था।अभियान के दौरान पुलिस ने कुल १५१६ वाहनों की जांच की, जिनमें से १०१८ दोपहिया और ४९८ चारपहिया वाहन शामिल थे। इस दौरान कई लोगों से वाहन से जुड़े दस्तावेज मांगे गए तथा बिना दस्तावेज या संदेहास्पद स्थिति में पकड़े गए वाहनों और चालकों को चेतावनी दी गई और कुछ पर कार्रवाई भी की गई।

इसके साथ ही, पुलिस ने राहगीरों और संदिग्धों की सघन तलाशी ली और पहचान भी सत्यापन किया गया। कई स्थानों पर ब्रेथ एनालाइजर के माध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने वालों की भी जांच की गई। एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि इस तरह के अभियान लगातार चलाए जाएंगे, ताकि असामाजिक तत्वों में कानून का भय बना रहे और आम लोगों को सुरक्षा का भरोसा मिले। उन्होंने लोगों से भी अपील की कि जांच अभियान के दौरान सहयोग करें और अपने आवश्यक दस्तावेज हमेशा साथ रखें।

कैपिटल रिपेयर के पश्चात पुनः संचालन प्रारंभ

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट के कोल्ड रोलिंग मिल-३ की स्किन पास मिल का कैपिटल रिपेयर सफलतापूर्वक पूर्ण कर पुनः संचालन प्रारंभ कर दिया गया है. इसी के साथ विभाग के हाइड्रोजन प्लांट, वॉटर सप्लाई सिस्टम, टीएलआईएल तथा बैच एनीलिंग फर्नेस सहित सभी सहायक इकाइयाँ भी पुनः सुचारू रूप से कार्यरत हो गई हैं. इस मौके पर अधिशासी निदेशक (ऑपरेशंस) अनुप कुमार दत्त ने स्किन पास मिल के संचालन का शुभारंभ किया. उनके साथ मुख्य महाप्रबंधक राजेश कुमार झा सहित विभाग के अन्य वरीय अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे. श्री दत्त ने इस सफल कार्यान्वयन में योगदान देने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि कैपिटल रिपेयर कार्यों की समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण पूर्णता से उत्पादन गतिविधियाँ एक बार फिर पूर्ण क्षमता के साथ आगे बढ़ेंगी, जिससे संयंत्र की परिचालन दक्षता तथा उत्पाद गुणवत्ता में और अधिक मजबूती आएगी.

नगर निकाय चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारियां हुई तेज

धनबाद (कासं):आगामी नगर निकाय चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में जिला तथा प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई।

बैठक में धनबाद नगर निगम क्षेत्र के ५५ वार्डों तथा नगर परिषद चिरकुंडा के २१ वार्डों में चुनावी तैयारी की समीक्षा की गई। बैठक में सभी १२ आरओ के चैंबर सह नामांकन स्थल चिन्हित करने, कोषांग गठन, मतदान केंद्रों की सूची, मतदान केन्द्र में मूलभूत सुविधाएं, मतदाता सूची, बज्रगृह, ईवीएम डिस्पैच व रिसीविंग सेंटर, संवेदनशील बूथों का सत्यापन तथा मतगणना केंद्रों की तैयारी जैसे बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों को अपने स्तर से दिए हुए कार्य का निर्वहन करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्याशियों के नामांकन हेतु आरओ चैंबर हेतु स्थल चिन्हित करने के निर्देश दिए। साथ ही नामांकन पर्ची के खरीदारी हेतु काउंटर निर्माण हेतु स्थल चयन के निर्देश दिए। साथ हीं जल्द से जल्द सभी कोषांग के गठन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इसके अलावा उन्होंने सभी आरओ को अपने अपने बूथ का भौतिक निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा की राज्य सरकार द्वारा लगातार निर्देश दिया जा रहा है कि आगामी नगर निगम चुनाव की तैयारियां शुरू करनी हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मौके पर उप विकास आयुक्त सादात अनवर, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, एडीएम सप्लाई जियाउल अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश बाउरी समेत अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी तथा प्रखंड/अंचल स्तरीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

पुटकी पीबी एरिया 7 में गैस रिसाव से एक की मौत

पुटकी (ससे) : पुटकी पीबी एरिया ७ क्षेत्र अन्तर्गत केंदुआडीह थाना के बगल स्थित पुराना महाप्रबंधक बंगला, जो वर्तमान में बीसीसीएल का गेस्ट हाउस के समीप पूराना बंद सिरमोहान से (सीओ) गैस का रिसाव होने से राजपूत बस्ती, मस्जिद मोहल्ला इमामबाड़ा, ५ नंबर बस्ती सहित कई इलाकों में तेज दुर्गंध फैलने के बाद तेजी से गैस रिसाव से अफरातफरी मच गया। आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। लगभग एक हजार की आबादी वाले इन इलाकों में एक दर्जन से अधिक लोग गैस की चपेट में आ गये और बीमार पड़ गए, जिन्हें इलाज के लिए विभिन्न अस्पताल ले जाया गया।

सूचना मिलने पर बीसीसीएल की जांच टीम ने प्रभावित इलाकों का दौरा किया। टीम में बीसीसीएल के महाप्रबंधक जी एस साहा, सेफ्टी ऑफिसर, केंदुआडीह थाना प्रभारी प्रमोद पांडेय सहित अधिकारी गैस डिटेक्टर मशीन के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। प्राथमिक जांच में अनुमान लगाया गया कि थाना के समीप स्थित जीएम गेस्ट हाउस के बंद सिरमोहान के झाड़ियों के आसपास से गैस निकल रही है। एरिया सेफ्टी ऑफिसर, कुसुंडा ने बताया कि क्षेत्र के आसपास के जगह में गैस होने की आशंका है। गैस का प्रतिशत कहीकही ८, कही ९ प्रतिशत पाया गया है। गैस में दुर्गंध काफी ज्यादा है। अधिकारी इसे उच्च स्तर पर रिपोर्ट बता रहे हैं और गैस रिसाव बंद करने और मुहाने को भराई करने की युद्ध स्तर पर तैयारी की जा रही है।

सुरक्षा के दृष्टि से बीसीसीएल प्रबंधन के द्वारा आसपास के रहने वाले लोगो को नोटिस व अलाउंसमेंट के जरिए जगह खाली करने और सुरक्षित जगहों पर जाने का आग्रह किया जा रहा है। बीसीसीएल प्रबंधन के द्वारा मौके पर सुरक्षा को लेकर एम्बुलेंस तैयार रखा गया है। बीसीसीएल एजेंट लखन लाल बरनवाल ने कहा कि गैस की लोकेशन की पहचान का प्रयास जारी है। जैसे ही स्रोत मिलेगा, उसे भरने का काम शुरू कर दिया जाएगा। डिटेक्टर मशीन से जांच चल रही है। स्थानीय लोग सिरदर्द, उल्टी और सांस लेने में दिक्कत जैसी समस्या की बात कह रहे हैं। कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। स्थानीय टिंकू अंसारी ने बताया कि इलाके में कई लोग अचानक बीमार हो गए हैं। वहीं, निवासी रामकिशन ने बताया कि गैस के प्रभाव से उनका पालतू तोता भी मर गया। स्थानीय महेश गोस्वामी ने बताया कि उनकी बच्ची सुबह घर से निकलते ही चक्कर खाकर गिर गई। अस्पताल में डॉक्टरों ने बताया कि उसे जहरीली गैस का असर हुआ है। उन्होंने दावा किया कि पूर्व में दर्जनों लोग प्रभावित हो चुके हैं, वे परिवार सहित अस्थायी रूप से धनबाद शिफ्ट हो गए हैं।

स्थानीय लोगों ने कहा कि तीन चार दिनों से गैस रिसाव हो रहा था। काफ़ी मात्र में गैस रिसाव हो रहा है। जिससे दर्जन लोग इसकी चपेट में आ कर बीमार हो के अस्पताल में भर्ती हो गए है।

गैस रिसाव की सूचना मिलते ही धनबाद विधायक राज सिन्हा प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर दूरभाष पर धनबाद डीसी आदित्य रंजन व सीएमडी को जानकारी देते हुए अविलंब गैस रिसाव से निजात दिलाने की बात की। केन्दुआडीह थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर प्रमोद पांडेय ने बताया कि गैस रिसाव से केन्दुआडीह नया धौड़ा निवासी प्रियंका कुमारी उम्र लगभग २५ वर्ष पति विकाश शर्मा का ईलाज के दौरान मृत्यु हो गई। मृतक का दो पुत्र है। युद्ध स्तर पर राहत और बचाव कार्य किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अफवाह पर ध्यान न देते हुए, सुरक्षित स्थान पर जाने का आग्रह किये। पार्षद प्रतिनिधि कृष्णा राउत ने कहा कि बीसीसीएल प्रबंधन का घोर लापरवाही है। सुबह ही घटना घटी है, लेकिन देर रात तक कोई बचाव व राहत बीसीसीएल प्रबंधन के द्वारा नहीं चलाया गया है। लोग दहशत में हैं।

घटना की सूचना पर पुटकी अंचलाधिकारी विकास रंजन मौके पर पहुँच कर बचाव और राहत कार्य का जायजा लिया।

बीसीसीएल एरिया4 में गैस रिसाव, ग्रामीणों में दहशत

कतरास (ससे) : बाघमारा अंचल के सीओ ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने स्वीकार किया कि गैस रिसाव से खतरनाक हवा वातावरण में फैल रही है, जिससे आम लोगों को परेशानी हो रही होगी। उन्होंने कहा कि वे मामले की जानकारी बीसीसीएल प्रबंधन और उच्च अधिकारियों को देंगे तथा रिसाव बंद कराने के लिए कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

बीसीसीएल एरिया४ के अंतर्गत बंद पड़ी मां अंबे आउटसोर्सिंग परियोजना में पिछले तीन दिनों से गैस रिसाव (जिसे स्थानीय लोग 'जय श्री श्याम' कह रहे हैं) का सिलसिला जारी है। रिसाव के चलते आसपास के गांवों में रहने वाले लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। कई घरों में पहले से बीमार लोग बढ़ती बदबूदार व विषैली हवा के कारण अधिक परेशान हैं।

गैस रिसाव की वजह से बच्चों की शाम की क्रिकेट, फुटबॉल और कबड्डी जैसी खेल गतिविधियाँ भी प्रभावित हो गई हैं। अभिभावक अपने बच्चों को घर से बाहर नहीं भेज रहे हैं। वहीं आसपास के कई दुकानदारों ने सुरक्षा के मद्देनजर अपनी दुकानें बंद कर दी हैं, जिससे उनके परिवारों पर भूखमरी का संकट गहराने का खतरा बढ़ गया है। गैस रिसाव के कारणों को लेकर बीसीसीएल प्रबंधन अब तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे पाया है और न ही रिसाव रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए गए हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं मिला तो वे उग्र आंदोलन को मजबूर होंगे और स्थिति संभालना जिला प्रशासन के लिए कठिन हो जाएगा।

विधायक राज ने किया सड़क का शिलान्यास

केन्दुआ (ससे) : गोन्दुडीह ओपी क्षेत्र अन्तर्गत खरिकाबाद में राज सिन्हा के द्वारा सड़क शिलान्यास किया गया। मौके पर धनबाद नगर निगम वार्ड१४ के निवर्तमान पार्षद मो.निसार आलम, खरिकाबाद, बसेरिया, क्षेत्र के बुद्धिजीवी, समाज सेवी, ग्रामीण मौजूद थे।

पीएम के प्रिंसिपल सेक्रेटरी, डॉ. पी.के. मिश्रा बीसीसीएल के सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल के साथ आईआईटीआईएसएम धनबाद की स्थापना के १००वें साल के खास मौके पर आए। डॉ. मिश्रा ने एक्सपोटेक इवेंट का उद्घाटन किया, जहाँ बीसीसीएल ने ड्रैगलाइन, ऑटो टिपर डम्पर और दूसरी माइनिंग टेक्नोलॉजी के वर्किंग मॉडल वाला एक खास स्टॉल भी दिखाया।

गुस्साएं मजदूरों ने बेनीडीह मेन साइडिंग किया ठप

कतरास (ससे) : बीसीसीएल प्रबंधन की वादा खिलाफी से आक्रोशित बेनीडीह मेन साइडिंग के सेलपिकर मजदूरों ने साइडिंग के सामने चक्का जाम कर दिया। अचानक हुए इस प्रदर्शन से पूरे दिन रैक लोडिंग कार्य बाधित रहा और परिचालन पूरी तरह ठप रहा। मजदूरों ने बताया कि बकाया वेतन सहित विभिन्न मांगों को लेकर २१ नवंबर को डुमरा गेस्ट हाउस में बीसीसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैय्या, धनबाद सांसद ढुल्लू महतो और बीसीसीएल अधिकारियों की मौजूदगी में वार्ता हुई थी। वार्ता में निदेशक ने सकारात्मक पहल का आश्वासन देते हुए डेढ़ महीने का समय मांगा था और कहा था कि सोमवार तक सभी मजदूरों को बकाया वेतन दे दिया जाएगा।

लेकिन वार्ता के करीब दस दिन बीतने के बाद भी भुगतान नहीं होने से मजदूरों में भारी आक्रोश व्याप्त है। उनका कहना है कि प्रबंधन कई बार आश्वासन दे चुका है, लेकिन हर बार मांगों को लंबित रख दिया जाता है। समय पर वेतन न मिलने से मजदूरों की आजीविका संकट में पड़ गई है और कई परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। वादा खिलाफी के विरोध में मजदूरों ने मजबूरन चक्का जाम का सहारा लिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि जब तक मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा। खबर लिखे जाने तक चक्का जाम जारी था। मौके पर देवानंद चौहान, रवि महतो, रामदास कुम्हार, प्रदीप रवानी, राजू रवानी, मुकुल देवी, भारती देवी, उर्मिला कुमारी, हरदान चक्रवर्ती, जीवनलाल नोनिया सहित बड़ी संख्या में मजदूर मौजूद रहे।

भाकपा माले के पूर्व नेता को दी गई श्रद्धांजलि

धनबाद (कासं) : झरिया मानबाद स्थित भाकपा माले कार्यालय में पूर्व नेता व समाज सेवी कॉमरेड सरजू प्रसाद साव की ११वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस दौरान समर्थकों ने उनकी तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। जिला कमिटी के सदस्य कॉमरेड नारायण चक्रवर्ती ने कहा कि कॉमरेड सरजू दा झरिया शहर में दबे कुचले मजदूरों, गरीबों व शोषितों के लड़ाई में आगे रहते थे। १९८९ में जब सांप्रदायिक माहौल खराब करने की कोशिश की जा रही थी, उस समय सरजू दा बुद्धिजीवियों के साथ पूरे झरिया में घूमघूम कर लोगों के साथ मिलकर कोई घटना ना हो, सामाजिक ताना-बाना को मजबूत करते हुए खड़े रहे थे। मौके पर भगवान दास, नौशाद अंसारी, प्रजा पासवान, रंजीत गुप्ता आदि मौजूद थे।

ओल्ड ऐज होम के वृद्धजनों को दी गयी राशन सामग्री

धनबाद (कासं) : भारतीय जीवन बीमा निगम के अंतगर्त विकास अधिकारियों के संगठन नेशनल फेडरेशन का इंश्योरेंस फील्ड वर्कर्स ऑफ़ इंडिया (एनएफआईएफडब्लूआई) के द्वारा उनके संस्थापक स्व. श्रीधर वासुदेव के १०१वीं जन्मदिवस पर सबलपुर सहयोगी नगर स्थित ओल्ड एज होम में एलआईसी शाखा ४, शाखा ३ और गोविंदपुर शाखा के विकास अधिकारियों के द्वारा रोजमर्रा के उपयोग के सामान एवं राशन सामाग्री का आश्रम में आश्रित वृद्धजनों को वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में कॉ. दीपक कुमार सिंह कॉ. रविशंकर शर्मा, कॉ. राजेश कुमार शर्मा, कॉ. शैलेंद्र कुमार, कॉ. कुमार गुलशन, कॉ. विकाश सिंह, कॉ. शशिकांत, कॉ. अभिषेक सिंह, कॉ. राहुल रंजन, कॉ. शैलेन्द्र कुमार मिश्रा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में लालमणि वृद्धा सेवा आश्रम के अध्यक्ष सह ओल्ड एज होम के संचालक मो. नौसाद गद्दी और कोषाध्यक्ष ओमकार मिश्रा ने सभी को इस पुनीत कार्य के लिए धन्यवाद दिया।

सड़क दुघर्टना में युवक घायल

बलियापुर (ससे) : गोविंदपुर रोड सिंदूरपुर के पास देर शाम को सड़क दुर्घटना में २८ वर्षीय कल्याण रजवार बुरी तरह घायल हो गया। वह बड़ादाहा रजवार टोला निवासी राशु रजवार का पुत्र है। उसे इलाज के लिए १०८ एंबुलेंस से शहीद निर्मल महतो मेमोरियल हॉस्पिटल धनबाद ले जाया गया है। बाइक सवार कल्याण रजवार शाम करीब ६ बजे गोविंदपुर से बाइक से बलियापुर लौट रहा था। सिंदूरपुर हार्डकोक भट्ठा के समीप किसी वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार धक्का मार दिया। जिससे वह दुर्घटनाग्रस्त होकर गिर पड़ा। गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर बलियापुर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। दुर्घटनाग्रस्त बाइक को जप्त कर लिया। घायल बाइक सवार युवक की स्थिति गंभीर बताई जाती है।

अधिवक्ता दिवस पर सम्मान समारोह

बलियापुर (ससे) : अधिवक्ता दिवस के अवसर पर धनबाद कोर्ट के प्रख्यात अधिवक्ता, सिंदरी निवासी नीरज कुमार सिंह को उनके आवासीय कार्यालय में अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित एवं अभिनंदित किया गया। इस सम्मान समारोह में मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी धनबाद ग्रामीण जिला महामंत्री मनोज मिश्रा, जिला मंत्री प्रकाश बाउरी, पूर्व अध्यक्ष विजय सिंह, भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी राजेश चौधरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि न्याय व्यवस्था में अधिवक्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं श्रेष्ठ है। समाज में न्याय की रक्षा और विधिक अधिकारों के संरक्षण हेतु उनका योगदान सदैव ऐतिहासिक रहा है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने नीरज कुमार सिंह को दीर्घायु, उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर प्रगति की शुभकामनाएँ दीं।

गोविन्दपुर में सत्संग शुरू

गोविंदपुर (ससे) : महर्षि मेंही आश्रम आकाशगंगा कॉलोनी लाल बंगला में ध्यान, सत्संग एवं प्रवचन शिविर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शुरू हुआ। इसका समापन १५ को होगा। इस दौरान प्रतिदिन सुबह, दोपहर, शाम ध्यान और सत्संग होंगे। दोपहर ३ से ६ बजे तक प्रवचन होगा। प्रवचन करते हुए उर्वरा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा धन कमाओ लेकिन शुद्धता पूर्वक कमाओ। तृष्णा को कम कीजिए। जो थोड़े में संतोष रखता है, वह साधना कर सकता है। उन्होंने कहा कि अपने जीवन की कमाई से कुछ न कुछ गरीबों को दान अवश्य दें। इससे पापों का नाश होगा और आपसे कोई दुष्टता नहीं करेगा। स्वामी करने से ब्रह्म की प्राप्ति नहीं होती। इसलिए इंद्रियों से ईश्वर को पहचानने का ख्याल भूल है। इस दौरान स्वामी रामप्रवेश बाबा, स्वामी बिंदु बाबा, नीरज बाबा आदि ने प्रवचन किया। अध्यक्षता धनबाद जिला संतमत सत्संग समिति के अध्यक्ष परमानंद प्रसाद और संचालन स्वामी रतन बाबा ने किया। इस

स्वामी राधे बाबा ने कहा कि जिस तरह बंजर भूमि को उपजाऊ बनाने में परिश्रम करना पड़ता है। इसी तरह मस्तिष्क को भी बंजर खेत की तरह विद्याभ्यास और सत्संग के द्वारा गंभीरानंद बाबा ने कहा कि जहां अपने को बलहीन पाओ, वहां भगवान को याद करो। अपनी शक्ति लगाइए, अवश्य मदद मिलेगी। विशेष पढ़ने, विशेष याद रखने और विशेष प्रवचन कार्यक्रम में धनबाद के अलावा झारखंड, पश्चिम बंगाल एवं बिहार के विभिन्न जिलों के श्रद्धालु पहुंचे हुए हैं। बड़ी संख्या में महिलाएं भी इस कार्यक्रम में भाग ले रही है।

पोषण सखी संघ की बैठक सम्पन्न

कतरास (ससे) : झारखंड राज्य एकीकृत पोषण सखी संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक लिलोरी मंदिर प्रांगण में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता संघ की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं वर्तमान प्रदेश संरक्षक सोनी पासवान ने की। बैठक में बड़ी संख्या में पोषण सखियों ने हिस्सा लिया।

श्रीमती पासवान ने बताया कि पोषण सखियों की नौकरी पुन: बहाल होने पर संघ की ओर से राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि फिलहाल छह जिलों में पोषण सखियों द्वारा कार्य किया जा रहा है, लेकिन कई आंगनबाड़ी केंद्रों में मोबाइल आधारित कार्य केवल सेविकाओं द्वारा कराया जा रहा है, जिससे पोषण सखियों का कार्य स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने सरकार से व्यवस्था को सुचारू करने की मांग की।

श्री पासवान ने यह भी कहा कि झारखंड के कई जिलों में पोषण सखियों की नियुक्ति अभी तक नहीं हुई है। इसलिए २४ जिलों में जल्द से जल्द बहाली प्रक्रिया शुरू की जाए। साथ ही मानदेय बढ़ोत्तरी, ड्रेस कोड सहित अन्य मांगों को भी सरकार के समक्ष रखने का निर्णय लिया गया।

बैठक में मुख्य रूप से बाघमारा प्रखंड की प्रखंड अध्यक्ष पार्वती देवी, प्रखंड सचिव गुड़िया देवी, जिला अध्यक्ष रुबिया खातून एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहीं। हजारों की संख्या में पोषण सखियों ने पूजा में भाग लेकर अपनी एकजुटता प्रदर्शित की। सोनी पासवान ने मां लिलोरी से संगठन की मजबूती, मानदेय वृद्धि और राज्यभर में पोषण सखियों की बहाली के सफल चरणबद्ध क्रियान्वयन की कामना की। शिखा महतो, सरिता देवी, गिरिजा देवी, आरती कुमारी, कुंती कुमारी, समरी देवी, दीपाली देवी, पिंकी देवी, रिंकी देवी, मुलु देवी, सविता देवी, पार्वती देवी, बुधिया देवी, संध्या देवी, पिंकी देवी, रिंकू देवी, सिंधु देवी, ललिता देवी, रूबी देवी, लक्ष्मी देवी, गायत्री देवी, आरती देवी, सरिता देवी, सीमा आदि मौजूद थी।

प्रमुख के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल विद्युत अधीक्षक से मिला

बलियापुर (ससे) : कुसमाटांड़ वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में नये

ट्रांसफार्मर लगाने की मांग को ले बुधवार को प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता एसके कश्यप से मिले। इस दौरान एक ज्ञापन देकर नये विद्युत ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने अधीक्षण अभियंता को बताया कि ट्रांसफार्मर की कीमती पार्ट्स पुर्जे चोरी होने के बाद करीब १० दिनों से बारह पंचायतों में जलापूर्ति ठप हैं। लोग परेशान हैं। जिस पर अधीक्षण अभियंता श्री कश्यप ने तीन दिनों के अंदर वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में विद्युत ट्रांसफार्मर लगाने का आश्वासन दिया। बलियापुर ग्रामीण जलापूर्ति योजना के फेस १ एवं फेस २ के वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से जलापूर्ति बंद हो गया है। जिससे प्रखंड क्षेत्र के कुल ६८ गांव के लाखों लोग पानी के लिए तरसने को विवश है। फेस २ के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का विद्युत ट्रांसफार्मर नहीं रहने तथा योजना के फेस वन के शीतलपुर स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के कर्मियों को ९ महीना से वेतन नहीं मिलने के कारण सभी कर्मियों ने हड़ताल कर दिया है। जिससे फेस १ के ४१ गांव में भी जलापूर्ति बंद हो गया है । मौके पर विधायक प्रतिनिधि हीरालाल मोदक, राधेश्याम रजक आदि मौजूद थे।

चोरी के मामले में एक हिरासत में

जोड़ापोखर (ससे) : डिगवाडीह बाजार के व्यवसायी सह पुरानी बस्ती निवासी विशाल प्रसाद उर्फ टिंकू गुप्ता के घर हुई ११ नवंबर को चोरी प्रकरण में जोड़ापोखर पुलिस ने छापेमारी कर एक चोर को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस चोर महाबीर बाउरी के पास से नकद एवं कुछ सोने के जेवर बरामद किया। पुलिस लगातार पुलिस ने बताया कि महाबीर बाउरी से कई दिनों से पूछताछ कर रहे थे ,लेकिन कुछ नही बता रहे थे, कड़ाई से पूछताछ में चोरी की घटना को कबुल कर लिया जिसे गुरुवार को जेल भेज दिया जाएगा। बताया जाता है कि महाबीर बाउरी पूर्व में व्यवसायी विशाल प्रसाद के दुकान में काम करता था। देवघर जाने से पहले विशाल प्रसाद ने महाबीर बाउरी से घर में वाइट वास कराया था महाबीर को पता था कि घर में कोई नही जिसका फायदा उठा कर घर में चोरी किया था। घटना के सम्बंध में बताया जाता है कि घटना के वक्त श्री गुप्ता देवघर सपरिवार पूजाअर्चना करने गए हुए थे। वह पूजाअर्चना कर अपने घर पहुँचे। उन्होंने घर पहुँचकर टूटे हुए अल्मीरा में जाँच पड़ताल किया। थाना में शिकायत करते हुए बताया कि अल्मीरा में महाजन को देने के लिए सात लाख रुपये नक्द, सोने की बाली, झुमका, चेन, मांगटीका, चांदी के पायल चोरी हो चुकी है। उन्हें १० लाख का कुल नुकसान हुआ है। घटना के बाद से पुलिस पासपड़ोस के सीसीटीवी जाँच कर रही है।

मोदी सरकार की जाति जनगणना बहुजनों के साथ खुला विश्वासघात

नई दिल्ली(ईएमएस): संसद के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार को जाति जनगणना के सवाल पर घेरने का प्रयास किया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट कर कहा कि सरकार के पास इसको लेकर न कोई ठोस रूपरेखा है, न समयबद्ध योजना, न संसद में चर्चा, और न ही जनता से संवाद्। उन्होंने एक्स पर अपने पोस्ट के साथ संसद में उनके द्वारा उठाए गए सवालों और सरकार के जवाब की फोटो पोस्ट करते हुए कहा कि संसद में मैंने सरकार से जाति जनगणना पर सवाल पूछा कि उनका जवाब चौंकाने वाला है। न ठोस रूपरेखा, न समयबद्ध योजना, न संसद में चर्चा, और न ही जनता से संवाद्। दूसरे राज्यों की सफल जाति जनगणनाओं की रणनीति से सीखने की कोई इच्छा भी नहीं्। मोदी सरकार की यह जाति जनगणना देश के बहुजनों के साथ खुला विश्वासघात है।

जाति जनगणना को लेकर राहुल गांधी ने सवाल किए थे कि दशकीय जनगणना की तैयारी के लिए प्रमुख प्रक्रियात्मक कदमों का ब्यौरा और संभावित समयसीमा क्या है, जिसमें प्रश्नों की तैयारी, कार्यक्रम निर्धारण करना शामिल है। क्या सरकार का जनगणना के सवालों का प्रारूप प्रकाशित करने और इन सवालों पर जनता या जनप्रतिनिधियों से इनपुट लेने का कोई प्रस्ताव है? क्या सरकार अलग-अलग राज्यों में किए गए जाति सर्वेक्षण समेत पिछले अनुभवों पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

गृह मंत्रालय की तरफ से गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने जवाब दिया कि जनगणना २०२७ दो चरणों में की जाएगी, अर्थात् चरण १ - मकान सूचीकरण तथा मकानों की गणना, जो अप्रैल से सितंबर २०२६ में ३० दिनों की अवधि में राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों की सुविधा के अनुसार की जाएगी, इसके बाद चरण २ - जनसंख्या गणना होगी। जनसंख्या गणना फरवरी २०२७ के दौरान होगी जिसकी संदर्भ तिथि १ मार्च, २०२७ को ००:०० बजे होगी सिवाय संघ राज्यक्षेत्र लद्दाख और संघ राज्यक्षेत्र जम्मू-कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड राज्यों के हिमाच्छादित असमर्थनीय क्षेत्रों में, जहाँ जनसंख्या गणना सितंबर २०२६ के दौरान होगी जिसकी संदर्भ तिथि अक्टूबर, २०२६ के पहले दिन के ००:०० बजे होगी।

जनगणना प्रपत्रावली को प्रत्येक जनगणना से पहले विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, संगठनों और जनगणना डेटा उपयोगकर्ताओं आदि से प्राप्त सुझावों/इनपुट के आधार पर अंतिम रूप दिया जाता है। प्रारूपित जनगणना प्रपत्रावली को अंतिम रूप देने से पहले उनकी व्यवहारिकता का मूल्यांकन करने के लिए क्षेत्र में पूर्व-परीक्षण किया जाता है। जनगणना नियम, १९९० के नियम ६ के अनुसार, जनगणना प्रपत्रावली केंद्र सरकार द्वारा अधिनियम की धारा ८ की उपधारा (१) के तहत अधिकृत राजपत्र के माध्यम से अधिसूचित की जाती है। जनगणना का १५० वर्षों से अधिक का इतिहास है। अगली जनगणना के लिए पिछली जनगणनाओं से प्राप्त अनुभवों को ध्यान में रखा जाता है। प्रत्येक जनगणना से पहले संबंधित हितधारकों से भी सुझाव लिए जाते हैं।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने समीर वानखेड़े की याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली उच्च न्यायालय ने आईआरएस अधिकारी समीर वानखेड़े द्वारा दायर अंतरिम याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। यह याचिका रेड चिलीज एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और नेटफ्लिक्स पर प्रसारित श्रृंखला द बैड्स ऑफ बॉलीवुड पर अंतरिम रोक लगाने और हटाने की मांग करती है, जिसे वानखेड़े मानहानिकारक मानते हैं। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कौरव ने इस स्तर पर विचार करने के लिए दो मुख्य कानूनी प्रश्न निर्धारित किए हैं, जिन पर न्यायालय का अंतिम निर्णय निर्भर करेगा। क्या यह वाद दिल्ली में पोषणीय है? क्या विवादित चित्रण, समग्र संदर्भ में देखे जाने पर, कला की अभिव्यक्ति से परे जाकर वादी की प्रतिष्ठा को प्रथम दृष्टया नुकसान पहुँचाता है?

मांगा गया हर्जाना: वानखेड़े ने रेड चिलीज और नेटफ्लिक्स से दो करोड़ रुपये का हर्जाना मांगा है। उन्होंने यह राशि कैंसर रोगियों के लिए टाटा मेमोरियल कैंसर अस्पताल को दान करने की इच्छा भी व्यक्त की है। न्यायालय का निर्णय अब आरक्षित है।

अच्छे अंक पाने वाले विद्यार्थियों को उनके धर्म के लिए सजा नहीं दे सकते : उमर

जम्मू,(ईएमएस): वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अधीन आने वाले मेडिकल कॉलेज को लेकर जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने राजौरी में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि नीट की परीक्षा में अच्छे अंक लाने वाले विद्यार्थियों को उनके धर्म के लिए सजा नहीं दी जा सकती। न तो कानून और न ही संविधान इसकी अनुमति देता है। उन्होंने कहा कि यदि कोई संस्था धर्म के आधार पर सीट आरक्षण चाहती है तो उसे पहले सरकारी अनुदान लेना बंद करना होगा। इसके साथ ही उसे दी गई जमीन की कीमत का भी भुगतान करना होगा। फिर वह अपने कानून में बदलाव कर अपनी मर्जी से दाखिले कर सकते हैं।

इस पर माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति के संयोजक सेवानिवृत्त कर्नल सुखबीर सिंह मनकोटिया ने कहा कि उमर अब्दुल्ला आंदोलन को धार्मिक रंग दे रहे हैं। हम कभी किसी विद्यार्थी के विरोधी नहीं रहे हैं लेकिन माता वैष्णो देवी के चढ़ावे को लेकर तो पहले से तय है कि भक्तों द्वारा चढ़ाए गए धन का इस्तेमाल केवल मंदिर से जुडें आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और परोपकारी उद्देश्यों के अनुरूप होना चाहिए्। मनकोटिया ने कहा कि श्राइन बोर्ड के मामले में सीएम उमर को बोलने की जरूरत नहीं्। उनके पास कोई ठोस समाधान हो तो बात करें्। लोगों की भावनाओं से खेलना बंद करें्। इस मेडिकल कालेज को सरकार से अब तक कोई मदद नहीं मिली है। जमीन उमर अब्दुल्ला की नहीं है।

सनातन धर्म सभा के प्रदेशाध्यक्ष ने सीएम अब्दुल्ला के बयान पर कहा कि उमर अब्दुल्ला मामले को धार्मिक रंग न दें्। हम अपने धार्मिक स्थल की और उसके द्वारा खर्च किए जा रहे पैसे को हिंदुओं पर खर्च करने की बात कर रहे हैं्। जो सुझाव उमर अब्दुल्ला हमें दे रहे हैं्। उन पर खुद अमल करें और अपने पैसे का जो चाहे करें, जिसे मर्जी दाखिला दें्।

सीएम एक बहुत ही असंवेदनशील व्यक्ति के रूप में व्यवहार कर रहे हैं जो उन्हें शोभा नहीं देता। सरकार किसी शिक्षा संस्थान को आर्थिक मदद देकर उसकी पहचान व चरित्र नहीं बदल सकती। माता देवी यूनिवर्सिटी व मेडिकल कालेज से हिंदुओं की भावनाएं जुड़ी हैं्। बतौर सीएम उन्हें कोई ऐसा रास्ता निकालना चाहिए जिससे हिंदुओं की भावनाओं का भी सम्मान हो और मुस्लिम छात्रों का भविष्य भी सुरक्षित रहे।

यात्री की तबीयत बिगड़ी,तिरुवनंतपुरम जा रहे विमान को मंगलुरु में उतारा गया

तिरुवनंतपुरम,(ईएमएस): यात्री के अचानक स्वास्थ्य खराब होने के कारण तिरुवनंतपुरम जा रहे एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान को मंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारना पड़ा। सोमवार देर रात तिरुवनंतपुरम जा रहे विमान में एक लगभग ३५ वर्षीय यात्री को स्वास्थ्य संबंधी समस्या हुई्। विमान के चालक दल ने तुरंत मंगलुरु हवाई अड्डे के संचालन नियंत्रण केंद्र को सूचित किया। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने तुरंत आपातकालीन प्रोटोकॉल लागू किए और चिकित्सा दल, सीआईएसएफ, आव्रजन और सीमा शुल्क विभाग के साथ समन्वय किया। विमान के उतरते ही हवाई अड्डे के चिकित्सा कर्मियों ने यात्री की स्थिति का आकलन किया और उन्हें तत्काल शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। यात्री के रिश्तेदार भी उनके साथ विमान से उतरे। चालक दल की समय पर मदद से यात्री को स्थिर करने में मदद मिली। स्थिति नियंत्रण में आने के बाद, विमान देर रात दो बजकर पांच मिनट पर तिरुवनंतपुरम के लिए रवाना हुआ्। एयरलाइन एक प्रवक्ता ने इस समन्वित प्रतिक्रिया को हवाई अड्डे की तत्परता और यात्री सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया।

महापुरुषों की जयंती-पुण्यतिथि पर उनसे जुड़े स्थलों पर नहीं जाएंगी मायावती

कोलकाता,(ईएमएस): बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने महापुरुषों की जयंती-पुण्यतिथि पर उनसे जुड़े स्थलों पर न जाकर अपने निवास स्थान पर या पार्टी कार्यालय में ही श्रद्धा सुमन अर्पित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर की छह दिसम्बर को पुण्यतिथि है। इसके पहले बुधवार को उन्होंने एक पोस्ट में कहा कि महापुरुषों की जयंती-पुण्यतिथि पर उनसे जुड़े स्थलों पर जाने पर उनकी (यानी मायावती) की सुरक्षा के व्यवस्था के चलते लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसी वजह से उन्होंने यह तय किया है कि अब उन स्थलों पर नहीं जाएंगी।

निवास स्थान या कार्यालय पर ही श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके जीवन संघर्ष से प्रेरणा लेकर उनके कारवां को आगे बढाने का संकल्प लेंगे ताकि बसपा के नेतृत्व में उनके आत्म सम्मान और स्वाभिमान का मूवमेंट सत्ता की मास्टर चाबी हासिल करके मंजिल की ओर आगे बढ़ा जा सके।

मायावती ने पोस्ट में लिखा-'जैसा कि सर्वविदित है कि यूपी में मेरे नेतृत्व में चार बार बनी बसपा सरकार के दौरान 'बहुजन समाज' में समय-समय पर जन्मे उन महान संतों, गुरुओं व महापुरुषों में भी ख़ासकर महात्मा ज्योतिबा फुले, राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज, श्री नारायणा गुरु, परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर एवं मान्यवर कांशीराम आदि को कई रूपों में भरपूर आदर-सम्मान दिया गया है, जिनकी जातिवादी पार्टियों की रही सरकारों में यहां हमेशा उपेक्षा की गई व उनका तिरस्कार भी किया जाता रहा है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने लिखा कि इस क्रम में परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर पश्चिमी यूपी को छोड़कर, यूपी में पार्टी के लोग व उनके अनुयायी मेरे निर्देशानुसार आगामी ६ दिसम्बर को लखनऊ के विशाल एवं भव्य डा. भीमराव अम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल में और पश्चिमी यूपी, दिल्ली व उत्तराखण्ड स्टेट के लोग नोएडा में स्थित राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल में अपने परिवार सहित भारी संख्या में पहुंचकर अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित करेंगे और उनके जीवन संघर्ष से प्रेरणा लेकर उनके कारवां को आगे बढ़ाने का संकल्प भी लेंगे ताकि बसपा के नेतृत्व में उनके आत्म-सम्मान व स्वाभिमान का मूवमेन्ट सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करके मंज़िल की ओर आगे बढ़ सके।

अंबिकापुर व छत्तीसगढ़ में रेल विकास को मिली रफ्तार

अहमदाबाद (ईएमएस): अंबिकापुर तथा छत्तीसगढ़ क्षेत्र में रेल संपर्क को सुदृढ़ बनाने हेतु भारत सरकार द्वारा हाल के वर्षों में रेल परियोजनाओं को अभूतपूर्व गति प्रदान की जा रही है। यह जानकारी आज लोकसभा में पूछे गए एक अतारांकित प्रश्न के उत्तर में रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी।

मंत्री ने बताया कि यह प्रश्न सांसद चिन्तामणि महाराज द्वारा पूछा गया था। अंबिकापुर क्षेत्र की कनेक्टिविटी को मजबूत करने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में कई महत्वपूर्ण सर्वेक्षण एवं परियोजनाएँ स्वीकृत की गई हैं। बोरिडांड-अंबिकापुर (सुरजपुर) दोहरीकरण परियोजना (८० किमी) पर कार्य आरंभ किया जा चुका है। अंबिकापुर-रामानुजगंज-बरवाडीह नई रेल लाइन तथा रामानुजगंज-गढ़वा रोड सहायक लाइन (२६२ किमी) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा चुकी है। इसी प्रकार सरडेगा-पत्थलगांव-अंबिकापुर नई रेल लाइन (२१८ किमी) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भी पूर्ण कर ली गई है। उन्होंने बताया कि हाल के वर्षों में छत्तीसगढ़ के लिए रेल बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष २००९-१४ के दौरान जहाँ औसत वार्षिक आवंटन ३११ करोड़ रुपये था, वहीं वर्ष २०२५-२६ में यह बढ़कर ६,९२५ करोड़ रुपये हो गया है- जो २२ गुना से अधिक वृद्धि दर्शाता है।

नया रेल लाइनों का कमीशनिंग भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा है। वर्ष २००९-१४ के दौरान केवल ३२ किमी (औसत ६.४ किमी/वर्ष) रेल लाइनें कमीशन की गई थीं, जबकि वर्ष २०१४-२५ के दौरान १,१८९ किमी (औसत १०८.१ किमी/वर्ष) रेल लाइनें कमीशन की गईं-जो १५ गुना से अधिक वृद्धि है। ०१ अप्रैल २०२५ की स्थिति के अनुसार, छत्तीसगढ़ राज्य में आंशिक या पूर्ण रूप से स्थित कुल २६ रेल परियोजनाएँ (०६ नई लाइनें और २० दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग परियोजनाएँ) १,९३१ किमी लंबाई एवं ३१,६१९ करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से स्वीकृत की गई हैं। इनमें से १,०२३ किमी लंबाई का कमीशनिंग पूर्ण किया जा चुका है तथा मार्च २०२५ तक १६,३२५ करोड़ रुपये का व्यय किया गया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में अंबिकापुर क्षेत्र सहित पिछले तीन वर्षों तथा चालू वित्त वर्ष (२०२२-२३, २०२३-२४, २०२४-२५ एवं २०२५-२६) में कुल २६ सर्वेक्षणों को, कुल ३,९०१ किमी लंबाई को कवर करते हुए, स्वीकृति प्रदान की गई है।

वैष्णव ने स्पष्ट किया कि किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति यातायात पूर्वानुमान, लाभप्रदता, पहली-अंतिम मील कनेक्टिविटी, अपूर्ण कड़ियों को जोड़ना, मार्ग विस्तार, राज्य सरकारों एवं जनप्रतिनिधियों की माँगें, रेलवे की परिचालन आवश्यकताएँ तथा सामाजिक-आर्थिक महत्व जैसे मानदंडों पर आधारित होती है। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के पूर्ण होने का समय भूमि अधिग्रहण, वन स्वीकृति, जनोपयोगी सुविधाओं के स्थानांतरण, सांविधिक अनुमतियाँ, स्थानीय स्थलाकृति, कानून-व्यवस्था तथा मौसम आधारित कार्य-दिवस जैसे कारकों से प्रभावित होता है।

सरकार ने आश्वस्त किया है कि अंबिकापुर क्षेत्र से संबंधित सभी महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं को प्राथमिकता के साथ क्रियान्वित किया जा रहा है एवं इनके त्वरित कार्यान्वयन हेतु निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर संसद पहुंचे इमरान, सरकार को घेरा

नई दिल्ली,(ईएमएस): कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद इमरान मसूद बुधवार को संसद परिसर में ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर पहुंचे और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के एक अखबार में लिखे लेख का समर्थन किया। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को लेकर बेहद गंभीर इमरान ने चेतावनी दी कि स्थिति और भयावह होने वाली है। इमरान मसूद ने कहा सोनिया गांधी ने सही मुद्दा उठाया है कि अरावली को खत्म करने की साजिश चल रही है। अगर अरावली खत्म हुई तो दिल्ली में प्रदूषण का कहर बरपेगा। आने वाले दिनों में दिल्ली वासियों को ऑक्सीजन मास्क लगाकर चलना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि मैंने यह ऑक्सीजन सिलेंडर अपनी गाड़ी में रख लिया है। कल रात मुझे सांस लेने में तकलीफ हुई थी। हम सहारनपुर के लोग साफ हवा के आदी हैं, दिल्ली आते ही सांस लेने में दिक्कत होती है। इमरान ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस बयान पर कड़ा ऐतराज जताया जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस ने कभी सरदार पटेल को भारत रत्न नहीं दिया।

आरपीएफ जवान की गोली मारकर हत्या

रायगढ़(ईएमएस): मप्र के रीवा जिले के रहने वाले आरपीएफ के हेड कॉन्स्टेबल की छत्तीसगढ़ में गोली मारकर हत्या कर दी गई्। रायगढ़ में आरपीएफ पोस्ट के भीतर ड्यूटी के दौरान हुए विवाद में एक आरपीएफ जवान ने अपने ही हेड कॉन्स्टेबल पीके मिश्रा पर गोली चला दी।

उनकी मौके पर ही मौत हो गई्। जानकारी के अनुसार, गोली चलाने वाला हेड कॉन्स्टेबल एस. लादेर जांजगीर-चांपा के भाटापारा का रहने वाला है। बताया गया कि दोनों बैचमेट थे और उनकी ड्यूटी रात में लगी थी। सुबह करीब ४ बजे किसी बात को लेकर विवाद हुआ और एस लादेर ने पीके मिश्रा के सिर पर चार राउंड फायर कर दिए, जिससे उनकी मौत हो गई्।

झारखण्ड सरकार
कारा निरीक्षणालय
मंडल कारा, जामताड़ा

अति अल्पकालीन ई०-निविदा सूचना
अधीक्षक, मंडल कारा, जामताड़ा का कार्यालय।
दूरभाष-06433-222386, फैक्स-06433-222386
e-mail-jmtjail@gmail.com, dj-jamtara@jharkhandmail.gov.in

1	कारा का नाम	मंडल कारा, जामताड़ा
2	विषय	महानिरीक्षक, कारा एवं सुधारात्मक सेवाएँ, झारखण्ड राँची के पत्रांक- 2226, दिनांक-24.09.2025 के अनुपालन में इस कारा में संसीमति बंदियों के भोजन सामग्री में संशोधन के उपरान्त विभिन्न प्रकार के अतिरिक्त सामग्री के क्रय/आपूर्ति के निमित अति अल्पकालीन ई0निविदा का आमंत्रण दिनांक-01.10.2025 से 31.03.2026
3	अति अल्पकालीन ई0 निविदा प्रपत्र का मूल्य (Non Refundable) Online स्वीकार की जायेगी।	रू0 5000.00 (पाँच हजार मात्र)
4	वेबसाईट पर अल्कालीन ई0 निविदा प्रपत्र के उपलब्ध की तिथि एवं समय	दिनांक-10.12.2025 से 16.12.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक।
5	अति अल्पकालीन ई0 निविदा Online upload करने की तिथि	दिनांक-10.12.2025 से 16.12.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक।
6	आपूर्ति हेतु खाद्य सामग्रीयों का नमूना (Sample) जमा करने की तिथि	दिनांक-17.12.2025 से 18.12.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
7	अग्रधन राशि (EMD) (रू0 2500/ से अधिक होने पर) जमा करने की तिथि	दिनांक-17.12.2025 से 18.12.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
8	ई0 निविदा खुलने की तिथि/समय/स्थान	दिनांक-19.12.2025 को 03:30 बजे अपराह्न अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में उपायुक्त/अपर समाहर्त्ता के उपस्थिति में।

नोट- 1. उपरोक्त संबंधित अति अल्पकालीन ई0 निविदा झारखण्ड सरकार की वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in पर केवल e-Tender के माध्यम से प्राप्त/स्वीकृत की जायेगी।
2. अति अल्पकालीन ई0 निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online ही स्वीकार की जायेगी।
3. अतिरिक्त सूचना प्राप्ति हेतु अधीक्षक, मंडल कारा, जामताड़ा के कार्यालय में कार्यालय अवधि में सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। e-Tender dks online upload करने से संबंधित जानकारी के लिए NIC Helpline No. 9430342752 से सम्पर्क किया जा सकता है।

अधीक्षक,
मंडल कारा, जामताड़ा।
PR 367563 (Prison) 25-26 (D)

झारखण्ड सरकार
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

ई-प्रोक्योरमेन्ट सूचना (प्रथम आमंत्रण)
ई-निविदा सूचना संख्या - (धनबाद) 11/2025-26
तिथि – 02-12-2025 (शुद्धि पत्र)

इस कार्यालय द्वारा विज्ञापित ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना संख्या-11/2025-26 के सभी ग्रुप (PR No-366233 Drinking Water and Sanitation(25-26):D में Tender Fee Exemption Allowed No के जगह Yes पढ़ा जाय।
नोट :- अन्य सभी जानकारी तथा शर्तें पूर्ववत रहेंगें।

(मयंक कुमार भगत)
कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वचछता यांत्रिक प्रमंडल, धनबाद
PR 367619 (Drinking Water and Sanitation)25-26*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल सं.1, धनबाद

प्रेस विज्ञप्ति
आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 04.12.2025 को JnNURM धनबाद शहरी जलापूर्ति योजना के अन्तर्गत तेतुलमारी एवं राजगंज रोड़ मे 1000 MM dia का पाईप लाईन बदलने का कार्य किया जायेगा, जिस कारण जलापूर्ति बाधित रहेगी।

उपरोक्त कारण से आम नागरिको को होनेवाली पेयजल की असुविधा के लिए खेद है।

कार्यपालक अभियन्ता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल सं.1, धनबाद
PR 367625 Drinking Water and Sanitation(25-26)#D

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग (भू-अर्जन निदेशालय)
प्रपत्र XVII अधिनियम की धारा-93(1) के अंतर्गत अधिसूचना
समाहर्त्ता या समुचित सरकार
अर्जन की वापसी

भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (2013 का 30) की धारा-93(1) के तहत् प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए समुचित सरकार अर्जनाधीन भूमि के अर्जन को वापस लिया जाता है। अर्जित कुल भूमि रकबा-0.4500 एकड़ जो ग्राम-जरीडीह पचम्बा, थाना-गिरिडीह, थाना सं0-104 अंचल-गिरिडीह, जिला-गिरिडीह में अवस्थित है, जिसे अधिघोषणा सं0-754 दिनांक 09.06.2018 एवं गिरिडीह जिला के गजट में पृष्ठ सं0-16 तथा दो दैनिक समाचार पत्रों में दिनांक 16.06.2018 एवं दिनांक 16.06.2018 क्रमशः को प्रकाशित कर अधिग्रहित किया गया है, जिसकी विवरणी निम्नवत है :-

भूमि एवं सीमा का विवरण

क्रम सं.	खाता सं0	सर्वे प्लॉट सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्र (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं0) उ0	द0	पू0	प0
1		1510	निजी	कृषि	0.0060	सिंकदर शेख पिता स्व. जब्बार शेख वगैरह वो नजाम शेख वो ग्यास उदीन शेख वो ताज शेख पिता स्व. सुलेमान शेख	प्लॉट संख्या 1390, 1534, 1440, 1513, 510	प्लॉट संख्या 1390, 1534, 1440, 1513, 514	सीमाना बक्शीडीह	सीमाना सलैया
2		1512	निजी	कृषि	0.0800	सिंकदर शेख पिता स्व. जब्बार शेख वगैरह वो नजाम शेख वो ग्यास उदीन शेख वो ताज शेख पिता स्व. सुलेमान शेख				
3		1513/1	निजी	कृषि	0.0100	नुरैसा खातुन पति				
4		1513/2	निजी	कृषि	0.1100	ईस्माईल मलिक पिता स्व. सफायत मलीक वो मोबारक मलीक पिता स्व. इब्राहिम मलीक				
5		1513/3	निजी	कृषि	0.1500	प्रकाश साव पिता रामजी साव				
6		1513/4	निजी	कृषि	0.0270	मरीयम खातुन पति स्व. रउफ शेख				
7		1513/5	निजी	कृषि	0.0270	आशिक शेख पति स्व. इस्माइल शेख वो मनोवर शेख पिता स्व. मोफीत शेख				
8		1513/6	निजी	कृषि	0.0400	मन्नान शेख पिता स्व. खलील शेख				
कुल :-					0.4500					

दिनांक......................

जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, गिरिडीह। | अपर समाहर्त्ता, गिरिडीह। | उपायुक्त, गिरिडीह।

PR 367571 Land Reforms (25-26)D

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग
नियोजनालय, कुमारधुबी (धनबाद)

भर्ती-कैम्प सूचना

सूचित किया जाता है कि दिनांक- 05.12.2025 (शुक्रवार) को नियोजनालय कुमारधुबी परिसर में पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 4 बजे तक भर्ती कैम्प का आयोजन किया जाएगा। भर्ती कैम्प से सम्बंधित नियोजक द्वारा निर्धारित योग्यता एवं उम्र संबंधी अहर्ताएँ निम्नवर्णित है :-

Sl. No.	Name of the Organization	Name of The Post	Vacancy	Qualification	Experience	Age (Y)	Salary	Job Location
1	M/S K.K ENTERPRISE	Field Officer	10	Graduation Diploma	Fresher	18-30	10000 – 15000/-	Jharkhand
2	SILVER CONSUMER	Helper Machine Operator	100	10th/12th / ITI / Diploma	Fresher	18-35	18000 – 20000 + PF, BUS, ROOM, CANTEEN, UNIFORM	Rajkot
3	Rajray Securex Pvt. Ltd.	Security Guard	50	10TH Pass, (Height- 170 CM Weight- 58 KG)	NA	19-40	13000/ Month + FreeLodging + PF, ESI and Insurance.	Asansol

अतः योग्य एवं इच्छुक उम्मीदवार जो पूर्व से निबंधित नहीं है वे झारखण्ड के किसी भी नियोजनालय में अपना निबंधन कराते हुए उपर्युक्त भर्ती कैम्प में नियोजक के प्रतिनिधि के समक्ष अपने सभी मूल प्रमाण पत्रों एवं उसकी एक छाया प्रति, पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ, नियोजनालय का मूल वैद्य निबंधन कार्ड तथा अपना बायोडाटा के साथ निर्धारित तिथि दिनांक- 05.12.2025 को पूर्वाह्न 10:00 तक उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगें। पूर्व से नियोजनालय में निबंधित उम्मीदवारों को पुनः निबंधन कराने की आवश्यकता नहीं है। चूँकि नियोजक एवं रिक्ति निजी क्षेत्र की है अतः भर्त्ती सेवा शर्तों हेतु नियोजक स्वयं ही उत्तरदायी होंगें। चयन प्रक्रिया में नियोजनालय का किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं होंगा, नियोजनालय मात्र सुविधा प्रदात्ता की भूमिका में है।

इसके लिए किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

नियोजन पदाधिकारी
नियोजनालय, कुमारधुबी
PR 367613 Labour Employment and Traning(25-26)#D

बिहार विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगा : राज्यपाल

पटना (एजेंसी): बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने बुधवार को विधानसभा सेंट्रल हॉल में विधानसभा और विधान परिषद के सदस्यों को संयुक्त रूप से संबोधित करते हुए कहा कि पिछले २० वर्षों में बिहार के विकास के लिए काफी काम हुए हैं और अगले पांच सालों में विकास के और ज्यादा काम होंगे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बिहार न्याय के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है, जिसमें केंद्र सरकार का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है। शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन राज्यपाल ने दोनों सदनों को संबोधित करते हुए राज्य में विकास, उपलब्धियों और नई सरकार की प्राथमिकताओं को विस्तार से प्रस्तुत किया।

आरिफ मोहम्मद खान ने शिक्षा और बुनियादी ढांचे में किए गए ऐतिहासिक बदलावों पर जोर देते हुए कहा कि बिहार में तेजी से मेडिकल और इंजीनियरिंग शिक्षा का विस्तार हो रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य में नए २७ मेडिकल कॉलेजों का निर्माण किया जा रहा है और अब प्रत्येक जिले में इंजीनियरिंग की पढ़ाई उपलब्ध करा दी गई है, जिससे छात्रों को दूसरे राज्यों में पलायन की मजबूरी से राहत मिली है।

उन्होंने दावा किया कि आज अनेक राज्यों से छात्र बिहार में शिक्षा प्राप्त करने आ रहे हैं, जिससे बिहार शिक्षा केंद्र के रूप में उभर रहा है। राज्यपाल ने कहा कि बिहार सरकार ने युवाओं के रोजगार पर भी विशेष ध्यान दिया है। इसके तहत लगभग १० लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और ४० लाख युवाओं को रोजगार दिए जा चुके हैं। अगले ५ वर्ष में एक करोड़ युवाओं को नौकरी देने का लक्ष्य है, जिस पर अब तेजी से काम किया जाएगा, उस पर विशेष गति से काम शुरू हो चुका है।

आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि राज्य सरकार ने बिजली के घरेलू उपभोक्ताओं को १२५ यूनिट मुफ्त देने की घोषणा की है। सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को सरकार की पहचान बताते हुए कहा कि सरकार ने सभी क्षेत्रों का विकास किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने हिंदू, मुस्लिम, पिछड़ा, अति पिछड़ा और दलित, सभी वर्गों के लिए योजनाएं लागू की हैं।

राज्यपाल खान ने कहा कि छात्रवृत्तियों से लेकर सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन रोजगार योजना और अल्पसंख्यक कल्याण की पहलों तक समान रूप से पहुंचाई गई। तलाकशुदा महिलाओं को आर्थिक सहायता, मदरसों को सरकारी मान्यता और मदरसा शिक्षकों को सरकारी टीचरों जैसा वेतन सामाजिक सुरक्षा के मजबूत स्तंभ हैं। उन्होंने इस दौरान महिलाओं के सशक्तिकरण की चल रही योजनाओं और भविष्य की योजनाओं की भी चर्चा की।

अस्पताल बना जंग का मैदान

पटना (एजेंसी): पटना के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल पीएमसीएच में बुधवार की सुबह जूनियर डॉक्टरों की गुंडागर्दी का मामला सामने आया। ब्रेन हेमरेज से एक वृद्ध मरीज की मौत के बाद मृतक के परिजनों और जूनियर डॉक्टरों के बीच बहस शुरू हुई। ये बहस देखते ही देखते मारपीट में बदल गई. परिजनों ने आरोप लगाया है कि जूनियर डॉक्टरों ने उनके साथ जमकर मारपीट की और कुछ देर के लिए बंधक भी बना लिया. घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया.

सूचना मिलते ही पीरबहोर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित पक्ष को अपने साथ थाना ले गई, जहां लिखित शिकायत दर्ज कराई जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है. पीड़ित परिजन अमन सिंह ने बताया कि उनके पिता को ब्रेन हेमरेज होने के बाद तीन दिन पहले पीएमसीएच में भर्ती कराया गया था. बुधवार सुबह मरीज की स्थिति गंभीर हो गई, जिसके बाद एउन्ह किया गया. अमन के अनुसार, उनकी बहन ने डॉक्टर से कहा कि रिपोर्ट को एक बार फिर से चेक कर लें.

नरेंद्र नारायण यादव होंगे बिहार विस के उपाध्यक्ष

पटना (एजेंसी): बिहार विधानसभा के डिप्टी स्पीकर का चयन करीब-करीब हो ही गया है। सीएम नीतीश कुमार के करीबी नेता नरेंद्र नारायण यादव होंगे डिप्टी स्पीकर. हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि नरेंद्र नारायण यादव का ही केवल नामांकन इस पद के लिए हुआ है. ३ दिसंबर, २०२५ दिन बुधवार को नामांकन का वक्त १२ बजे तक था. नामांकन की अंतिम तिथि और समय पहले भी नरेंद्र नारायण यादव का एकमात्र नामांकन हुआ था. इस लिहाजा से उनका बिहार विधानसभा का डिप्टी स्पीकर बनना तय है और ४ दिसंबर को इसका औपचारिक ऐलान किया जाएगा।

नरेंद्र नारायण यादव ने मधेपुरा जिले की आलमनगर विधानसभा सीट चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं. उन्होंने वीआईपी के उम्मीदवार नवीन कुमार को हराया था. जदयू प्रत्याशी ने वीआईपी के उम्मीदवार को करीब ५५ हजार वोटों से मात दी है. नरेंद्र नारायण यादव ने आलमनगर से लगातार ८वीं बार जीत दर्ज की है. वहीं, नरेंद्र नारायण यादव को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का करीबी माना जाता है.

साल १९९५ में नरेंद्र नारायण यादव पहली बार विधायक बने थे. वह जदयू के बड़े और वरिष्ठ नेताओं में से एक हैं. नरेंद्र नारायण यादव ने साल १९९५ से आलमनगर विधानसभा क्षेत्र से लगातार चुनाव जीत जीत रहे हैं. इससे पहले वह बिहार सरकार में कानून और लघु जल संसाधन मंत्री भी रह चुके हैं. वहीं, साल २०२४ में फरवरी के महीने बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष बने थे. बिहार विधानसभा चुनाव के बाद २४ नवंबर, २०२५ को नरेंद्र नारायण यादव को प्रोटम स्पीकर नियुक्त किया गया था. उन्होंने ही निर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाया था.

बता दें कि बिहार विधानसभा का अध्यक्ष बीजेपी विधायक प्रेम कुमार को २ दिसंबर, २०२५ को चुना गया. वह निर्विरोध विधानसभा का स्पीकर चुने गए. वहीं, अब डिप्टी स्पीकर भी निर्विरोध चुने जाने की पूरी संभावना है.

स्कूटी से स्कूल जा रही शिक्षिका को बदमाशों ने गोली मार दी

अररिया (ईएमएस): बिहार के अररिया जिले में स्कूटी से स्कूल जा रही एक शिक्षिका को बाइक सवार दो बदमाशों ने कनपटी में सटाकर गोली मार दी। इस गोलीकांड में शिक्षिका की मौके पर ही मौत हो गई। घटना बुधवार की सुबह जिले के खाबदह कन्हैली की है। मृतक शिक्षिका शिवानी कुमारी (२८ वर्ष) मध्य विद्यालय खाबदह कन्हैली में पदस्थापित थी। मूल रूप से उत्तर प्रदेश निवासी शिवानी कुमारी रोज की तरह फारबिसगंज स्थित डेरा से अपनी स्कूटी से स्कूल जा रही थीं। स्कूल से सौ मीटर पहले शिवमंदिर के समीप बाइक पर सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने शिक्षिका की स्कूटी के करीब जाकर उनकी कनपटी में गोली मार दी। गोली लगते ही वे सड़क पर गिर गईं।

घटना की सूचना के बाद ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। इसके बाद ग्रामीण शिक्षिका को एक कार में सदर अस्पताल अररिया लेकर पहुंचे। जहां प्राथमिक जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि वे अपने खेत में गेंहू की बुआई कर रहे थे। तभी कुछ लोगों को स्कूल की ओर भागते देखा। वो भी दौड़ कर वहां पहुंचे। शिवानी मैडम खून से लथपथ सड़क पर पड़ी थीं। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार दो नकाबपोश बदमाश अपाचे बाइक पर आए थे। वे शिक्षिका को नजदीक से गोली मारकर फरार हो गए। मृतका शिवानी कुमारी करीब दो साल से इस स्कूल में शिक्षिका के रूप में पदस्थापित थीं। वे उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले की रहने वाली थी और फारबिसगंज में किराए के मकान में रहकर नरपतगंज में स्कूटी से आया-जाया करती थीं। घटना की सूचना के बाद एसपी अंजनी कुमार, फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साह,नरपतगंज थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की पड़ताल में जुट गए हैं। अपराधी चाहे जो भी हो बक्शे नहीं जाएंगे। जल्द ही अपराधियों को चिन्हित गिरफ्तार किया जाएगा।

एसआईआर: 45 मतदाता, सत्यापन के बाद बचे मात्र 3 वोटर

उन्नाव,(ईएमएस): उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जिले में यह मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया। कमलेश कुमार, आशीष और माधुरी देवी, जो अपने दो नाबालिग बच्चियों के साथ रहते हैं। इन तीनों ने अपना एसआईआर फॉर्म भरकर जमा कर दिया था। बाकी ४२ लोगों का नाम, जो उसी पते पर दर्ज हैं, कौन हैं और कहां रहते हैं, यह अब तक स्पष्ट नहीं है। सदर तहसील के पूरन नगर मोहल्ला के ५७ नंबर घर के पते पर वोटर लिस्ट में ४५ लोगों के नाम दर्ज थे। जब क्षेत्र के बीएलओ राजीव त्रिपाठी निर्वाचन निर्वाचक नामावली २०२५ की वोटर लिस्ट लेकर एसआईआर वोटर सत्यापन के लिए गए, तो उन्होंने पाया कि इस घर में केवल तीन लोग मौजूद हैं। एडीएम सुशील कुमार गौड़ ने कहा कि यह मामला निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता और वोटर लिस्ट की सटीकता पर सवाल खड़ा करता है। प्रशासन इस मामले को गंभीरता से ले रहा है और पूरी तरह जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई करेगा।

बिहार में हर तरफ कहर बरपा रहा है बुलडोजर

पटना (एजेंसी): बिहार में नई सरकार बनने के साथ ही चारों तरफ बुलडोजर या जेसीबी का एक्शन देखा जा रहा है। हर शहर, तहसील या फिर कस्बे में बुलडोजर अतिक्रमण पर कहर बरपा रहा है। बुलडोजर एक्शन को लेकर लोग बिहार में नई सरकार की तुलना उत्तर प्रदेश की योगी सरकार से करने लगे हैं। आज के दौर की सियासत में बुलडोजर या फिर जेसीबी एक सिंबल के रूप में उभरा है. सत्तापक्ष जहां इस कार्रवाई का बचाव कर रहा है, वहीं विरोधी दल इसके खिलाफ आवाज उठा रहे हैं. आज हम जानेंगे कि आखिर इस बुलडोजर का आविष्कार किसने किया था और उसका उद्देश्य क्या था.

१९२३ में जेम्स कुर्मिन्स और जे अर्ल मैकलेयोड ने अमेरिका के कंसास शहर में बुलडोजर का डिजाइन तैयार किया था. दरअसल, उस समय वहां खेती की जमीनें इतनी उबड़खाबड़ होती थीं कि किसानी करना मुश्किल होता था. १८ दिसंबर, १९२३ को दुनिया का पहला बुलडोजर अस्तित्व में आया था. इन दोनों ने बुलडोजर का पेटेंट भी हासिल कर लिया था, जिसका नंबर था: १,५२२,३७८. तब बुलडोजर ट्रैक्टर जैसे दिखते थे. उस समय ड्राइवर के लिए केबिन नहीं होता था. उस समय इन्हें बुलडोजर नहीं, बल्कि बुल ग्रेडर्स कहा जाता था. बाद में इसमें हाइड्रोलिक सिलिंडर्स फीचर्स भी जोड़े गए थे.

समय के साथ बुलडोजर और हेवी और ताकतवर होते चले गए. दुनिया की कई बड़ी कंपनियां इसके निर्माण में जुट गईं. इनके काम के तरीकों में भी बदलाव होने लगा. जैसा काम, वैसा ही बुलडोजर. बाद में बुलडोजर आटोमेशन की ओर बढ़ता चला गया. आज के समय के बुलडोजर में तो कई तरह की नई तकनीक जुड़ गए हैं, जिनमें जीपीएस भी एक है. १९४६-४७ में ब्रिटेन में भारी बर्फबारी हुई थी, तब बड़े बड़े टायरों वाले बुलडोजर की मदद से इन्हें हटाया गया था.

उसके बाद बुलडोजर निर्माताओं को लगा कि इससे तो कई तरह के काम लिए जा सकते हैं. उसके बाद अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई के लिए भी बुलडोजर का इस्तेमाल किया जाने लगा. आजकल दुनिया भर में कैटरपिलर, कोमात्सु, लिभर, केस और जॉन डीरे जैसी बड़ी कंपनियां बुलडोजर का निर्माण करती हैं. इस तरह आप देख सकते हैं कि खेती किसानी को आसान करने के लिए बनाया गया बुलडोजर सिविल और कंस्ट्रक्शन के कामों में ज्यादा यूज किए जाने लगे. यहां तक कि दुनिया भर की सेनाएं भी बुलडोजर का बखूबी इस्तेमाल करती हैं.

प्राइस की बात करें तो भारत में यह १० लाख रुपये के शुरुआती कीमत है. हालांकि ज्यादातर बुलडोजर दूसरे देशों से मंगाने पड़ते हैं. टाटा या कई अन्य कंपनियां विदेशी तकनीक का इस्तेमाल कर देश में ही तैयार करती है. भारत में बुलडोजर ५० लाख या फिर इससे अधिक की कीमतों में भी उपलब्ध है.

प्रेमी की शादी में पहुंची प्रेमिका, मचा हंगामा

सहारनपुर,(ईएमएस): यूपी में सहारनपुर के खटकाहेड़ी गांव में प्रेमी की शादी की खबर मिलते ही उसकी पूर्व प्रेमिका पूनम वहां पहुंच गई जिसके बाद वहां हंगामा मच गया। पूनम का आरोप है कि सुनील से उसका सालों पुराना प्रेम-संबंध है और इसी संबंध में गंगोह थाने में मुकदमा दर्ज है। जैसे ही पूनम मंडप में पहुंची और दुल्हन व परिजनों को सच्चाई बताई माहौल तनावपूर्ण हो गया और शादी की रस्में थम गईं। इस दौरान किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने ले गई। जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला ३० नवंबर का बताया जा रहा है लेकिन हंगामा यहीं नहीं थमा पीड़िता का आरोप है कि सच सामने आते ही सुनील और बारात में मौजूद लोगों ने उस पर हमला कर दिया। भीड़ ने पूनम को पीटा जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और उसके कपड़े भी फाड़ दिए। पूनम का कहना है कि हमला जान लेने की नीयत से किया गया था।

इसी दौरान समाजसेवी सोनू शर्मा बीच बचाव करने पहुंचीं तो उन पर भी हमला किया गया। सोनू की जेब से रखे १६ हजार रुपए लूट लिए और मोबाइल छीन लिया। पीड़िता का आरोप है कि सुनील ने डॉ. अनुज, अंकित और मुकेश को फोन कर बुलाया और उनके इशारे पर हमला किया गया। रामपुर मनिहारान थाने में पूनम की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पूनम और सोनू शर्मा का मेडिकल कराया गया।

सुपरस्टार के बुरे दिन, वो शादियों में गा रहे हैं गाना

पटना (एजेंसी): याद कीजिए, ९० का दशक और फिल्म आशिकी के गाने. शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जो आशिकी फिल्म के गानों को न गुनगुनाया होगा. आज भी कहीं ये गाना बजने लगते हैं तो लोग बड़े ही चाव से सुनते हैं, लेकिन उस फिल्म के सुपरस्टार आज शादियों और पार्टियों में गाना गाने लगे हैं. जी हां, हम बात कर रहे हैं आशिकी फिल्म के हीरो राहुल रॉय की. वीडियो देखकर एकबारगी तो लोगों को यकीन ही नहीं हो रहा है राहुल रॉय जैसा सुपरस्टार शादियों में गाना गाने लगे. इस क्लिप के वायरल होते ही फैंस हैरान और परेशान होकर अपना कमेंट साझा कर रहे हैं. फिल्म आशिकी १९९० में आई थी, जिसका निर्देशन महेश भट्ट ने किया था और गुलशन कुमार की सुपर कैसेट्स इंडस्ट्रीज ने इसे प्रोड्यूस किया था. फिल्म में राहुल रॉय और अनु अग्रवाल लीड रोल में थे. यह फिल्म अपनी कहानी के लिए कम और संगीत के लिए ज्यादा जानी जाती है. संगीतकार नदीम-श्रवण की धुनों को कुमार सानू ने अपनी आवाज दी थी. फिल्म में राहुल रॉय और अनु अग्रवाल के अलावा दीपक तिजोरी, अवतार गिल, टॉम अल्टर और रीमा लागू मुख्य भूमिका में हैं.

३६वें फिल्म फेयर पुरस्कारों में से इस फिल्म की ओर से नदीम-श्रवण ने सर्वश्रेष्ठ संगीतकार, नजर के सामने... गाने के लिए समीर को सर्वश्रेष्ठ गीतकार, अब तेरे बिन... गाने के लिए कुमार सानू को सर्वश्रेष्ठ प्लेबैक सिंगर और नजर के सामने... गाने के लिए अनुराधा पौडवाल को सर्वश्रेष्ठ महिला प्लेबैक सिंगर का अवार्ड दिया गया था. खास बात यह रही थी कि सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए राहुल रॉय और अनु अग्रवाल को नामित भी नहीं किया गया था.उसके बाद राहुल रॉय की कुछ फिल्में आईं, लेकिन वे कभी लाइमलाइट में नहीं आ पाए. आशिकी के बाद उन्होंने जुनून, सपने साजन के, जानम, प्यार का साया, फिर तेरी कहानी याद आई, आगरा, एलएसी और सयोनी में काम किया था. फिल्मों के अलावा राहुल रॉय २००६ का बिग बॉस जीत चुके हैं. अभी उनका एक वीडियो बहुत वायरल हो रहा है, जिसमें वे एक शादी समारोह में स्टेज पर आशिकी फिल्म का गाना गाते नजर आ रहे हैं. उनके हाथ में गिटार हैं और वे लिप सिंक करते देखे जा सकते हैं.

इस वीडियो के वायरल होते ही उनकी आर्थिक स्थिति को लेकर फैंस चिंता जताने लगे. कुछ फैंस का मानना था कि शायद उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है, तो दूसरी ओर कुछ का कहना था कि बड़े बड़े सितारे भी शादियों में परफॉर्म करते हैं. इसलिए राहुल रॉय को इस वीडियो से जज नहीं करना चाहिए. वीडियो बिहार का बताया जा रहा है, जहां राहुल रॉय मैथ टीचर आरके श्रीवास्तव की भतीजी की शादी में आए थे. बता दें कि २०२० के कोरोना काल में राहुल रॉय लद्दाख में ब्रेन स्ट्रोक हुआ था और उनकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई थी.

महिला की मौत पर गुस्साए लोगों ने सड़क की जाम, फंसे सपा प्रमुख अखिलेश

आजमगढ़,(ईएमएस): यूपी के आजमगढ़ में रोडवेज बस की चपेट में आने से महिला लालमुन्नी की मौत हो गई। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने आजमगढ़-मऊ मुख्य मार्ग पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। इसी दौरान घोसी जा रहे सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी जाम में फंस गए। उन्होंने तत्काल पीड़ित परिवार को एक लाख की सहायता राशि दी और मुआवजे के लिए अधिकारियों से बात की, जिसके बाद जाम खोला गया।

जानकारी के मुताबिक लालमुन्नी (५०) पत्नी जोखन की आजमगढ़-मऊ मुख्य मार्ग पर रोडवेज बस की चपेट में आने से मौके पर मौत हो गई। महिला की मौत से दुखी परिजनों और ग्रामीण आक्रोशित हो गए और शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। उधर, घोसी जा रहे सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी एक किलोमीटर लंबे जाम में फंस गए। उन्होंने जैसे ही इस घटना की जानकारी ली उन्होंने तुरंत मृतका के पति जोखन राम से मुलाकात की और उसे एक लाख का लिफाफा भेंट किया। इसके साथ ही अखिलेश ने जिलाधिकारी से फोन पर बात की और मुआवजे का आश्वासन दिलवाया। उन्होंने परिवार से कहा कि ड्राइवर से समझौता न करें। पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए अखिलेश ने कहा कि डीएम साहब पांच लाख देंगे। २ लाख हम दे देंगे, बाकी सरकार मदद करेगी। उन्होंने हाइवे पर जाम लगाए लोगों से कहा कि पुलिस ने उन्हें इधर आने से रोका, लेकिन फिर भी वह मदद के लिए आए। उन्होंने घोसी सांसद राजीव राय को निर्देश दिया कि बुधवार को क्षेत्रीय सपा विधायक भी परिवार से मिलकर एक लाख का चेक प्रदान करें। प्रशासनिक अधिकारियों के समझाने के बाद करीब एक घंटे में बाद जाम खत्म किया गया।

सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत

करनाल(ईएमएस): हरियाणा में करनाल के घरौंडा में बुधवार को नेशनल हाईवे-४४ पर एक बड़ा हादसा हो गया। इसमें रॉन्ग साइड से आए एक बेकाबू ट्रक ने ३ वाहनों को टक्कर मार दी। यह ट्रक बस से टकराकर कार और बाइक को कुचलता हुआ पलट गया। हादसे में ४ लोगों की मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्च्युरी हाउस भेज दिया है।

देवव्रत ने 50 दिनों में 2 हजार मंत्रों का दंडक्रम पारायण पूरा किया

वाराणसी,(ईएमएस) : इन दिनों काशी नगरी वैदिक संस्कृति की ऐतिहासिक उपलब्धि की साक्षी बन रही है। दरअसल महाराष्ट्र के १९ वर्षीय वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे को शुक्ल यजुर्वेद के करीब २००० मंत्रों के दंडक्रम पारायण को मात्र ५० दिनों में पूर्ण करने के लिए विशेष सम्मान प्रदान किया गया। इस उपलब्धि पर पीएम मोदी ने उनकी प्रशंसा की है। वैदिक परंपरा के विद्वानों के अनुसार, दंडक्रम जैसे अत्यंत कठिन वैदिक पाठ को अपनी शुद्धता और पारंपरिक शैली में पूरा करने का यह गौरव करीब २०० वर्षों बाद किसी साधक को प्राप्त हुआ है।

जानकारी अनुसार देवव्रत के सम्मान में काशी में अद्वितीय शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा रथयात्रा क्रॉसिंग से महमूरगंज तक निकाली गई। ५०० से अधिक वैदिक छात्रों ने वेदघोष, शंखध्वनि और वाद्ययंत्रों के साथ आध्यात्मिक वातावरण को दिव्यता से भर दिया। शहर भर में लोगों ने फूलों की वर्षा कर युवा विद्वान का स्वागत किया। श्रृंगेरी शारदा पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य श्री श्री भारती तीर्थ महास्विामी का विशेष संदेश भी समारोह में पढ़ा गया।

विद्वानों के अनुसार, दंडक्रम वैदिक पाठ का सबसे कठिन और सर्वोच्च रूप माना जाता है। इसमें जटिल स्वर विन्यास और सूक्ष्म ध्वन्यात्मक क्रम होते हैं। ज्ञात इतिहास में इस तरह का पारायण सिर्फ तीन बार पूर्ण हुआ है।

देवव्रत का पाठ त्रुटिहीन माना गया और यह अब तक का सबसे कम समय में पूरा किया गया दंडक्रम पारायण है। यह पाठ वल्लभाराम शालिग्राम सांवेद विद्यालय में २ अक्टूबर से ३० नवंबर तक सम्पन्न हुआ। संतों, वेदाचार्यों और गणमान्य नागरिकों ने देवव्रत और उनके गुरु वेदब्रह्ममूर्ति महेश चंद्रकांत रेखे की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर देवव्रत की उपलब्धि को युगांतकारी बताया। उन्होंने एक पोस्ट करते हुए कहा, १९ साल के वेदमूर्ति देवव्रत रेखे ने जो साधना की है, उसे आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी। भारतीय संस्कृति से प्रेम करने वाला हर व्यक्ति गर्व महसूस कर रहा है। उन्होंने शुक्ल यजुर्वेद की माध्यंदिनी शाखा के २००० मंत्रों वाले दंडक्रम पारायण को बिना किसी गलती और बिना रुके ५० दिनों में पूरा किया।

यह हमारी गुरु-शिष्य परंपरा की श्रेष्ठतम मिसाल है। काशी से सांसद होने के नाते मुझे खुशी है कि यह अद्भुत कार्य इस पवित्र नगरी में हुआ। पीएम ने देवव्रत के परिवार, उनके गुरुजनों, संत समाज और सभी सहयोगियों को भी प्रणाम किया।

राजनाथ सिंह अब व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी के छात्र बन चुके हैं : कांग्रेस प्रवक्ता

लखनऊ,(ईएमएस): केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और बाबरी मस्जिद पर दिए बयान के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने रक्षा मंत्री सिंह पर तंज कसा और राजनाथ के दावे को व्हाट्सएप पाठशाला का ज्ञान बताया। दरअसल, रक्षा मंत्री सिंह ने बयान में दावा किया था कि नेहरू बाबरी मस्जिद के लिए पब्लिक फंड का इस्तेमाल चाहते थे। इस पर कांग्रेस प्रवक्ता राजपूत ने कहा, पहले राजनाथ सिंह किताबें पढ़ते थे, लेकिन अब मुझे लगता है कि वह व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी के छात्र बन चुके हैं।

बाबरी मस्जिद पहले से ही वहां थी, तब वहां लाने की बात करके कौन बेवकूफी कर रहा है? सीजेआई सूर्यकांत के घुसपैठियों पर दिए बयान पर राजपूत ने कहा, घुसपैठियों का रेड कार्पेट वेलकम करना भूल ही जाइए, उन्हें या जेल में होना चाहिए या उनके अपने देश वापस भेज देना चाहिए। घुसपैठियों को किसी भी हालत में भारत में रहने की इजाजत नहीं होनी चाहिए। इस पर कोई दो राय नहीं हो सकती। सीजेआई सूर्यकांत को पीएम मोदी और अमित शाह से जरूर पूछना चाहिए कि उन्होंने बीते १० साल में कितने घुसपैठियों को वापस भेजा है।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद प्रमुख मौलाना महमूद मदनी के कांग्रेस पार्टी पर दिए बयान में उन्होंने कहा, हम मदनी को साफ बता देना चाहते हैं कि कांग्रेस पार्टी पूरे देश से जुड़े मुद्दे उठाती है। यह गरीबों, युवाओं, किसानों, दलितों और दूसरों के मुद्दे उठाती है। चाहे वह दलितों, मुसलमानों या समाज के किसी दूसरे तबके के साथ हो, चाहे वह महिलाओं या किसी दूसरे ग्रुप से जुड़ा हो। कांग्रेस हमेशा अन्याय के खिलाफ खड़ी है और गरीबों, पिछड़ों, दबे-कुचले लोगों और पीड़ितों का साथ देती है। हम अपने स्टैंड से पीछे नहीं हटते। जहां तक मदनी की बात है, तब वह हमारे लिए कोई खास मायने नहीं रखता।

तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी द्वारा हिंदू देवताओं की अधिक संख्या पर दिए बयान को लेकर राजपूत ने कहा, सनातन धर्म से साफ है कि हरि अनंत, हरि अनंता। हमारे ३३ करोड़ देवी-देवता हैं। सनातन धर्म समृद्ध है और किसी एक किताब पर आधारित नहीं है। कोई धर्म माने या न माने, सभी को सनातनी माना जाता है। रेवंत रेड्डी के बयान को आलोचनात्मक नजरिए से देखा जाना चाहिए।

झारखंड आंदोलनकारियों को मिला सम्मान 3000 से अधिक को दिया गया प्रमाण-पत्र

रांची (एजेंसी): मोरहाबादी स्थित आर्यभट्ट सभागार में झारखंड आंदोलनकारियों को प्रमाण-पत्र वितरण हेतु जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें तीन हजार से अधिक अधिसूचित आंदोलनकारियों को प्रमाण-पत्र दिए गए। यह समारोह गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखंड के निर्देश पर आयोजित किया गया। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री और वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने विशिष्ट आंदोलनकारियों को सांकेतिक रूप से प्रमाण-पत्र प्रदान कर राज्य सरकार की ओर से सम्मान और आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी राज्य निर्माण की आधारशिला हैं और उनके संघर्ष व योगदान को सदैव सम्मानपूर्वक याद किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन उनकी सामाजिक सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के संरक्षण के लिए निरंतर काम कर रहा है।

उपायुक्त ने यह भी कहा कि आंदोलनकारियों का संघर्ष ही झारखंड राज्य निर्माण का मूल आधार रहा है और वे भविष्य में भी जिला व राज्य के विकास में सकारात्मक भूमिका निभाते रहेंगे।

कार्यक्रम में अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) राजेश्वरनाथ आलोक, नजारत उपसमाहर्त्ता सुदेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे। रांची जिला प्रशासन ने इस आयोजन के माध्यम से स्पष्ट संदेश दिया कि आंदोलनकारियों का त्याग और संघर्ष राज्य सरकार के लिए सर्वोच्च सम्मान का विषय है और उनकी सुरक्षा व सुविधा सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता बनी रहेगी।

कल देवघर आएंगे जेपी नड्डा, अगले दिन भाजपा के भव्य कार्यालय का उद्घाटन करेंगे

रांची (एजेंसी): भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ५ दिसंबर की शाम देवघर आएंगे। जेपी नड्डा देवघर में बने भाजपा के भव्य कार्यालय का अगले दिन ६ दिसंबर को उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन समारोह में प्रदेश अध्यक्ष सह प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी, कार्यकारी अध्यक्ष प्रो आदित्य साहु, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा समेत दर्जनों विधायक और वरिष्ठ नेता उपस्थित रहेंगे। मालूम हो कि भाजपा ने संतालपरगना में संगठन की मजबूती के उद्देश्य से इस भव्य कार्यालय का निर्माण कराया है। कार्यालय के निर्माण से संतालपरगा के भाजपा नेताओं कार्यकर्ताओं को बैठकें और कार्यक्रम करने में सहुलियतें होंगी। इसके अलावा बाहर से देवघर में पूजा अर्चना के लिए आनेवाले भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को भी रहने का ठौर मिलेगा। भाजपा का यह भव्य कार्यालय देवघर के चितोलोढिया स्थित ठाड़ी में बना है।

हेमंत सोरेन देश के सबसे बड़े आदिवासी नेता स्थिर सरकार से भाजपा हताश : फुरकान अंसारी

रांची (एजेंसी): पूर्व सांसद फुरकान अंसारी ने आज झारखंड की मौजूदा सियासी हलचल पर जोरदार प्रहार करते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन न सिर्फ झारखंड बल्कि पूरे भारत के सबसे मज़बूत और बड़े आदिवासी नेता हैं। वे दिवंगत गुरुजी शिबू सोरेन के वह वारिस हैं, जिन्होंने संघर्ष और स्वाभिमान की राजनीति का नया इतिहास लिखा। उन्होंने कहा की आदिवासी समाज अपना हक़ लड़कर लेता है, भीख की जरुरत नहीं होती। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विपरीत परिस्थितियों में भी ऐतिहासिक वापसी कर दिखाया है और एक बार फिर झारखंड को स्थिर, संवेदनशील और जवाबदेह सरकार दी है। यही बात भाजपा को सबसे ज्यादा चुभती है, इसलिए वे लगातार अफवाह, भ्रम और सियासी शगूफे छोड़ती रहती है।

गुरुजी और हमने मिलकर झारखंड लिया था और झारखंड को झुकने नहीं देंगे पूर्व सांसद ने कहा कि झारखंड अलग राज्य बनने की लड़ाई में गुरुजी शिबू सोरेन और उन्होंने कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष किया।

हमारी सोच सिर्फ एक थी, झारखंड मजबूत बने, झारखंड का हक झारखंड को मिले। आज मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन उसी सपने को पूरा कर रहे हैं। बीच में बाधाएँ आती हैं, मगर वे बिना डर और बिना विचलन के राज्य के विकास में लगे हैं।

पूर्व सांसद फुरकान अंसारी ने कहा कि केंद्र सरकार ने झारखंड का वैध बकाया जानबूझकर रोक रखा है। यह आर्थिक अन्याय है। भाजपा सरकार प्रेशर पॉलिटिक्स का गंदा खेल खेल रही है, ताकि झारखंड की सरकार को बदनाम किया जा सके। लेकिन झारखंड ना झुका है, ना झुकेगा।

केंद्र ने झारखंड का हक रोका, लेकिन गुजरात-उत्तर प्रदेश में हजारों करोड़ के पैकेज बाँट रही - यह संघीय ढांचे पर हमला है। भाजपा को झारखंड के आदिवासी स्वाभिमान से डर लगता है। यही वजह है कि वे बार-बार हेमंत सोरेन को निशाना बनाते हैं। जनता ने स्थिर सरकार चुनी है, भाजपा जनता के जनादेश का अपमान कर रही है। अंत में पूर्व सांसद ने कहा की जिस झारखंड को संघर्ष कर के बनाया, उसे कुछ लोग तोड़ने का सपना देख रहे हैं। लेकिन याद रखिए, झारखंड की आत्मा आदिवासी स्वाभिमान है, और वह कभी किसी सत्ता के आगे नहीं झुकता।

जेएसएससी-सीजीएल कथित पेपर लीक मामले में हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच से इनकार किया, जनहित याचिका

रांची (एजेंसी): झारखंड हाईकोर्ट ने कथित जेएसएससी-सीजीएल पेपर लीक मामले में सीबीआई जांच की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर बड़ा फैसला सुनाते हुए याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि परीक्षा का परिणाम अब जारी किया जाएगा और अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया बाधारहित आगे बढ़ सकेगी। अदालत ने कहा कि १० अभ्यर्थियों को छोड़कर बाकी सभी उम्मीदवारों का रिजल्ट प्रकाशित किया जाएगा, जिससे हजारों नियुक्तियों का रास्ता साफ हो गया है।

गौरतलब है कि यह परीक्षा २१-२२ सितंबर २०२४ को आयोजित की गई थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि परीक्षा में अनियमितता और पेपर लीक जैसी गंभीर बातें सामने आई हैं, जिनकी जांच सीबीआई से कराई जानी चाहिए। हालांकि, पिछली सुनवाई में राज्य सरकार, जेएसएससी, वादियों और सफल अभ्यर्थियों की ओर से विस्तृत बहस के बाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

आज सुनाए गए फैसले में कोर्ट ने कहा कि परीक्षा परिणाम पर लगी रोक हटाई जाती है और जेएसएससी को तुरंत रिजल्ट जारी कर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया जाता है। हालांकि, उन दस अभ्यर्थियों के रिजल्ट पर रोक बरकरार रहेगी, जिन्होंने नेपाल में रहकर परीक्षा की तैयारी करने की बात सामने आई थी। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद झारखंड में जेएसएससी-सीजीएल के माध्यम से होने वाली बहुप्रतीक्षित हजारों नियुक्तियों का मार्ग पूरी तरह साफ हो गया है, जिससे अभ्यर्थियों में राहत और उत्साह का माहौल है।

72 घंटे के अंदर रिम्स परिसर से अतिक्रमण हटाएं : हाईकोर्ट

अगली सुनवाई 11 दिसंबर को

रांची (एजेंसी): झारखंड हाईकोर्ट ने रिम्स कैंपस की अव्यवस्थाओं पर कड़ा रुख अपनाया है और ७२ घंटे के भीतर पूरे परिसर से अतिक्रमण हटाने का सख्त आदेश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यदि निर्धारित समय पर कार्रवाई नहीं की गई, तो इसे कोर्ट की अवमानना माना जाएगा। जिसके बाद कोर्ट इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। मुख्य न्यायाधीश त्रिलोक सिंह चौहान की पीठ ने रिम्स (ठखचड) कैंपस में फैले अतिक्रमण को लेकर रिम्स प्रशासन पर कड़ी नाराज़गी ज़ाहिर की और कहा अस्पताल परिसर में हो रहा अतिक्रमण न केवल मरीजों और छात्रों के लिए बल्कि अस्पताल की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर प्रभाव डाल रहा है। कोर्ट ने जिला प्रशासन और पुलिस को सख्त निर्देश दिए हैं कि किसी भी बहाने या देरी को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि अगले आदेश तक रिम्स परिसर की सभी गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी और ७२ घंटों के बाद परिसर की स्थिति को कोर्ट के सामने पेश की जाएगी। अब इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख ११ दिसंबर को रखी गई है। वहीं रिम्स की ओर से अधिवक्ता अशोक कुमार ने पक्ष रखा।

वेणुगोपाल ने हेमंत सोरेन से की बात, कहा हमारा गठबंधन चट्टान की तरह, हम एकजुट

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दिल्ली दौरे के क्रम में उठे अफवाहों के बाद कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आज सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा है कि आज उनकी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बातचीत हुई। महागठबंधन को लेकर उठे विषयों पर बातचीत की। वेणुगोपाल ने लिखा है- इसमें कोई संदेह नहीं है, झारखंड में हमारा इंडिया गठबंधन अडिग, एकजुट और जन-केंद्रित कल्याणकारी नीतियों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है जो झारखंड के प्रत्येक नागरिक की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करती हैं।

वेणुगोपाल ने भाजपा की ओर इशारा करते हुए आगे लिखा है- दक्षिण पंथी ट्रोल नेटवर्क द्वारा फैलाए जा रहे दुर्भावनापूर्ण कथानक और सुनियोजित अफवाह फैलाने वाले बयान उनकी बढ़ती हताशा और राजनीतिक असुरक्षा के संकेत मात्र हैं। हम इस तरह की घटिया ट्रोलिंग से प्रभावित नहीं होते और वे जनता के उस विश्वास को कभी कम नहीं कर सकते जो उन्होंने हम पर जताया है। हमारी एकता अक्षुण्ण है, हमारा उद्देश्य स्पष्ट है और हमारा गठबंधन पहले से कहीं अधिक मजबूत है।

पृष्ठ एक का शेषांश

दंतेवाड़ा-बीजापुर की सीमा में---

क्योंकि क्षेत्र में अब भी रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है। अधिकारी हालात पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। अब तक १२ माओवादियों के शव बरामद कर लिए गए हैं और इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है।बीजापुर के पुलिस अधीक्षक डा. जितेन्द्र यादव ने बताया कि सुबह नौ बजे से डीआरजी दंतेवाड़ा-बीजापुर, एसटीएफ, कोबरा और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम क्षेत्र में ऑपरेशन चला रही थी। इसी दौरान सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच लगातार रुक-रुक कर फायरिंग हुई। उन्होंने बताया कि फोर्स की आक्रामक कार्रवाई जारी है। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने पुष्टि की कि मुठभेड़ स्थल से १२ माओवादी कैडरों के शव बरामद हुए हैं। मौके से एसएलआर, .३०३ राइफल सहित भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया है। मृत माओवादियों की पहचान की प्रक्रिया जारी है।

कानून इंसानियत से बड़ा---

को उन्हें यहीं से बांग्लादेश निर्वासिय किया गया था। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और संजय हेगड़े ने याचिकाकर्ता की तरफ से पेश होते हुए अदालत से कहा कि सुनाली के पति समेत अन्य लोग भी बांग्लादेश में फंसे हुए हैं, जिन्हें भारत लाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इसके लिए एसजी मेहता को केंद्र से इसके लिए आगे के निर्देश लेने चाहिए। हालांकि, सॉलिसिटर जनरल ने मेहता ने इस दावे का विरोध किया कि बांग्लादेश में फंसे सभी लोग भारतीय नागरिक हैं। उनका कहना था कि वे बांग्लादेशी नागरिक हैं और सिर्फ मानवीय आधार पर ही महिला और उसकी बेटी को भारत में प्रवेश दिया जा रहा है।

अब सभी दिव्यांग एक ही---

किया जाएगा, ताकि लोगों को निजी संस्थानों पर निर्भर न रहना पड़े। डॉक्टरों की सुरक्षा पर उन्होंने साफ कहा कि झारखंड में सभी डॉक्टर पूरी तरह सुरक्षित हैं और मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट कैबिनेट स्तर पर विचाराधीन है। मैं खुद डॉक्टर हूं, मेरे रहते किसी डॉक्टर को डरने की जरूरत नहीं, उन्होंने जोड़ा। सरकारी अस्पतालों के प्रति भरोसा बढ़ने का उल्लेख करते हुए मंत्री ने बताया कि डॉक्टरों के समय पर ओपीडी में बैठने से सेवाएं बेहतर हुई हैं। इसी का परिणाम है कि पिछले एक साल में जमशेदपुर सदर अस्पताल में एक लाख से अधिक मरीज पहुंचे। एमजीएम अस्पताल की पानी समस्या पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि ९ डीप बोरिंग होने के बाद भी संकट जारी है, लेकिन टाटा स्टील से बातचीत अंतिम चरण में है ताकि नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने आश्वासन दिया कि यह समस्या जल्द खत्म होगी।

मुख्यमंत्री को हाईकोर्ट से---

दायित्वों में व्यस्त थे, जबकि कुछ समन सही प्रक्रिया के तहत सर्व नहीं किए गए थे। समन की कथित अवहेलना को आधार बनाकर ट्रायल कोर्ट में मामला चल रहा था। इसी को लेकर यह याचिका दायर की गई थी, जिसमें नियमित फिजिकल अपीयरेंस से छूट की मांग की गई थी।

कलकत्ता हाईकोर्ट की---

आदेश में कहा गया है कि सीबीआई, जिसे हाईकोर्ट की ओर से मामले की जांच करने का निर्देश दिया गया था, ने शुरू में २६४ नियुक्तियों की पहचान की थी जिनमें अनियमितताएं हुई थीं, जिसके बाद अन्य ९६ शिक्षकों के नाम एजेंसी की जांच के दायरे में आए।

राज्यसभा में हलाल---

होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि मांस पर हलाल सर्टिफिकेशन केवल सरकारी निकाय द्वारा दिया जाए, न कि किसी धार्मिक संस्था द्वारा। उनका यह भी कहना था कि गैर-मांस खाद्य पदार्थों और गैर-खाद्य वस्तुओं पर हलाल सर्टिफिकेशन देने का कोई आधार नहीं है और इससे धर्मनिरपेक्षता और संविधान के सिद्धांतों का उल्लंघन होता है। सांसद ने कहा कि इस तरह के कदम से उपभोक्ताओं की स्वतंत्रता बाधित होती है और सामाजिक रूप से मतभेद बढ़ सकते हैं।

अमेरा ओपनकास्ट कोल---

किसानों ने ही मुआवजा लिया है। किसानों को अब तक न नौकरी मिली, न सभी को मुआवजा। ३ माह पहले अधिग्रहित जमीन पर बुलडोजर चलाया गया था, जिसके बाद ग्रामीण अपनी फसल और जमीन की रखवाली कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि बैठक कर निर्णय लिया है कि वे अपनी जमीनें नहीं देंगे। इसके बावजूद प्रशासन जमीन पर जबरदस्ती कब्जा दिलाने पर अड़ा है। इसके कारण यह तनाव की स्थिति बनी है। ग्रामीण लीलावती ने कहा कि हम अपने परसोढ़ी गांव की जमीन को कंपनी को नहीं देना चाहते हैं। कंपनी यहां कोयला निकालना चाहती है। उन्होंने कहा कि हम कहां जाएं। हमारे पूर्वज यहां रहे। अब हमारी बारी आई है तो हम अपनी जमीन बेच दें। मेरे बेटे और नाती भीख मांगें। कोयला खदान की वजह से हमारी जमीन जा रही है। हमारी जमीन हम उसे नहीं देना चाहते हैं।

मामले में पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने स्पष्ट कहा है कि यदि ग्रामीण चाहते हैं कि खदान न खुले तो नहीं खुलेगी। अजजा आयोग के पूर्व अध्यक्ष भानू प्रताप सिंह ने कहा कि भूमि अधिग्रहण नियमों के तहत कोई भी कंपनी ५ सालों तक अधिग्रहित भूमि पर काम नहीं करती है तो जमीनें भू स्वामियों को वापस कर दी जाएंगी।

जरूरतमंदों को राहत देने के लिए चौक-चौराहों से प्रखंडों तक अलाव जलाने के निर्देश

रांची (एजेंसी): बढ़ती ठंड और शीतलहर को देखते हुए रांची जिला प्रशासन ने पूरे जिले में अलाव की व्यापक व्यवस्था शुरू कर दी है।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर यह व्यवस्था खासकर जरूरतमंद, बेघर, दिहाड़ी मजदूर, रिक्शा चालकों, फुटपाथ पर सोने वालों और रात में ड्यूटी करने वाले लोगों को राहत देने के उद्देश्य से की गई है। जिला प्रशासन की ओर से रांची शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

वहीं जिले के सभी १८ प्रखंडों में प्रखंड मुख्यालयों, पंचायत भवनों, प्रमुख हाट-बाजारों और आबादी वाले इलाकों में भी कई स्थानों पर अलाव जलाए जा रहे हैं।

उपायुक्त ने संबंधित अंचल अधिकारियों और प्रखंड विकास पदाधिकारियों को पहले ही निर्देश जारी कर दिया था कि अलाव की व्यवस्था समय पर शुरू हो और लकड़ी, केरोसिन जैसी सामग्री की कोई कमी न रहे। उपायुक्त भजन्त्री ने कहा कि जिला प्रशासन की प्राथमिकता है कि ठंड से किसी भी नागरिक को परेशानी न हो। उन्होंने बताया कि सभी अधिकारियों को अलाव नियमित रूप से जलाने और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त अलाव की व्यवस्था तुरंत करने के निर्देश दिए गए हैं।

बहुचर्चित वन भूमि घोटाला मामले में आरोपी विनय चौबे की जमानत याचिका खारिज

हजारीबाग (एजेंसी): राज्य के चर्चित वन भूमि घोटाले में आरोपी हजारीबाग के पूर्व उपायुक्त विनय चौबे को बड़ी राहत नहीं मिल सकी। हजारीबाग निगरानी (एसीबी) की विशेष अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी है। दो दिन पहले पूरी हुई सुनवाई के बाद अदालत ने आदेश सुरक्षित रखा था, जिसे मंगलवार को जारी किया गया। इसकी पुष्टि विनय चौबे के अधिवक्ता शंकर बनर्जी ने की।

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय सह विशेष न्यायालय (निगरानी) की न्यायाधीश आशा देवी भट्ट की अदालत में यह सुनवाई हुई। अदालत ने अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष-दोनों की दलीलें सुनने के बाद ३ दिसंबर को आदेश के लिए तिथि तय की थी। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता शंकर बनर्जी ने पैरवी की। यह मामला निगरानी वाद संख्या ११/२५ से संबंधित है। एसीबी ने जांच के दौरान विनय चौबे को रिमांड पर लेकर पूछताछ भी की थी। उन पर हजारीबाग के उपायुक्त रहते वन भूमि घोटाले में शामिल रहने का आरोप है। उनकी ओर से १४ नवंबर २०२५ को जमानत याचिका दायर की गई थी। पहली सुनवाई १७ नवंबर को हुई, जिसमें अदालत ने अभियोजन से केस डायरी मांगी थी। केस डायरी उपलब्ध होने के बाद दोनों पक्षों की दलीलें सुनकर अदालत ने आदेश सुरक्षित रखा और अंततः जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

खतियान और छात्रों के समर्थन में 15 से शुरू करेंगे आंदोलन : देवेंद्र नाथ महतो

रांची (एजेंसी): राज्य में शीतकालीन सत्र शुरू होने जा रही है। ५ दिसंबर से शुरु होकर ११ दिसंबर का चलेगी। विभिन्न जनकल्याण से जुड़े मुद्दों पर बहस होगा। इस दौरान 'झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा' ने सदन के बाहर राज्यव्यापी आंदोलन करने का एलान कर दिया है। खतियान एवं छात्रों के विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन करेंगे। इसके तहत ६ दिवसीय पदयात्रा एवं एक दिवसीय विधानसभा समक्ष धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

४ दिसंबर को विधायक जयराम कुमार महतो डुमरी में हरि झंडी के साथ पदयात्रा को राजधानी के लिए विदा करेंगे। यह पदयात्रा अपने निर्धारित रुट बोकारो, हजारीबाग,रामगढ़ होते हुए (०९ दिसम्बर को) राजधानी रांची प्रवेश करेंगे। एवं (मंगलवार को) विधानसभा के समक्ष एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। संगठन के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो ने आज (बुधवार) सामूहिक मीडिया कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा की झारखंड सरकार के मुख्य सचिव महोदय, पुलिस निदेशक, एवं निर्धारित पदयात्रा रुट के सभी उपायुक्त महोदय को आंदोलन की सूचनार्थ प्रदान कर दिया गया है।

खतियान के मांग को लेकर हमारा संगठन कटिबद्ध है। सरकार के प्रति छात्रों में भारी नाराजगी है। सरकार छात्रों के मांगों को लेकर लगातार नजर अंदाज कर रही है।

मुख्य मांग- १) प्रि-मैट्रिक व पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति राशि भुगतान करें। २) जेपीएससी व जेएसएससी के लंबित परीक्षाओं को अतिशीघ्र सम्पन्न करें। ३) प्रतियोगी परीक्षा कलेंडर जारी कर ससमय कडाई से पालन करें। ४) खतियान आधारित नियोजन नीति लागू कर राज्य के सभी रिक्त पदों को भरा जाए। ५) गैर सरकारी विभागों में ७५% भागीदारी मूल झारखंडीयो को सूचित किया जाए।

पदयात्रा का जारी निर्धारित रुट-डुमरी चिरैया मोड़ (शुरूआत) होकर- बगोदर- विष्णुगढ़ चौक (हजारीबाग)- टाटी झरिया- दारू-सदर-सिघानी चौक- कौरा चौक- मटवारी चौक - डिस्ट्रिक मोड़ (गांधी मैदान) - पुराना बस स्टैंड चौक - नया बस स्टैण्ड चौक - संत कोलंबस चौक - भारत माता चौक - चूरचू - मांडू (रामगढ)-रामगढ़ चौक-पटेल चौक - ओरमांझी चौक (रांची)- विकास चौक-बीआइटी मोड़-बूटी मोड़ - बरियातू रोड-रिम्स चौक-करमटोली चौक -एसएसपी चौक- मछलीघर चौक -सूचना भवन चौक - रातु रोड चौक- किशोरगंज चौक- सहजानंद चौक - हरमू चौक-अरगोड़ा चौक-बिरसा चौक- पुराना विधानसभा चौक- शहीद मैदान चौक - नया विधानसभा परिसर (धरना-प्रदर्शन स्थल)।

इससे पूर्व मंगलवार को रायल ब्लू रेस्टोरेंट हजारीबाग में पार्टी संगठन पदाधिकारियों के द्वारा सामूहिक बैठक हुई थी। जिसमें आंदोलन के सुचारू सफल पर गंभीर चर्चा परिचर्चा किया गया।

क्या आप भी सर्दियों में आग पर हाथ सेकते हैं?

छोटी सी लापरवाही हो सकती है जानलेवा

सर्दियों के दिनों में आग जलाकर हाथ या शरीर सेकना ठंडी से राहत पाने का एक आम तरीका है। मगर इसके कुछ दुष्प्रभाव भी हैं और साथ कुछ सावधानियां बरतनी भी बहुत जरूरी है वरना छोटी सी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। हाल ही में कानपुर में घटी एक दुखद घटना इस खतरे की गंभीरता को उजागर किया है, जहां चार लोग कमरे में कोयला जलाकर सो गए और दम घुटने से उनकी मौत हो गई।

यह घटना स्पष्ट रूप से दिखाती है कि बंद जगह पर आग या कोयला जलाना कितना खतरनाक हो सकता है। कोयला या लकड़ी जैसे कार्बनिक पदार्थ जब जलते हैं, तो वे कार्बन मोनोऑक्साइड नामक एक रंगहीन, गंधहीन और अत्यंत जहरीली गैस उत्पन्न करते हैं। यह गैस कमरे की ऑक्सीजन को तेजी से सोख लेती है, जिससे दम घुटने लगता है। इसके अलावा आग के बहुत करीब बैठना या सीधे ऊष्मा लेना आपकी त्वचा और श्वसन स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर नुकसान पैदा कर सकता है। इसलिए आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

कार्बन मोनोऑक्साइड का खतरा

कानपुर की घटना से हमें यह सबक लेना चाहिए कि बंद कमरा मौत का जाल बन सकता है। कोयला जलाने पर कार्बन मोनोऑक्साइड गैस बनती है, जो दबे पांव हवा में फैल जाती है। यह गैस हमारे खून में ऑक्सीजन की जगह ले लेती है, जिससे शरीर के अंगों तक ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती और व्यक्ति सोए हुए ही दम घुटने से मर जाता है। बंद जगह पर बिना वेंटिलेशन के आग जलाना सबसे बड़ी जानलेवा लापरवाही है।

त्वचा को नुकसान

आग से सीधे हाथ सेकने का सबसे पहला नुकसान त्वचा को होता है। तेज, सीधी गर्मी त्वचा की प्राकृतिक नमी और तेल (सीबम) को तुरंत खत्म कर देती है, जिससे त्वचा रूखी हो जाती है। लंबे समय तक ऐसा करने से त्वचा पर काले या जालीदार धब्बे पड़ सकते हैं, जिसे 'एरिथेमा एब् इग्ने' या 'टोस्टेड स्किन सिंड्रोम' कहते हैं।

श्वसन और हृदय स्वास्थ्य पर असर

खुले में या बंद जगह पर जलाए गए कोयले या लकड़ी से निकलने वाला धुआं श्वसन तंत्र के लिए बहुत नुकसानदायक होता है। इसमें मौजूद पीएम2.5 के कण फेफड़ों में सूजन पैदा करते हैं और अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और सीओपीडी जैसी सांस की समस्याओं को बढ़ा सकते हैं। यह हृदय पर भी अनावश्यक दबाव डालता है।

जरूर बरतें ये सावधानियां-

- आग और हीटर इस्तेमाल करते समय ये सावधानियां जरूर बरती जानी चाहिए-
- कभी भी बंद कमरे या बिना वेंटिलेशन (हवा आने-जाने की जगह) वाले स्थान पर आग, कोयला या हीटर न जलाएं।
- अगर आप रूम हीटर का उपयोग कर रहे हैं, तो दम घुटने के खतरे से बचने के लिए खिड़की को थोड़ा खुला रखें।
- आग या हीटर सेकते समय हमेशा शरीर से उचित और सुरक्षित दूरी बनाए रखें, ताकि त्वचा को सीधे गर्मी से नुकसान न पहुंचे।
- आग सेकने के बजाय, शरीर को गर्म रखने के लिए गर्म कपड़े, हीटिंग पैड या हर्बल चाय (गरम पेय) का सेवन करें।

गंजेपन से पाना चाहते हैं छुटकारा तो आजमाएं ये टिप्स

आजकल कम उम्र में ही बाल झड़ने और गंजेपन की समस्या बढ़ती जा रही है। इससे सभी लोग विशेषकर युवा परेशान हैं। हर दूसरे युवा के लिए यह एक एक गंभीर समस्या बन गयी है। खाने पीने मे लापरवाही और बदलते मौसम के चलते बाल झड़ने की समस्या आम बात है हालांकि फैशनेबल और स्टाइलिश लुक की चाहत रखने वाले युवाओं के लिए यह परेशानी एक गंभीर समस्या हैं। अगर आप भी ऐसी ही किसी परेशानी से दो-चार हो रहे हैं और जल्द ही इसका उपाय चाहते हैं तो अदरक का ये नुस्खा आपकी मदद कर सकता है।

अगर आप बाल घने करने के लिए कई तेल और दवा खाकर देख चुके हैं तो इसे भी अदरक आजमा कर देखिए। जानिए इस नुस्खे को बनाने का तरीका ताकि आप भी कम बालों या गंजेपन के चलते शर्मिंदा होने से बचे रह सकें।

अदरक एक एंटी बैक्टीरियल औषधि माना जाता है। अदरक एंटी ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होने की वजह से इसके प्राकृतिक गुण बालों को झड़ने से भी रोकते हैं। गंजेपन की समस्या से निजात पाने के लिए आप अदरक के रस को नींबू के रस में मिलाकर बालों में लगाएं। ऐसा करने से बालों से डैंड्रफ की समस्या भी दूर होगी और बाल झड़ने बंद हो जाएंगे।

बालों में अदरक लगाते समय हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि इसके रस का एसिडिक नेचर का होने की वजह से ये आपके बालों में खारिश कर सकता है, इसलिए अदरक का जूस लगाने के बाद हमेशा अपने बालों को अच्छी तरह से धोना चाहिए।

बच्चों-बुजुर्गों के लिए

जानलेवा हो सकती है निमोनिया, बचे रहने के लिए जरूर करें ये उपाय

सर्दियों का ये मौसम सेहत के लिए कई प्रकार की दिक्कतें बढ़ाने वाला माना जाता है। विशेषतौर पर बच्चों और बुजुर्गों को इस मौसम में खास सावधानी बरतते रहने की सलाह दी जाती है। तापमान गिरने के साथ ही हवा में नमी बढ़ने लगती है जिससे वायरस और बैक्टीरिया तेजी से सक्रिय हो जाते हैं। यही कारण है कि इस मौसम में निमोनिया का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

निमोनिया फेफड़ों का गंभीर संक्रमण है, जो वायरस, बैक्टीरिया या फंगस किसी भी कारण से हो सकता है। इसके कारण तेज बुखार, खांसी, सांस लेने में दिक्कत और सीने में दर्द जैसी समस्याएं होती हैं। बुजुर्गों और पहले से ही सांस की समस्याओं के शिकार लोगों के लिए ये बीमारी खतरनाक और जानलेवा तक हो सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में हर साल 5 साल से कम उम्र के लगभग 7 लाख बच्चों की मौत निमोनिया से होती है। ठंड के मौसम में इस बीमारी का प्रकोप अधिक देखा जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी माता-पिता को इन दिनों में बच्चों को निमोनिया से बचाने के उपाय करते रहने की सलाह देते हैं।

ठंड के दिनों में बढ़ जाता है निमोनिया का खतरा

हार्वर्ड मेडिसिन की रिपोर्ट से पता चलता है कि ठंड के दिनों में बच्चे घरों में अधिक समय बिताते हैं, जिससे संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने की आशंका बढ़ जाती है। इसके अलावा इस मौसम में धूप से मिलने वाले विटामिन डी की कमी, प्रदूषण और धुएं का संपर्क भी बच्चों के फेफड़ों को कमजोर बनाता है। खराब भोजन, गंदा पानी और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली जैसी स्थितियां निमोनिया संक्रमण को और भी आसान बना देती हैं।

क्या कहते हैं श्वसन रोग विशेषज्ञ?

अमर उजाला से बातचीत में श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉ एन.आर.चौहान बताते हैं, ठंड के कारण निमोनिया नहीं होता, बल्कि यह मौसम ऐसी स्थितियां पैदा कर देता है जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। हवा में बढ़ता सूखापन सांस की नली और फेफड़ों में जलन पैदा करती है, जिससे उनमें संक्रमण होने का जोखिम हो सकता है।

इसके अलावा लोग ठंड से बचाव के लिए घरों के अंदर रहते हैं, यहां एक व्यक्ति से दूसरे में संक्रमण फैलने का खतरा अधिक होता है। इसके अलावा डायबिटीज, सीओपीडी और अस्थमा जैसे मरीजों के इस बीमारी से ग्रस्त होने का जोखिम अधिक हो सकता है।

निमोनिया वैसे तो किसी भी उम्र में हो सकता है, पर बच्चों और बुजुर्गों में इसका जोखिम सबसे अधिक देखा जाता रहा है। निमोनिया से बचे रहने के लिए कुछ उपाय जरूर किए जाने चाहिए।

निमोनिया से बचाव के लिए लगवाएं वैक्सीन

निमोनिया से बचाव के टीका लगवाना सबसे अच्छे और प्रभावी तरीकों में से एक है। डॉक्टर की सलाह पर न्यूमोकोकल और इन्फ्लूएंजा वैक्सीन की मदद से संक्रमण की गंभीरता को कम करने में मदद मिलती है। जन्म के बाद समय पर सभी वैक्सीन लगवाना बच्चे की सुरक्षा की सबसे मजबूत दीवार मानी जाती है। इसके अलावा छोटे बच्चों को निमोनिया से बचाने के लिए ठंड से बचाना जरूरी है। बच्चे का शरीर गर्म रखें। बच्चे के हाथ बार-बार धोना, खिलौने साफ रखना और संक्रमित लोगों से दूरी बनाए रखना संक्रमण रोकने में मदद करता है।

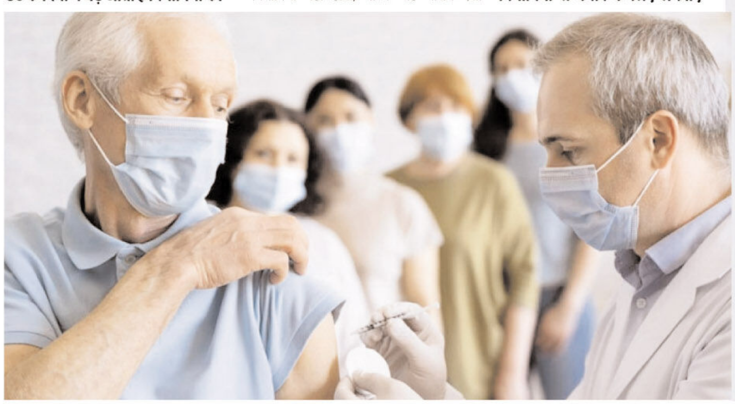

इन बातों का भी रखें ध्यान

डॉक्टर बताते हैं, निमोनिया से बचाव के लिए साफ-सफाई का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी माना जाता है। अच्छी तरह हाथ धोना, मास्क पहनना और फ्लू जैसी बीमारी वाले लोगों के संपर्क में आने से बचने के तरीके अपनाकर आप संक्रमण के खतरे को काफी कम कर सकते हैं।

अध्ययनों से पता चलता है कि मां का दूध 6 महीने तक बच्चे की प्रतिरक्षा को मजबूत रखता है। इसमें मौजूद इम्युनोग्लोबुलिन्स, एंटीबॉडी बच्चे को संक्रमण से बचाते हैं इसलिए नवजात बच्चों को मां का दूध ही दें। बड़े बच्चों को विटामिन सी, विटामिन डी और जिंक से भरपूर आहार देना चाहिए, जो फेफड़ों की मजबूती बढ़ाते हैं।

अगर किसी को कुछ दिनों से बलगम के साथ खांसी और बुखार की दिक्कत है, सांस की तकलीफ है जो सामान्य गतिविधियों को करते समय अधिक हो जाती है या फिर सीने में दर्द बना रहता है तो इस बारे में डॉक्टरी सलाह जरूर ले लें।

आंखों से धुंधला दिखना हो सकता है किडनी फेलियर का संकेत, इन चार लक्षणों को न करें नजरअंदाज

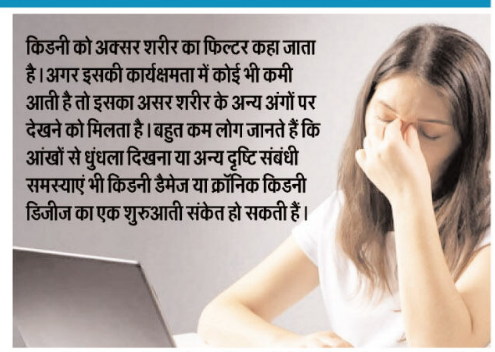

किडनी और आंखें दोनों ही रक्त वाहिकाओं के जटिल जाल पर निर्भर करती हैं। जब किडनी ठीक से काम नहीं करती, तो यह ब्लड प्रेशर को बढ़ा देती है, जिससे आंखों की सबसे संवेदनशील वाहिकाओं (खासकर रेटिना में) को नुकसान पहुंचता है, जिसे हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी कहते हैं।

इसलिए अगर आपको बिना किसी स्पष्ट कारण के धुंधला दिखना शुरू हो गया है, तो इसे नजरअंदाज न करें। यह सिर्फ आंखों की समस्या नहीं, बल्कि किडनी की गंभीर समस्या का अलार्म हो सकता है। समय पर इन लक्षणों को पहचानना और डॉक्टर से सलाह लेना किडनी फेलियर जैसे बड़े खतरे से बचा सकता है।

आंखों से धुंधला दिखना और सूजन

किडनी डैमेज का एक प्रमुख अप्रत्यक्ष लक्षण आंखों से धुंधला दिखना है, जो हाई बीपी के कारण रेटिना में प्रभावित करता है। दूसरा संकेत आंखों के नीचे या चेहरे पर सूजन आना है। यह सूजन तब होती है जब किडनी प्रोटीन और तरल पदार्थ को ठीक से फिल्टर नहीं कर पाती और वे ऊतकों में जमा होने लगते हैं।

लगातार खुजली और रूखी त्वचा

किडनी जब अपशिष्ट उत्पादों को रक्त से बाहर नहीं निकाल पाती, तो ये टॉक्सिन्स शरीर में जमा होने लगते हैं। इन टॉक्सिन्स के कारण त्वचा में गंभीर और लगातार खुजली महसूस हो सकती है। इसके साथ ही त्वचा बहुत रूखी या बेजान दिखने लगती है।

नींद में समस्या

किडनी की कार्यक्षमता बिगड़ने पर खून में टॉक्सिन्स का जमाव बढ़ जाता है। इन टॉक्सिन्स के कारण स्लिप साइकल बाधित होती है। किडनी के मरीजों को अक्सर सोने में कठिनाई होती है या उन्हें रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम (आरएलएस) का अनुभव होता है। यह एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है जिसमें पैरों को हिलाने की एक तीव्र, अनियंत्रित इच्छा होती है, खासकर शाम या रात में जब आप बैठे या लेटे होते हैं।

थकान और एकाग्रता में कमी

किडनी के ठीक से काम न करने पर शरीर में एनीमिया हो जाता है, क्योंकि किडनी पर्याप्त लाल रक्त कोशिकाएं बनाने वाले हार्मोन (एरिथ्रोपोइटिन) का उत्पादन नहीं कर पाती। एनीमिया के कारण शरीर में ऑक्सीजन की कमी होती है, जिससे अत्यधिक थकान, कमजोरी और एकाग्रता में कमी महसूस होती है। ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

क्या आपको चाय पीते ही होने लगती है एसिडिटी और गैस? डॉक्टर से जानें सुबह के चाय के नियम

भारत में चाय केवल एक पेय नहीं, बल्कि बहुत से लोगों के लिए इमोशन है। बहुत से ऐसे लोग हैं जो रोज सुबह चाय पीना पसंद करेत हैं। हालांकि विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि चाय या कॉफी पीने के गलत तरीके से पेट में एसिडिटी और एसिड रिफ्लक्स की समस्याएं तेजी से बढ़ सकती हैं। इसी विषय पर मशहूर डॉ. शालिनी सिंह सोलंकी ने इस समस्या का समाधान बताते हुए कुछ ऐसे सरल टिप्स साझा किए हैं, जिन्हें अपनाकर आप चाय का मजा भी ले सकते हैं और अपनी सेहत को नुकसान से बचा सकते हैं। डॉ. का कहना है कि समस्या चाय पीने में नहीं, बल्कि उसे पीने के समय और सामग्री में है। अगर आप अपनी चाय या कॉफी की आदत नहीं छोड़ना चाहते हैं, तो आपको कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। ये टिप्स विशेष रूप से आपके पेट के एसिड उत्पादन, स्ट्रेस हार्मोन के स्तर और पोषक तत्वों के अवशोषण को नियंत्रित करने में मदद करेंगे। इन सुझावों का पालन करके आप रोज सुबह चाय भी पी सकते है और आपके सेहत को भी कोई नुकसान नहीं होगा।

जागने के 45 मिनट बाद ही पीएं चाय

सुबह उठते ही चाय पीने से बचें। डॉ. सोलंकी के अनुसार आपको जागने के कम से कम 45 मिनट बाद ही चाय पीनी चाहिए। ऐसा करने से शरीर में कोर्टिसोल (जो एक स्ट्रेस हार्मोन है) का स्तर नियंत्रित रहता है। कोर्टिसोल का स्तर नियंत्रित रहने से मेटाबॉलिज्म अच्छा रहता है और हृदय का स्वास्थ्य भी स्वस्थ बना रहता है।

दूध की मात्रा 100 मिलीलीटर से कम रखें

डॉ. सोलंकी के मुताबिक अपनी सुबह की चाय में दूध की मात्रा 100 मिलीलीटर से अधिक नहीं रखनी चाहिए। चाय में पॉलीफेनॉल नामक स्वास्थ्यवर्धक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। दूध में मौजूद प्रोटीन इन पॉलीफेनॉल से बंध जाते हैं, जिससे शरीर पॉलीफेनॉल का अवशोषण ठीक से नहीं कर पाता और चाय के एंटीऑक्सीडेट गुण कम हो जाते हैं।

खाली पेट पीने से बचें

खाली पेट चाय पीने से पूरी तरह बचें। चाय पीने से पहले कुछ हल्का खा लेना बहुत जरूरी है। खाली पेट चाय पीने से पेट में एसिड का स्राव तेजी से होता है, जिससे एसिडिटी बढ़ जाती है। आप चाय से पहले नट्स (मेवे), सीड्स (बीज) या कोई अन्य हेल्दी चीज खा सकते हैं।

चीनी की जगह इलाइची या दालचीनी का उपयोग करें

चाय में रिफाइंड चीनी का उपयोग करने के बजाय इलाइची या दालचीनी का उपयोग करें। चीनी वाला चाय पीने से ब्लड शुगर का स्तर तेजी से बढ़ता है, जिसे शुगर स्पाइक कहते हैं। इलायची और दालचीनी न केवल स्वाद बढ़ाते हैं, बल्कि मेटाबॉलिज्म को भी अच्छा रखते हैं और शुगर स्पाइक को नियंत्रित करते हैं।

दिन में 2 कप से अधिक चाय न पीएं

सबसे महत्वपूर्ण नियम यह है कि आप कभी भी 2 कप से अधिक चाय न पीएं। अत्यधिक कैफीन का सेवन नींद के पैटर्न को बाधित कर सकता है और पूरे दिन एसिडिटी का स्तर बढ़ा सकता है। मात्रा को सीमित रखकर ही आप चाय के नकारात्मक प्रभावों से बच सकते हैं।

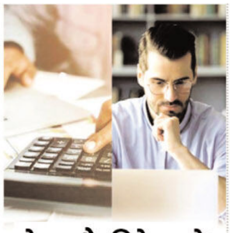

लेना है विदेश में एजुकेशन इन बातों का ध्यान रखें

उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए जरूरी है कि वे इसके लिए फोकस्ड तैयारी करें। उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए जरूरी है कि वे इसके लिए फोकस्ड तैयारी करें। इस बारे में यहां उपयोगी सलाह दे रही हैं आदित्य बिड़ला वर्ल्ड अकेडमी की हेड करियर गाइडेंस काउंसलर।

विद्यार्थियों को यूनिवर्सिटी के बारे में सोचना कब से शुरू कर देना चाहिए?

आठवीं से ही। हम उनसे कहते हैं कि वे अपने करियर के बारे में सोचना और उस पर काम करना शुरू कर दें। कौन-से विषय वहां तक पहुंचने में आपकी मदद करेंगे, कौन-से कॉलेज में पढ़ाई करनी है, ये सारे फैसले बाद में लेने होंगे। यह जरूरी नहीं कि आप विदेशी यूनिवर्सिटीज की ओर ही देखें। भारत में भी बेहतरीन यूनिवर्सिटीज हैं। जरूरी यह है कि आप फोकस्ड रहें।

क्या एक साल का गैप लेना ठीक है, जो आजकल ट्रेंड बनता जा रहा है?

गैप ईयर का परसेप्शन बदल रहा है। महत्वपूर्ण यह है कि कोई विद्यार्थी कैसे साल बिताता है। गैप लेने के बाद जिनकी एप्लिेशन स्ट्रॉन्ग होती है, वे अकेडेमिकली भी स्ट्रॉन्ग होते हैं। अपने सफर के दौरान वे कई तरह की इंटर्नशिप भी करते रहते हैं। यूनिवर्सिटीज भी यही देखती हैं। वे जानना चाहती हैं कि विद्यार्थी कैसे अपने समुदाय को सशक्त बनाते हैं।

इंटर्नशिप कितनी जरूरी है?

समर इंटर्नशिप करियर के बारे में आपका नजरिया बदल सकती है। मैं एक उदाहरण देना चाहूंगी। एक छात्रा ने हमसे कहा कि आर्ट और कलर उसकी जिंदगी है। वह आर्टिस्ट बनना चाहती थी लेकिन स्टूडियो में इंटर्नशिप के दौरान उसे एहसास हुआ कि वह मार्केट और आर्ट की सेल के बारे में कहीं अधिक इच्छुक थी। इसलिए आखिर में उसने मैनेजमेंट कोर्स जॉइन कर लिया।

सही यूनिवर्सिटी का चुनाव कैसे करना चाहिए?

सही चॉइस ही आपको सही नौकरी, सही करियर, सही माहौल और यहां तक कि सही पार्टनर तक पहुंचाती है। इसलिए तमाम संभावनाओं पर विचार करने के बाद ही तय करें कि आप सबसे अधिक कहां फिट बैठते हैं। भारत में पैरेंट्स अपनी आय का 70 प्रतिशत हिस्सा बच्चों की शिक्षा पर खर्च करते हैं। मगर जब कोई स्टूडेंट चार साल यूनिवर्सिटी में बिताता है, तो हमें खुद से सवाल पूछना होगा कि क्या वह वहां खुश है!

स्टेटमेंट ऑफ पर्पज (एसओपी) में यूनिवर्सिटी क्या देखती है?

एसओपी में यूनिवर्सिटी आपके बारे में ज्यादा जांचना चाहती है। ऐसा अमेरिका व ब्रिटेन की यूनिवर्सिटीज में खास तौर पर होता है। मैं सलाह देती हूं कि एसओपी खुद तैयार करें। इसके लिए किसी और को हायर न करें।

आपके सपनों को साकार करने का मौका एयरोस्पेस इंजीनियरिंग

एयरोस्पेस इंजीनियरिंग आपको अंतरिक्ष के रहस्यों को सुलझाने के साथ आपके सपनों को साकार करने का मौका देगा। इस क्षेत्र में एयरोस्पेस इंजीनियर का मुख्य काम एयरक्राफ्ट, स्पेस क्राफ्ट, उपग्रह और मिसाइलों को डिजाइन करना है। साथ ही सभी डिजाइन का सही आकलन करने के लिए उनके प्रोटोटाइप का परीक्षण करते हैं। इसके अलावा ये निर्धारित योजनाओं के अनुकूल कार्य भी करते हैं।

अगर आप बचपन में आसमान में उड़ते प्लेन को देखकर उत्साहित हो जाते थे और अब भी नीले आसमान में उड़ान भरने के साथ अंतरिक्ष का सैर करना चाहते हैं तो एयरोस्पेस इंजीनियरिंग आपके लिए एकदम सही करियर विकल्प है। एयरोस्पेस इंजीनियरिंग आपको अंतरिक्ष के रहस्यों को सुलझाने के साथ आपके सपनों को साकार करने का मौका देगा। इस क्षेत्र में एयरोस्पेस इंजीनियर का मुख्य काम एयरक्राफ्ट, स्पेस क्राफ्ट, उपग्रह और मिसाइलों को डिजाइन करना है। साथ ही सभी डिजाइन का सही आकलन करने के लिए उनके प्रोटोटाइप का परीक्षण करते हैं। इसके अलावा ये निर्धारित योजनाओं के अनुकूल कार्य भी करते हैं।
इन कार्यों के अलावा इस क्षेत्र में कार्य करने वाले इंजीनियर एयर क्राफ्ट की ताकत उसकी क्षमता, विश्वसनीयता और विमान तथा उसके अन्य पार्ट्स का लम्बे समय तक टिकाऊ बने रहने के लिए ध्वंसात्मक तथा गैर ध्वंसात्मक परीक्षण की दिशा में कार्य कर सकते हैं या फिर कार्य करने के लिए निर्देश दे सकते हैं।

एयरोस्पेस इंजीनियर का कार्य

इस क्षेत्र में एयरोस्पेस इंजीनियर का कार्य स्पेसक्राफ्ट, डिफेंस सिस्टम और एविएशन और एविओनिक्स में इस्तेमाल होने वाली नई इंजीनियरिंग तकनीकों को तैयार करना है। इसके अलावा एक एयरोस्पेस इंजीनियर वायुगतिकीय द्रव प्रवाह जैसे क्षेत्रों में कुशल होता है। जैसे- संरचनात्मक डिजाइनय मार्गदर्शन, नेविगेशन और नियंत्रण इंस्ट्रूमेंटेशन और संचार, रोबोटिक्स, या प्रणोदन और दहन आदि। साथ ही वे विभिन्न प्रकार के एयरोस्पेस मशीनरी को डिजाइन करने का प्रशिक्षण भी प्राप्त करते हैं। उदाहरण के लिए वाणिज्यिक विमान, हेलीकॉप्टर, युद्धक विमान अंतरिक्ष यान, उपग्रह, प्रक्षेपण वाहन, रॉकेट और मिसाइल।
एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के लिए एजुकेशन
अगर आप एयरोस्पेस में इंजीनियरिंग करना चाहते हैं तो आपको न्यूनतम स्नातक की डिग्री यानी बीई या फिर बीटेक व बीएस या फिर किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से समकक्ष की आवश्यकता होती है।
इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री उन उम्मीदवारों के लिए एक 4 वर्ष का कार्यक्रम है, जिन्होंने भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित के साथ कक्षा 12वीं की शिक्षा पूरी की है। टफ मैथ्य और कम्प्यूटेशनल फार्मुलों के साथ भौतिकी की गतिशीलता को समझना एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में स्नातक कार्यक्रम में दाखिला लेने के लिए कुछ आवश्यक लक्षण हैं। वहीं एमएसए एमटेक और पीएचडी आदि विश्वविद्यालयों जैसे स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए निबंध परीक्षा और व्यक्तित्व साक्षात्कार के बाद मानकीकृत परीक्षा में स्कोर करना जरूरी है।

क्रिएटिव थिंकिंग एबिलिटी

एक एयरोस्पेस इंजीनियर में क्रिएटिव थिंकिंग एबिलिटी होना चाहिए। सीधी बात कि उनमें यह सोचने में सक्षम होना चाहिए कि किन परिस्थितियों में डिजाइन, सामग्री और अंतिम उत्पाद या परियोजना विफल हो सकती है और एक गड़बड़ या विफलता के मामले में वैकल्पिक विकल्प क्या होने चाहिए।

टीम वर्कर

एक एयरोस्पेस इंजीनियर टीम में काम करता है, उसे काम के माहौल में सीखने और बनाने में सक्षम होने के लिए एक अच्छा टीम वर्कर होना चाहिए।

राइटिंग स्किल

एयरोस्पेस इंजीनियर के लिए यह बहुत जरूरी स्किल है कि उनके अंदर स्पष्ट लेखन के लिए अच्छा लेखन कौशल होना चाहिए और ऐसे डिजाइन बनाने चाहिए जो अन्य टीम के कार्यकर्ता पूरी तरह से समझ सकें।

एनालिटिकल स्किल

एयरोस्पेस मशीन के साथ विभिन्न वातावरणों के विकल्पों का सुझाव देने के लिए एयरोस्पेस मशीन और उसके डिजाइन की कार्य परिस्थितियों को समझने के लिए साउंड एनालिटिकल स्किल होने चाहिए।

बिजनेस स्किल

एयरोस्पेस इंजीनियर को यह पता होना जरूरी है कि वो जिस परियोजना में लगे हैं, उसकी लागत क्या होगी और कंपनी या सरकार को फायदा कैसे मिलेगा। क्योंकि सभी तरह के फायदे के लिए रूपरेख एयरोस्पेस इंजीनियर को बनानी पड़ती है।

भारत में एयरोस्पेस इंजीनियर

अगर आप एयरोस्पेस इंजीनियरिंग करना चाहते हैं तो आपको एयरलाइंस के अलावा वायु सेना, कॉर्पोरेट रिसर्च कंपनियों, रक्षा मंत्रालय, हेलीकाप्टर कंपनियों, विमानन कंपनियों में जॉब मिल सकती है। भारत के अंदर इस क्षेत्र में प्रमुख भर्ती करने वालों में से कुछ हैं हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, रक्षा अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाएं, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, नागरिक उड्डयन विभाग, एयर इंडिया, भारत अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन व अन्य।

एयरोस्पेस इंजीनियर कहां काम करते हैं

इंजीनियर ज्यादातर सरकारी एजेंसियों और मेन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज में काम करते हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ चुनिंदा एयरोस्पेस इंजीनियरों को नासा जैसे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर काम करने के लिए भी चुना जाता है। वर्तमान में एयरोस्पेस इंजीनियर एयरोडायनेमिक्स के बेसिक कॉन्सेप्ट पर काम कर रहे हैं। साथ ही इनके पास एयरक्राफ्ट पावर प्लांट जैसे टर्बो प्रोप, पिस्टन इंजन और जेट्स के कामकाज के विषय में पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए। कुछ एयरोस्पेस इंजीनियर राष्ट्रीय रक्षा से संबंधित परियोजनाओं पर काम करते हैं और इसके लिए उन्हें सुरक्षा मंजूरी प्राप्त करनी पड़ती है।

जॉब के अवसर

इस क्षेत्र में जॉब के लिए आपके पास कम से कम इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन डिग्री होना आवश्यक है। कई ऐसे एम्प्लॉयर जो विशेष रूप से जो इंजीनियरिंग कंसल्टिंग सर्विसेज प्रदान करते हैं, उन्हें एक सर्टिफाईड इंजीनियर की आवश्यकता होती है। इस समय देश में निम्नलिखित संगठन जॉब दे रहे हैं।

- एयर फोर्स
- सरकारी अनुसंधान
- कॉर्पोरेट अनुसंधान
- हेलीकॉप्टर कंपनियां
- एयरलाइंस
- एयरशिप्स
- विमानन कंपनियां
- मिसाइल
- फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट
- रक्षा मंत्रालय
- उपग्रह
- अंतरिक्ष यान

सकारात्मकता को चुनते हैं देश और दुनिया के युवा

जीवन के और हमारे मन के भी दो पहलू होते हैं। हम या तो सकारात्मक होते हैं या नकारात्मक। यदि हम सकारात्मक होना चुनते हैं, तो यह आशा और आत्मविश्वास जगाता है। हम खुद पर भरोसा करना सीख लेते हैं। हम स्वप्रेरित होते हैं और दूसरों के लिए भी प्रेरणा बन जाते हैं। देश और दुनिया के युवा लीडर्स इन्हीं बातों पर जोर देते हैं।

जानी-मानी फैशन स्टाइलिस्ट हैं अमी पटेल। वे काजोल, लारा दत्ता, आलिया भट्ट, अक्षय कुमार और ऐसे ही कई दिग्गज बॉलीवुड स्टार्स के फैशन, उनके स्टाइल को मेंटेन रखने का काम करती हैं। उनके मुताबिक, स्टाइल फीका है यदि आपकी बॉडी लैंग्वेज, आपका चेहरा साथ नहीं दे रहा। यदि आप खुद अव्यवस्थित या कंफ्यूज रहते हैं, तो फैशन से इसे बदलना मुश्किल है। विचार आपका आईना हैं, यह ध्यान रखें। फिर आप जो भी पहनेंगे, लोग देखते रह जाएंगे। अमी खुद एक मेडिटेशन टीचर भी हैं और सोच को सकारात्मक बनाए रखने के लिए इसे बहुत जरूरी मानती हैं। उनके मुताबिक, हमें वह सब करना चाहिए, जिसकी वजह से हमारी सकारात्मक सोच को बनाए रखने में मदद मिल सके।

सीखने की ललक

जस्ट डायल के सीईओ वीएसएस मणि की सक्सेस स्टोरी भी कुछ इसी तरह की है। इसका सार यह है कि यदि आप विपरीत परिस्थिति में भी अपनी सोच को सकारात्मक बनाए रखने में सक्षम होते हैं, तो आपकी मंजिल ज्यादा दूर नहीं। वे कहते हैं, जब मैंने इस बिजनेस आइडिया के बारे में सोचा था, तो भारत में इंटरनेट का इतना प्रभाव नहीं था। एक तो मुश्किल आइडिया, उस पर घर की माली हालत खराब। काम शुरू करना है, तो पैसा चाहिए ही, सो मैंने दूसरे कामों के साथ जुड़कर घर की जिम्मेदारी भी संभाली और अपने बिजनेस आइडिया पर भी चुपचाप काम करता रहा। मणि आज भी अपने बिजनेस को 20 साल पुराना स्टार्ट-अप ही कहते हैं। उनके अनुसार, इससे सीखने की ललक बनी रहती है। जब तक यह इच्छा रहेगी, आपकी सोच भी सकारात्मक रहेगी। सकारात्मक लोग हमेशा कुछ-न-कुछ करते-सीखते रहते हैं।

समस्याओं से न भागें

मुझसे लोग हमेशा पूछते हैं कि आप तमाम जिम्मेदारियों से उपजे स्ट्रेस के बीच कुंठित क्यों नहीं होते, गुस्सा क्यों नहीं आता? मेरा जवाब होता है, आप इसके अलावा यह भी तो कह सकते हैं कि आप कितने पॉजिटिव हैं! यह कहना है ब्रैंडन वैलेस का। वे अमेरिकी सरकार में पॉलिसी एडवाइजर के तौर पर कार्यरत हैं। अपनी सरकारी जिम्मेदारियों के अलावा, वे युवाओं से जुड़े मसलों पर भी सक्रिय हैं। खास तौर पर इस दिशा में कि युवाओं को शांति और सामाजिक बदलाव में योगदान देने के लिए कैसे प्रेरित किया जाए।
वे कहते हैं, कोई समस्या आपके सामने आती है, तो दो ही विकल्प होते हैं आपके पास। या तो आप समस्याओं से जूझें, दुख-दर्द का अनुभव करें या फिर इन सबका पूर्वानुमान लगाकर पलायन कर जाएं। मैं दर्द लेता हूं क्योंकि यह हमें अंतत- स्थिर करता है। हममें ठहराव लाता है और इस ठहराव का चयन हमेशा सकारात्मक मिजाज का व्यक्ति ही कर सकता है।

फोकस खुद पर

जिनकी सोच सकारात्मक होती है, वे हमेशा अपनी गलतियों की तरफ देखते हैं। उनमें सुधार के बारे में चिंतन करते हैं। वे रुकी हुई घड़ी को भी देखकर यह कहना जानते हैं कि देखो, यह घड़ी नहीं चल रही लेकिन यह रोज दो बार सही वक्त बता पाने में सक्षम है। ब्रिटेन की अभिनेत्री फागुन ठकरार बचपन से अभिनेत्री बनना चाहती थीं, पर उनके पैरेंट्स की इच्छा थी कि वे डॉक्टर बनें। वे डॉक्टर बनीं भी, मगर बाद में कड़ी मेहनत करते हुए उन्होंने अपना सपना भी पूरा किया। आज वे डॉक्टर ही नहीं, एक्टर, डायरेक्टर, राइटर और फैशन डिजाइनर भी हैं। बहुआयामी व्यक्तित्व की धनी फागुन कहती हैं, मैं इस बात की परवाह नहीं करती कि लोग क्या सोचेंगे। मैं हमेशा इसका ध्यान रखती हूं कि मैं अपना बेस्ट दे सकूं। अपने काम के दौरान मैंने बहुत सारी मुश्किलें झेली हैं। लीक से हटकर सोचना और करना आसान नहीं, लेकिन मेरे पास जादू की छड़ी है और वह है सकारात्मक सोच।

संक्षिप्त समाचार

व्हाइट हाउस के पास गोलीबारी का मामला हमलावर अफगानी नागरिक ने खुद को बताया बेकसूर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति आवास के पास हाल के दिनों में एक शख्स ने गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया। इस घटना में एक नेशनल गार्ड की जान चली गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने इस घटना को आतंकी हमला करार दिया था। आरोपी को पुलिस ने तुरंत गिरफ्तार कर लिया था, जिसकी पहचान अफगानी नागरिक के रूप में हुई थी। अब खबर सामने आई है कि व्हाइट हाउस के पास नेशनल गार्ड के दो सदस्यों को गोली मारकर एक की हत्या करने के आरोपी हमानुल्लाह लकनवाल ने खुद को बेकसूर बताया है। बताया जा रहा है कि आरोपी अफगान आदमी ने मंगलवार को हत्या के आरोपों में खुद को बेकसूर बताया। द वॉशिंगटन पोस्ट और दूसरे न्यूज आउटलेट्स ने बताया कि पिछले महीने हुए हमले में घायल हुए 29 साल के रहमानुल्लाह लकनवाल ने हॉस्पिटल के बेड से वीडियो फीड के जरिए यह बात कही। गौरतलब है कि ये घटना 27 नवंबर की है। 29 साल के अफगानी नागरिक ने व्हाइट हाउस के पास गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया। जिसमें दो नेशनल गार्ड जख्मी हो गए। इनमें एक नेशनल गार्ड की मौत हो गई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि हमलावर को छोड़ा नहीं जाएगा।

पहले सोलर रेडिएशन का खतरा, अब फ्यूज़ल पैनल में दिक्कत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। एयरबस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गिलाम फारी ने कहा है कि कंपनी कुछ ए320 विमानों में सामने आई फ्यूज़लेज गुणवत्ता समस्या के कारण दिसंबर में होने वाली विमान डिलीवरी की समीक्षा कर रही है। इस नई खामी ने नवंबर में पहले से ही कमजोर डिलीवरी प्रदर्शन को और प्रभावित किया है, जिससे वर्ष के लिए तय लक्ष्य पर दबाव बढ़ गया है। कंपनी को साल के अंत तक 820 विमानों की आपूर्ति करनी है। फारी ने बताया कि यह समस्या वर्ष के अंतिम महीनों में पहले से दबाव में चल रहे डिलीवरी शेड्यूल के लिए एक और चुनौती बन गई है। उन्होंने बताया कि कंपनी दिसंबर पर पड़ने वाले प्रभाव का पूरा आकलन करेगी। एयरोस्पेस इंडस्ट्री एसोसिएशन एएसडी के सम्मेलन के दौरान फारी ने कहा कि एयरबस मंगलवार को आंतरिक समीक्षा बैठकें करेगी, जिनमें इस तकनीकी समस्या के परिचालन पर प्रभाव का मूल्यांकन किया जाएगा।

इजरायली हेरॉन एमके सेकंड से बढ़ेगी भारतीय सेना की ताकत, इजरायल के साथ डील डन

यरूसलम, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर में हेरॉन एमके-2 के सफल इस्तेमाल के बाद भारत ने अपनी रक्षा क्षमताओं में वृद्धि के लिए सेटेलाइट-लिंक्ड इन ड्रोन विमानों की अतिरिक्त खेप की खरीद के लिए इजरायल के साथ आपातकालीन प्रविधानों के तहत एक करार पर हस्ताक्षर किए है। इजरायली रक्षा उद्योग से जुड़े एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आइएआइ) के एक अधिकारी ने बताया कि हेरान एमके-2 ड्रोन भारतीय थलसेना व वायुसेना के पास पहले से हैं और अब इन्हें नौसेना में भी शामिल किया जाएगा। अधिकारी के मुताबिक, सितंबर में रक्षा मंत्रालय ने 87 एमएएलई ड्रोन की खरीद के लिए आरएफपी (प्रस्ताव के लिए अनुरोध) जारी किया था, जिसमें मेक इन इंडिया कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित किया गया था। अधिकारी ने कहा, हमारे लिए भारत एक प्रमुख ग्राहक है। हमारी साझेदारी तीन दशकों और कई पीढ़ियों से चली आ रही है। हेरान एमके-2 मध्यम ऊंचाई पर लंबे समय तक उड़ान भरने में सक्षम (एमएएलई) ड्रोन है, जो 35,000 फुट की ऊंचाई तक पहुंचने और लगातार 45 घंटे तक हवा में रहने में सक्षम है। इजरायली वायुसेना के अलावा दुनियाभर की 20 सैन्य इकाइयां इस ड्रोन का इस्तेमाल करती हैं। उन्होंने कहा कि आइएआइ का इरादा न केवल इन उन्नत प्रणालियों की आपूर्ति करना है, बल्कि भारत में इनका निर्माण भी करना है। कंपनी भारत में ही इन प्रणालियों का निर्माण करना चाहती है। इसलिए यह हेरान का भारतीय संस्करण होगा। इस महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए महत्वपूर्ण प्रयास और 60 प्रतिशत से अधिक भारतीय विनिर्माण सामग्री के इस्तेमाल का लक्ष्य शामिल है। भारत ने हवा में ईंधन भरने वाले छह विमानों की खरीद के लिए मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत निविदा जारी की थी। इस कार्यक्रम के तहत विक्रेता के लिए लगभग 30 प्रतिशत मेड इन इंडिया सामग्री के इस्तेमाल पर सहमत होना जरूरी है। लिहाजा, कार्यक्रम के अनुरूप 8,000 करोड़ रुपये के इस सौदे की इस दौड़ में सिर्फ आइएआइ ही बची है। लेकिन वे इन जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रही थीं। आइएआइ के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट येहुदा लाहव ने यह बताने से इन्कार कर दिया कि अगर यह सौदा उनकी कंपनी को मिला।

वेनेजुएला पर अमेरिका सख्तः ट्रंप ने चेताया- अब जमीन पर भी होंगे हमले

वाशिंगटन, एजेंसी। कैरिबियन सागर में कथित वेनेजुएला के ड्रग तस्करों की नौकाओं पर अमेरिकी हमलों के बाद अब तनाव और बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। कारण है कि कैबिनेट बैठक के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो टूक चेतावनी दी है कि सागर में हमले के बाद अब अमेरिका जल्द ही वेनेजुएला के अंदर भी जमीनी हमले शुरू कर सकता है। ट्रंप की ये चेतावनी ऐसे समय में सामने आई है जब ट्रंप प्रशासन कैरिबियन सागर में किए गए हमले को लेकर जांच के घेरे में है।

बता दें कि इन हमलों में हुए 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी, ऐसे में इस हमले को लेकर उठ रहे सवाल के बीच ट्रंप ने अपने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का बचाव किया। साथ ही ट्रंप ने कहा कि हम जल्द ही जमीन पर भी हमले शुरू करेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जमीनी हमले आसान है, क्योंकि हमें पता है कि ड्रग तस्कर कहां रहते हैं। हम बहुत जल्द हमला शुरू करने वाले हैं।

हाल में अमेरिका की ट्रंप प्रशासन को उन नौकाओं पर किए गए हमलों को लेकर कड़ी आलोचना झेलनी पड़ रही है जिन पर नशा-तस्करी का आरोप था। इन हमलों में अब तक 80 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। ऐसे में ट्रंप ने रक्षा मंत्री हेगसेथ का बचाव करते हुए कहा कि न तो उन्हें और न ही हेगसेथ को दूसरे हमले की जानकारी थी। ट्रंप ने कहा कि मुझे दूसरे हमले के बारे में कुछ नहीं पता था। मुझे बस इतना पता था कि एक नाव को निशाना बनाया गया था। दूसरी ओर रक्षा मंत्री हेगसेथ ने कहा कि उन्होंने पहला हमला लाइव देखा, लेकिन उसके बाद अपनी अगली मीटिंग में चले गए। उन्होंने कहा कि कुछ घंटे बाद मुझे दूसरे हमले के बारे में पता चला। मैंने कोई जीवित व्यक्ति नहीं देखा, क्योंकि वह नाव पूरी तरह आग में घिरी हुई थी।

रूसी राष्ट्रपति बोले- डोनबास लिए बिना कोई शांति नहीं, जंग रोकने पर फैसला नहीं

ट्रम्प के दामाद के साथ पुतिन की 5 घंटे बैठक

मॉस्को, एजेंसी। रूस में राष्ट्रपति पुतिन और अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति ट्रम्प के दामाद जैरेड कुशनर के बीच मंगलवार को यूक्रेन युद्ध को लेकर पांच घंटे बैठक हुई। इतनी लंबी बैठक के बाद भी दोनों पक्ष किसी समझौते पर नहीं पहुंचे। पुतिन के फॉरेन पॉलिसी एडवाइजर यूरी उशाकोव ने कहा कि बातचीत फायदेमंद रही, लेकिन अभी तक कोई ऐसा प्रस्ताव सामने नहीं आया जिस पर सहमति बन सके। पुतिन का साफ कहना है जब तक यूक्रेन, रूस को डोनबास का इलाका नहीं सौंपेगा कोई समझौता नहीं होगा। उशाकोव ने बताया कि पुतिन ने अमेरिकी शांति प्रस्ताव के कुछ हिस्सों से सहमति जताई, लेकिन कई बातों पर साफ तौर पर नापसंदगी दिखाई। उनके मुताबिक अभी कई मुद्दों पर और काम करना होगा।

उशाकोव ने यह भी कहा कि फिलहाल पुतिन और ट्रम्प की कोई नई बैठक तय नहीं है और आगे यह इस बात पर निर्भर करेगा कि शांति योजना पर कितना डेवलपमेंट होता है। जब ये बातचीत चल रही थी, उसी समय यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने

सोशल मीडिया पर कहा कि यूक्रेन अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की ओर से मिलने वाले इशारे का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी अधिकारी बातचीत के बाद सीधे यूक्रेन को बताएंगे कि बैठक में क्या हुआ और उसके बाद ही यूक्रेन अपना अगला कदम तय करेगा। यूक्रेन के एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें पहले से अंदाजा था कि पुतिन का रुख कैसा रहेगा। वे कुछ बातों पर कुछ बातों पर सहमति और कुछ पर सख्त आपत्ति जताएंगे। अब असली सवाल यह है कि अमेरिका इस पर कैसे रिस्पांस करता है। इस बैठक से ठीक पहले पुतिन ने यूरोप पर आरोप लगाया कि वह अमेरिका की शांति योजना में ऐसे बदलाव कर रहा है जिससे बातचीत आगे न बढ़ सके। पुतिन ने यह भी कहा कि रूस युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर यूरोप लड़ाई शुरू करना चाहता है, तो रूस तैयार है। उधर, व्हाइट हाउस ने बैठक से पहले कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि बातचीत से कुछ डेवलपमेंट हो सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने हाल ही में यूक्रेनी प्रतिनिधियों से फ्लोरिडा में मुलाकात की थी, जहां शांति योजना में कई बदलावों पर चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि मौजूदा शांति योजना पहले की 28 बिंदुओं वाली योजना में सुधार करके बनाई गई है, क्योंकि पुरानी योजना को यूक्रेन और यूरोपीय देशों ने रूस के पक्ष में बताया था।

जेलेंस्की बोले- हर तरह की डिप्लोमेटिक कोशिशें करेंगे

जेलेंस्की इस समय यूरोपीय देशों से भी बात कर रहे हैं। उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की और आयरलैंड पहुंचकर वहां के प्रधानमंत्री से मिलने वाले हैं। उनका कहना है कि यूक्रेन किसी भी कूटनीतिक प्रयास को बेहद गंभीरता से ले रहा है और उसकी पूरी कोशिश है कि एक मजबूत शांति और सुरक्षा गारंटी मिले।

उन्होंने यह भी कहा कि रूस शांति से पहले भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा है ताकि दूसरे देशों को प्रभावित किया जा सके। विटकॉफ और पुतिन के बीच यह इस साल की छठी बैठक थी। इतनी कोशिशों के बावजूद अब तक कोई ठोस समझौता नहीं बन सका है। अमेरिका और यूक्रेन को उम्मीद है कि बातचीत आगे बढ़ेगी, जबकि पुतिन लगातार इस बात पर अड़े हैं कि यूक्रेन को उन इलाकों से पीछे हटना होगा जिन्हें रूस अपना हिस्सा मानता है।

पश्तून सांसद की खरी-खरी, कहा- एक गांव भी बिना सिस्टम के नहीं चलता

इस्लामाबाद, एजेंसी। खैबर पख्तूनख्वा के मुद्दों को पाकिस्तानी संसद में बेबाकी से उठाने वाले सांसद महमूद खान अचाकजई ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने सेना एवं सरकार की ओर से अत्याचारों का विरोध किया है और कहा कि यहां तो पूरा देश ही मनमर्जी से चल रहा है। अचाकजई ने कहा कि पाकिस्तान में संविधान और व्यवस्था नाम की कोई चीज ही नहीं बची है। इस देश में संविधान अब एक औपचारिकता मात्र है। उन्होंने मंगलवार को पश्तून नायक खान अब्दुल समद खान की 52वीं बरसी के मौके पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान सरकार पर खैबर पख्तूनख्वा की उपेक्षा करने का भी आरोप लगाया है।

पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार पख्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के चेयरमैन महमूद खान ने कहा कि इस देश में संविधान अब एक औपचारिकता मात्र रह गया है। आखिर कोई देश कैसे बिना किसी नियम और कानून के चल सकता है। एक

गांव भी इस तरह नहीं चल सकता, लेकिन यहां तो पूरा पाकिस्तान ऐसे ही चलाया जा रहा है। यही नहीं उन्होंने शहबाज शरीफ सरकार पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि चुराए हुए जनादेश से बहुमत तैयार कर लिया गया। संसद बन गई। पैसे और प्रभाव से संविधान को खत्म करने और व्यवस्था को कमजोर करने को अनुमति नहीं दी जा सकती।

यही नहीं उन्होंने इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ का भी पक्ष लिया। उन्होंने कहा कि संसद में बहुमत हासिल करने के लिए पीटीआई के लोगों पर अत्याचार किए गए। उन्होंने कहा कि हजारों घरों में रेड मारी गई। पुलिस थानों में कार्यकर्ताओं को टॉर्चर किया गया। वहां डिटेंशन सेंटर बना दिए गए। यहां तक कि उनकी गरिमा का भी उल्लंघन हुआ। इसके बाद भी पब्लिक ने पीटीआई को ही जनादेश दिया, लेकिन जब वोटों की गिनती हो रही थी तो दूसरे, तीसरे और चौथे नंबर पर रहे लोगों को विजेता घोषित कर दिया गया। कुछ लोगों को लाखों रुपये ले-देकर विजेता बना दिया गया।

उन्होंने कहा कि इसके बाद भी जब बहुमत मिलता नहीं दिखा तो अदालतों से फैसले दिलाकर कई लोगों को अयोग्य ही घोषित करा दिया गया। उन्होंने कहा कि आज स्थिति यह है कि पाकिस्तान में अदालतें कोई सही फैसला नहीं दे सकतीं। वे बिना दबाव के निष्पक्ष तरीके से काम नहीं कर पा रही हैं।

जल्दबाजी में बना कानून बच्चों की सुरक्षा के लिए खतरा

ऑस्ट्रेलिया में सोशल मीडिया बैन का यूट्यूब ने किया विरोध

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया 10 दिसंबर से 16 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अकाउंट बनाने पर बैन करने जा रहा है। यह ऐसा पहला देश होगा, जहां सोशल मीडिया पर इस तरह के प्रतिबंध लगने जा रहे हैं। सोशल मीडिया को लेकर ऑस्ट्रेलिया में बने इस प्रतिबंध की यूट्यूब ने कड़ी आलोचना की है।

दरअसल, ऑस्ट्रेलिया में सोशल मीडिया को लेकर सख्त कानून बनाया गया है। ऑस्ट्रेलिया 10 दिसंबर से फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटाक, और यूट्यूब समेत दुनिया के सबसे पॉपुलर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और वेबसाइट से 16 साल से कम उम्र के यूजर्स पर बैन लगाएगा। 10 दिसंबर से ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट ऑटोमैटिक साइन-आउट हो जाएंगे, लेकिन बिना अकाउंट के वीडियो देख सकेंगे। ऑस्ट्रेलिया में लगने वाले इस प्रतिबंध को लेकर यूट्यूब की पब्लिक पॉलिसी मैनेजर रेचल लॉर्ड ने कहा कि यह कानून बच्चों को ऑनलाइन ज्यादा सुरक्षित बनाने का अपना वादा पूरा नहीं कर पाएगा और असल में यूट्यूब पर ऑस्ट्रेलियाई बच्चों को कम सुरक्षित बनाएगा। हमने उन माता-पिता और शिक्षकों से सुना है जो इन चिंताओं को शेयर करते हैं। यह कानून बच्चों की सुरक्षा के लिए खतरा है। यूट्यूब जो दुनिया की सबसे अधिक देखे जाने वाले सोशल प्लेटफॉर्म में से एक है, इसको शुरू में बैन से बचाने के लिए बनाया गया था ताकि बच्चे एजुकेशनल वीडियो देख सकें। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने अपने नियमों में बदलाव करते हुए कहा कि युवा यूजर्स को शिकारी एल्गोरिदम से बचाने की जरूरत है। यूट्यूब की पब्लिक पॉलिसी मैनेजर रेचल लॉर्ड ने कहा कि जल्दबाजी में बनाया गया कानून हमारे प्लेटफॉर्म और युवा ऑस्ट्रेलियाई लोगों के इसे इस्तेमाल करने के तरीके को गलत समझता है।

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में टीटीपी के 7 आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत क्षेत्र खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने दो अलग-अलग अभियानों में सात टीटीपी आतंकवादियों को मार गिराया। सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, दोनों ऑपरेशन उत्तरी वजीरिस्तान जिले में किए गए। सुरक्षा बलों द्वारा मीर अली तहसील में एक खुफिया-आधारित अभियान (आईबीओ) चलाया गया, जिसके दौरान छह आतंकवादी मारे गए। आईएसपीआर ने बताया कि जिले के स्पिनवाम क्षेत्र में आईबीओ में एक अन्य आतंकवादी मारा गया। बयान में कहा गया है कि आतंकवादियों से हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया है, जो सुरक्षा बलों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों के खिलाफ कई आतंकवादी गतिविधियों और निर्दोष नागरिकों की हत्या में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। क्षेत्र में पाए जाने वाले अन्य आतंकवादियों को खत्म करने के लिए सफाई अभियान चलाया जा रहा है।

लंदन में 'मेगा' दूतावास बनाने की चीन की योजना में और देरी

लंदन, एजेंसी। मध्य लंदन में चीन के एक विशाल दूतावास के निर्माण की विवादास्पद योजना पर एक लंबे समय से लंबित निर्णय को एक बार फिर टाल दिया गया है। अधिकारियों ने बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर यह जानकारी दी है। लंदन के वित्तीय जिले और संवेदनशील डेटा केबलों के करीब एक बहुत बड़ी साइट पर बनने वाले इस 'मेगा दूतावास' की योजना वर्षों से रुकी हुई है। आलोचकों ने चिंता जताई है कि इस इमारत का इस्तेमाल जासूसी के अड्डे के रूप में किया जाएगा, और राजनीतिक गलियारों के सांसदों ने सरकार से इस प्रस्ताव को खारिज करने का आग्रह किया है।

प्लानिंग इंस्पेक्टरेट ने कहा कि इस पर पूरी तरह से विचार करने के लिए अधिक समय देने हेतु समय सीमा को बढ़ाकर 20 जनवरी कर दिया गया है। प्रधान मंत्री कीर स्टार्मर के प्रवक्ता टॉम वेल्स ने पत्रकारों से कहा, 'गृह कार्यालय और विदेश कार्यालय ने विशेष सुरक्षा निहितार्थों पर विचार किए हैं, और शुरू से ही यह स्पष्ट किया है कि जब तक हम यह पुष्टि नहीं कर देते कि उन विचारों को पूरा या सुलझा लिया गया है।

अफगानिस्तान में तालिबानी सजा

13 साल के बच्चे ने युवक को दी सजा-ए-मौत; देखने के लिए उमड़ी हजारों की भीड़

काबुल, एजेंसी।। अफगानिस्तान से एक दिल दहला देने वाली घटना का वीडियो सामने आया है। जिसमें 80 हजार लोगों के सामने एक युवक को गोली मारकर सजा दी गई। हैरानी की बात यह है कि यह सजा एक 13 साल के बच्चे ने दी। दरअसल, सजा पाने वाला युवक पर गोली मारने वाले लड़के के परिवार के लोगों की हत्या का आरोप था। तालिबानी अधिकारियों ने आरोपी की पहचान की। जिसके बाद अफगानिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने उसे दोषी करार दिया था। इसके बाद तालिबान के सुप्रीम लीडर हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने उसकी फांसी की मंजूरी दी थी। इसके बाद 13 वर्षीय लड़के से पूछा कि क्या वह दोषी ठहराए गए व्यक्ति को माफ करना

चाहता है, इस पर बच्चे ने साफ मना कर दिया। इसके बाद अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से निवासियों को फांसी की सजा देखने के लिए प्रोत्साहित किया था। इसके लिए बकायदा नोटिस भी जारी किया गया और उसे व्यापक रूप से प्रसारित किया गया। सार्वजनिक फांसी देखने के लिए स्टेडियम में करीब 80 हजार लोगों की भीड़ जुटी थी। जिसके बाद तालिबानी अधिकारियों ने 13 साल के लड़के के हाथ में एक बंदूक थमा दिया और उसे हत्या करने का निर्देश दिया। कुछ ही देर में बच्चे ने स्टेडियम के अंदर घातक गोलियां चलाकर आरोपी को मौत के घाट उतार दिया। तालिबान के सर्वोच्च न्यायालय ने फांसी दिए गए व्यक्ति की पहचान तलाह खान के पुत्र मंगल के रूप में की। मंगल को अब्दुल रहमान की हत्या करने का दोषी पाया गया था। सजा देने वाली घटना का खौफनाक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें करीब 80 हजार लोगों से खचाखच भरे स्टेडियम में गोली मारकर सार्वजनिक फांसी दी गई। गोलियों की आवाज के बीच धार्मिक नारे भी सुनाई दे रहे हैं।

संघीय जांच ब्यूरो ने हमीद, अमेरिका में भारतीय मां-बेटे की हत्या करने वाले नजीर पर 50 हजार डॉलर का इनाम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में 2017 में एक भारतीय महिला और उसके 6 साल के बेटे की नृशंस हत्या के मामले में फरार नजीर की तलाश तेज हो गई है। संघीय जांच ब्यूरो ने हमीद की गिरफ्तारी में मदद करने वाले को 50,000 डॉलर का इनाम भी रखा है। संघीय जांच ब्यूरो ने हमीद ने भारत सरकार से अपील की है कि हमीद के प्रत्यर्पण में मदद करे।

दरअसल, अमेरिका के न्यू जर्सी में 23 मार्च 2017 को मेपल शेड स्थित अपार्टमेंट में शशिकला नर्रा (38) और उनके बेटे अनीश नर्रा (6) के शव मिले थे। शव के पोस्टमार्टम में सामने आया कि दोनों की हत्या गर्दन

पर चाकू से वार कर की गई है। बेटे अनीश का सिर शरीर से अलग हो गया था और दोनों के शरीर पर अनगिनत घाव के निशान थे।

जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी नजीर हमीद जो भारतीय नागरिक है, पीड़ितों के ही अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में रहता था।उसकी पहचान संदिग्ध व्यक्ति के रूप में हुई, क्योंकि यह पता चला कि वह पीड़िता के पति और पिता का पीछा कर रहा था। हत्याओं के छह महीने बाद वह भारत भाग आया और तब से यहीं छिपा है। घटनास्थल पर मिली खून की एक बूंद किसी पीड़ित की नहीं थी। बाद में उस खून का डीएनए हमीद से मैच हो गया। हमीद पर फरवरी 2025 में हत्या समेत छह गंभीर आरोप लगाए गए। न्यू जर्सी गवर्नर फिल मर्फी ने पिछले हफ्ते भारत के राजदूत विनय क्वात्रा को फोन कर हमीद को प्रत्यर्पण में तुरंत सहयोग करने की मांग की।

कड़े मानदंडों को पूरा करने के बाद मिलती है सऊदी अरब की नागरिकता

अबुधाबी, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादक और अपनी इस्लामी विरासत के लिए प्रसिद्ध देश सऊदी अरब में नागरिकता प्राप्त करने के नियम दुनिया के अन्य देशों की तरह ही सख्त और जटिल हैं। सोशल मीडिया पर अक्सर यह सवाल चर्चा का विषय बनता है कि क्या कोई विदेशी पुरुष सऊदी अरब की महिला से विवाह करके यहां की नागरिकता आसानी से प्राप्त कर सकता है? आज हम आपको सऊदी अरब के विवाह और नागरिकता से जुड़े नियमों का स्पष्ट जवाब देते हैं जो मुख्यतः इस्लामी शरिया कानून से प्रेरित है। सऊदी अरब के विवाह कानून इस्लामी सिद्धांतों पर आधारित हैं जो वैवाहिक जीवन के सभी पहलुओं को नियंत्रित करते हैं। सऊदी नागरिक संबंधित अनुमति के साथ किसी अरब या इस्लामी देश की लड़की से विवाह कर सकते हैं। सऊदी सरकार गैर-मुस्लिमों से विवाह पर कड़े प्रतिबंध लगाती है। अधिकारी सऊदी महिलाओं के विदेशी पतियों के निवास संबंधी मुद्दों पर विशेष ध्यान देते हैं। ऐसे पतियों को निवास परमिट प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। सऊदी अरब में विवाह के आधार पर नागरिकता मिलना सीधी प्रक्रिया नहीं है। इसके लिए गैर-सऊदी जीवनसाथी को कड़े मानदंडों को पूरा करना पड़ता है- निवास समाप्ति- सऊदी पति या पत्नी के तलाक या मृत्यु की स्थिति में विदेशी जीवनसाथी का निवास समाप्त किया जा सकता है। यह नियम तभी लागू नहीं होगा जब विवाह से बच्चे हों या वे असाधारण मानवीय औचित्य प्रस्तुत कर सकें।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच दूसरे वनडे में

कोहली-गायकवाड़ के शतक के बाद राहुल ने बिखेरी चमक

भारत ने बनाए थे 358 रन

रायपुर (एजेंसी)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच दूसरा वनडे रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारतीय टीम ने वनडे में लगातार 20वां टॉस गंवाया। साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया है। टीम इंडिया ने 41 ओवर में 5 विकेट पर 358 रन बनाए थे। अफ्रीका को जीतने के लिए 369 रन बनाने थे। वॉशिंगटन सुंदर एक रन बनाकर आउट हुए। के राहुल ने शानदार अद्‌र्धशतक बनाया। विराट कोहली 102 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें लुंगी एनगिडी ने ऐडन मार्करम के हाथों कैच कराया। ऋतुराज गायकवाड (105 रन) को मार्को यानसन ने टोनी डी जॉर्जी के हाथों कैच कराया। यशस्वी जायसवाल 22 और रोहित शर्मा 14 रन बनाकर आउट हुए। साउथ अफ्रीका से नांद्रे बर्गर और मार्को यानसन को 1-1 विकेट मिला। 38वें ओवर में विराट कोहली ने शतक पूरा किया। उन्होंने 90 बॉल पर शतक पूरा किया। उन्होंने मिडऑन पर बैकफुट पंच करके एक रन लिया और शतक पूरा किया। फिर अपने अंदाज में छलांग लगाई और रिंग चूमकर सेलिब्रेशन किया। कोहली ने वनडे करियर में 53वां शतक लगाया। उनके इंटरनेशनल क्रिकेट में 84 शतक हो चुके हैं। 36वें ओवर में भारत ने तीसरा विकेट गंवाया। यहां पर ऋतुराज गायकवाड 105 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मार्को यानसन ने टोनी डी जॉर्जी के हाथों कैच कराया। ???गायकवाड वनडे में पहला शतक लगाने के बाद इमोशनल हो गए। उन्हें कोहली ने गले लगाया। इसी के साथ 195 रनों की पार्टनरशिप ब्रेक हुई।

- **रोहित शर्मा ने भारत में 9 हजार रन पूरे किए** - रोहित शर्मा ने भारत में 9 हजार रन पूरे कर लिए हैं। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड और विराट कोहली भारतीय पिच पर यह कारनामा कर चुके हैं।
- **रोहित शर्मा 8 बॉल पर 14 रन बनाकर आउट** - 5वें ओवर में भारत ने पहला विकेट गंवाया। यहां रोहित शर्मा 8 बॉल पर 14 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें नांद्रे बर्गर ने विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक के हाथों कैच कराया।

ट्रोलर्स को दिया बल्ले से जवाब! रुतुराज गायकवाड़ ने जड़ा करियर का पहला एक दिवसीय शतक

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेली जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में युवा सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने वनडे करियर का पहला शतक पूरा कर लिया है। श्रेयस अय्यर के चोटिल होने के कारण उन्हें इस सीरीज में मौका मिला था, जिसे उन्होंने रायपुर में एक यादगार पारी खेलकर भुनाया है। रुतुराज गायकवाड़ के लिए यह सीरीज की शुरुआत निराशाजनक रही थी। रांची में खेले गए पहले वनडे मुकाबले में वह पूरी तरह फ्लॉप रहे थे और उन्होंने 14 गेंदों पर सिर्फ 8 रनों की छोटी पारी खेली थी। इस खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें सोशल मीडिया पर काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। हालांकि, रुतुराज ने इन सभी आलोचनाओं को दरकिनार करते हुए दूसरे वनडे में शानदार वापसी की।

प्लेइंग-11

- **भारत**- केएल राहुल (कप्तान, विकेटकीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, ऋतुराज गायकवाड, वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा।
- **साउथ अफ्रीका**- टेम्बा बावुमा (कप्तान), क्विंटन डी कॉक, ऐडन मार्करम, मैथ्यू ब्रीट्‌जकी, टोनी डी जॉर्जी, डेवाल्ड ब्रेविस, मार्को यानसन, कॉर्बिन बॉश, केशव महाराज, नांद्रे बर्गर और लुंगी एनगिडी।

कोहली साउथ अफ्रीका के खिलाफ सबसे सफल बल्लेबाज बने, तेंदुलकर रह गए पीछे

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज विराट कोहली ने एक बार फिर बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाले कोहली अब भारत की ओर से सर्वाधिक 50+ स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली जैसे महापुरुषों को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। 72 पारियों में 26 बार 50 रन से अधिक का स्कोर बनाना उनके निरंतर प्रदर्शन और अद्भुत फिटनेस का प्रमाण है। यह रिकॉर्ड भारतीय क्रिकेट के स्वर्णिम पलों में हमेशा याद किया जाएगा। विराट कोहली लगातार बड़े मैचों में जिम्मेदारी निभाने के लिए जाने जाते हैं और साउथ अफ्रीका के खिलाफ उनकी परफॉर्मेंस हमेशा खास रही है। इस बार उन्होंने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम की—भारत की ओर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे अधिक 50+ स्कोर बनाने का रिकॉर्ड। कोहली ने 72 इनिंग्स में 26 बार पचास या उससे अधिक रन बनाए, जो उनके शानदार बल्लेबाजी कौशल और निरंतरता को स्पष्ट दर्शाता है। उनकी यह उपलब्धि इसलिए भी बड़ी है क्योंकि उन्होंने यह कारनामा अपेक्षाकृत कम पारियों में किया है। उनकी स्ट्राइक रोटेशन, तकनीक और मानसिक मजबूती उन्हें बड़े स्कोर तक पहुंचने में लगातार सहायता करती रही है।

राहुल द्रविड़, सौरव गांगुली और अजहरुद्दीन भी सूची में शामिल

भारतीय क्रिकेट के अन्य दिग्गज भी इस सूची में शामिल हैं। राहुल द्रविड़, जिन्हें 'दीवार' के नाम से जाना जाता है, ने 76 इनिंग्स में 21 बार 50+ स्कोर बनाया। उनकी रक्षात्मक तकनीक और धैर्य भारत की कई महत्वपूर्ण जीतों का आधार रहे हैं। सौरव गांगुली, जिन्होंने भारत को आक्रामक क्रिकेट का नया चेहरा दिया, ने 60 इनिंग्स में 18 बार 50+ रन बनाए। गांगुली की शानदार बल्लेबाजी और जोरदार नेतृत्व ने कई युवा खिलाड़ियों को नई दिशा दी। मोहम्मद अजहरुद्दीन, अपनी स्टाइलिश बैटिंग के लिए पहचाने जाते हैं, ने 53 पारियों में 13 बार यह उपलब्धि हासिल की।

भारत के लिए साउथ अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज़्यादा 50+ इंटरनेशनल स्कोर

26* - विराट कोहली (72 इनिंग्स)
25 - सचिन तेंदुलकर (103 इनिंग्स)
21 - राहुल द्रविड़ (76 इनिंग्स)
18 - सौरव गांगुली (60 इनिंग्स)
13 - मोहम्मद अजहरुद्दीन (53 इनिंग्स)

साउथ अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज़्यादा वनडे 50+ स्कोर

15* - विराट कोहली (31 इनिंग्स)
15 - कुमार संगकारा (43 इनिंग्स)
15 - रिकी पोंटिंग (48 इनिंग्स)

सचिन तेंदुलकर दूसरे स्थान पर

भारत के महानतम बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर इस सूची में दूसरे नंबर पर हैं। तेंदुलकर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 103 पारियों में 25 बार 50+ स्कोर बनाए। उनकी सर्वकालिक क्षमता और खेल के प्रति समर्पण भारतीय क्रिकेट के लिए सदैव प्रेरणा रहे हैं। हालांकि तेंदुलकर ने कोहली से काफी ज्यादा पारियां खेलीं, फिर भी इतने लंबे करियर में इस तरह का रिकॉर्ड कायम रखना उनकी महानता को दर्शाता है। कोहली ने उन्हें पार करते हुए यह संकेत भी दे दिया है कि वह भारतीय क्रिकेट इतिहास में कई और रिकॉर्ड्स को फिर से परिभाषित करने की क्षमता रखते हैं।

..मैच के दौरान ग्राउंड में घुसा फैन, सुरक्षा-टीम ने बाहर निकाला, रायपुर में सड़कें थी जाम, धोनी के फैन राम बाबू भी पहुंचे

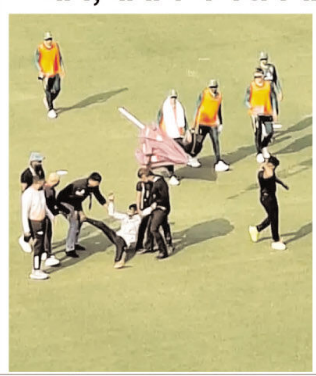

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच दूसरा वनडे रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में खेला गया। वहीं मैच के दौरान एक फैन मैदान में घुस गया था। बाउंसरों ने कंधे में उठाकर युवक को तुरंत मैदान से बाहर निकाला। मैच को लेकर क्रिकेट फैंस में जबरदस्त उत्साह है और स्टेडियम तक पहुंचने वाली सड़कों पर कई जगह जाम की स्थिति बनी हुई थी। तेलीबांधा चौक पर लगभग 2 किलोमीटर लंबा जाम लगा हुआ था। महेंद्र सिंह धोनी के बड़े फैन राम बाबू भी स्टेडियम पहुंचे हैं। थ्री-लेयर चेकिंग के बाद फैंस को धीरे-धीरे एंट्री दी गई। हजारों की संख्या में दर्शक स्टेडियम में जमा थे।

हर्षित राणा पर आईसीसी की कार्रवाई

एक डिमेरिट पॉइंट दिया, पहले वनडे में ब्रेविस को आउट करने के बाद ड्रेसिंग रूम की दिशा में इशारा किया

रायपुर (एजेंसी)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच रांची में खेले गए पहले वनडे में भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा पर आईसीसी ने कार्रवाई करते हुए एक डिमेरिट पॉइंट दिया है। राणा पर यह कार्रवाई 30 नवंबर को हुए मैच में डेवाल्ड ब्रेविस को आउट करने के बाद ड्रेसिंग रूम की दिशा में इशारा करने के कारण की गई। आईसीसी ने इसे आचार संहिता के आर्टिकल 2.5 का उल्लंघन माना है और राणा को लेवल-1 का दोषी करार दिया है। यह आर्टिकल खिलाड़ियों या अधिकारियों की ओर अनुचित भाषा या इशारा किए जाने से संबंधित है। लेवल-1 उल्लंघन में चेतावनी, अधिकतम 50 प्रतिशत मैच फीस की कटौती और 1-2 डिमेरिट पॉइंट तक की सजा शामिल होती है।

कार्रवाई क्यों हुई

रांची में रविवार को खेले गए पहले वनडे में, मैच के 22वें ओवर में हर्षित राणा ने ब्रेविस को ऋतुराज गायकवाड़ के हाथों डीप प्वॉइंट पर कैच करवाया। आउट होने के बाद राणा ने ब्रेविस की ओर इशारा किया, जिसे मैच अधिकारियों ने आक्रामक और अनुचित जेस्चर माना और इसी आधार पर उन पर कार्रवाई की गई।

कोहली 15 साल बाद विजय हजारे ट्रॉफी खेलेंगे

- डीडीसीए को फोन करके जानकारी दी; 24 दिसंबर से शुरू होगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली 15 साल बाद घरेलू विजय हजारे ट्रॉफी में खेलेंगे। उन्होंने फोन पर डीडीसीए को इसकी जानकारी दी। रिपोर्ट्स के अनुसार, रांची में फिटनेस पर कोहली के बयान के बाद बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने विराट को विजय हजारे खेलने के लिए मनाया। पहले वनडे के बाद विराट ने कहा था- मुझे पता है कब आराम करना है और कब खेलना है। उन्होंने कहा था कि वे मैच से पहले एक दिन का ब्रेक लेते हैं, क्योंकि अब 37 साल की उम्र में रिकवरी के लिए समय की भी जरूरत होती है। कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी में पिछला मैच फरवरी 2010 में सर्विसेज के खिलाफ खेला था। टूर्नामेंट 24 दिसंबर से अहमदाबाद में शुरू होगा। कोहली अब टीम इंडिया के लिए सिर्फ वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं। वे टी-20 क्रिकेट से 29 जून 2024 और टेस्ट से 12 मई 2025 को रिटायर हो चुके हैं।

बेंगलुरु में होंगे दिल्ली के सभी 7 मैच - दिल्ली अपने 5 लीग मैच बेंगलुरु के पास अलूर में खेलेगी और दो मैच एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होंगे, जो कोहली की आईपीएल टीम आरसीबी का होम ग्राउंड है। कोहली ने दिल्ली के लिए आखिरी बार सितंबर 2013 में 50 ओवर का घरेलू टूर्नामेंट एनकेपी साल्वे चैलेंजर ट्रॉफी खेला था। विजय हजारे ट्रॉफी में उनका पिछला मैच 2009-10 सीजन में हुआ था। दोनों टूर्नामेंट में उन्होंने दिल्ली की कप्तानी की थी।

बीसीसीआई ने डोमेस्टिक खेलने के लिए कहा था - बीसीसीआई ने रोहित शर्मा और विराट कोहली से कहा था कि वनडे टीम में अपनी जगह बनाए रखने के लिए उन्हें घरेलू टूर्नामेंटों में हिस्सा लेना होगा। बीसीसीआई ने कहा था कि बोर्ड और टीम मैनेजमेंट ने दोनों खिलाड़ियों को साफ कर दिया है कि अगर वे भारत के लिए खेलना जारी रखना चाहते हैं, तो उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना होगा।

पिछले सीजन रोहित-कोहली ने रणजी खेला था - 2024-25 के रणजी सीजन में रोहित और कोहली ने एक-एक रणजी मैच खेला था। जनवरी में कोहली 12 साल बाद दिल्ली के लिए खेले थे, जबकि रोहित ने 10 साल बाद मुंबई की ओर से मैच खेला था।

ओलिंपियन शूटर मनु भाकर रोहतक आईआईएम की स्टूडेंट बनीं

- स्पोर्ट्स मैनेजमेंट में पीजी डिप्लोमा करेंगी; पिता बोले- बेटी ने ही फील्ड तय किया

नईदिल्ली (एजेंसी)। ओलिंपिक और शूटिंग वर्ल्ड कप में इतिहास रचने वाली हरियाणवी शूटर मनु भाकर अब रोहतक में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) की स्टूडेंट बन गई हैं। मनु भाकर का एडमिशन प्रोसेस पूरा हो गया है।खास बात यह है कि मनु भाकर ने आगे की स्टडी के लिए कोर्स भी स्पोर्ट्स फील्ड से ही चुना है। मनु यहां से पीजी डिप्लोमा इन स्पोर्ट्स मैनेजमेंट की पढ़ाई करेंगी। परिवार के अनुसार, मनु ने खेल के बाद इसी से जुड़े बिजनेस को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से स्पोर्ट्स मैनेजमेंट में आगे की पढ़ाई करने का फैसला लिया है।

मनु मूल रूप से झज्जर जिले के गोरिया गांव की रहने वाली हैं। उनकी स्कूली शिक्षा झज्जर के यूनिवर्सल स्कूल से हुई है। यह स्कूल उनके चाचा संचालित करते हैं। इसके बाद मनु ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से पॉलिटिकल साइंस सब्जेक्ट में ग्रेजुएशन किया। उसके बाद चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी से पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में पोस्ट ग्रेजुशन किया है।

मनु ने 2024 के पेरिस ओलिंपिक में निशानेबाजी में डबल ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए थे। 17 जनवरी 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें खेल रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया था। वर्तमान में मनु का फोकस शूटिंग वर्ल्ड कप पर है, जो 2027-28 में भारत में ही होगा।

पूर्व इंग्लिश बैटर रॉबिन स्मिथ का निधन

एम्ब्रोस-वॉल्श और मार्शल जैसे बॉलर्स को दिलेरी से खेला; इंडिया के खिलाफ 5 शतक लगाए थे

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व बैटर रॉबिन स्मिथ का मंगलवार को 62 साल की उम्र में निधन हो गया है। इंग्लिश क्रिकेट बोर्ड ने उनके निधन की जानकारी दी। इंग्लिश बोर्ड ने लिखा- वे अपने समय से आगे के बैटर्स थे। 1993 में एजबेस्टन वनडे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 167 रनों की यादगार पारी इसका उदाहरण है। स्मिथ को 80 और 90 के दशक में कर्टली एम्ब्रोस, कर्टनी वॉल्श, मैल्कम मार्शल और पैट्रिक पैटरसन जैसे वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों का दिलेरी से सामना करने के लिए जाना जाता है। तब उनके साथी बैटर्स अक्सर इस गेंदबाजी आक्रमण के सामने विफल हो जाते थे।

टेस्ट में 4236 रन बनाए, भारत के खिलाफ 2 शतक - दाएं हाथ के स्मिथ ने 1988 से 1996 के बीच 62 टेस्ट मैच खेले। उन्होंने 43.67 के औसत से 4236 रन बनाए। उस दौर में इंग्लैंड के क्रिकेट पर उनका प्रभाव उनके आंकड़ों से कहीं अधिक था। ईसीबी के अध्यक्ष रिचर्ड थॉम्पसन ने कहा- रॉबिन स्मिथ एक ऐसे खिलाड़ी थे, जो दुनिया के कुछ सबसे तेज गेंदबाजों का आत्मविश्वास से सामना करते थे। उनकी बल्लेबाजी पर इंग्लैंड के प्रशंसकों को बहुत गर्व हुआ।

डरबन में जन्में, इंग्लैंड से खेले; ऑस्ट्रेलिया में बसे - स्मिथ का जन्म 1963 में डरबन में हुआ था। वे साथी साउथी अफ्रीकी बैरी रिचर्ड्स और माइक प्रोक्टर के प्रभाव में हैम्पशायर (इंग्लैंड) चले गए।

हार्दिक पांड्या ने टी-20 क्रिकेट बनाया छक्कों का अनोखा रिकॉर्ड

अब तक सिर्फ धोनी ही कर पाए थे यह खास कमाल

पंजाब (एजेंसी)। टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के दौरान एक ऐसा कारनामा कर दिखाया, जो उनसे पहले भारतीय क्रिकेट में सिर्फ एमएस धोनी के नाम था। पंजाब के खिलाफ उनकी धुआंधार पारी ने उन्हें एक बेहद खास और दुर्लभ उपलब्धि तक पहुंचा दिया, टी20 क्रिकेट में बिना शतक लगाए 300 से ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की लिस्ट में अब हार्दिक का नाम भी शामिल हो गया है। यह उपलब्धि हार्दिक की पावर-हिटिंग क्षमता और लगातार सुधारते प्रदर्शन को दर्शाती है।

एसएमएटी 2025 में हार्दिक की धमाकेदार वापसी - सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में हार्दिक बड़ौदा के लिए खेल रहे हैं और टूर्नामेंट के दौरान उनकी फॉर्म शानदार रही है। पंजाब के खिलाफ एलीट ग्रुप ष्ट मैच में उन्होंने 42 गेंदों पर नाबाद 77 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 4 छक्के जड़े और अपनी टीम को 7 विकेट से रोमांचक जीत दिलाई। इसी मैच के दौरान लगे पहले छक्के ने उन्हें 300 छक्कों के आंकड़े के पार पहुंचा दिया, जिसकी बदौलत वे स्र धोनी की स्पेशल लिस्ट में शामिल हो गए।